हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 14.08.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 26 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

लेडी डॉक्टर से रेप और हत्या की जांच करेगी सीबीआई : कलकत्ता हाई कोर्ट

एजेंसी

कोलकाता : आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के बलात्कार व हत्या मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सीबीआई से मामले की जांच कराए जाने का आदेश दिया है। मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम ने इससे जुड़े केस डायरी के निरीक्षण के बाद यह आदेश दिया। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य सरकार को मामले से संबंधित सभी जानकारी और दस्तावेज सीबीआई को सौंपने होंगे। इसके अलावा, पुलिस की तरफ से जुटाए गए सभी सीसीटीवी फुटेज भी सीबीआई को सौंपे जाने चाहिए।

उल्लेखनीय है कि पिछले शुक्रवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड की चौथी मंजिल पर एक महिला डॉक्टर का शव खून से लथपथ अवस्था में मिला था। इस घटना ने राज्य भर में हड़कंप मचा दिया था। हत्या और बलात्कार का आरोप लगाते हुए आरजी कर के जूनियर डॉक्टरों ने आंदोलन शुरू कर दिया है और लगातार धरने पर बैठे हैं। बाद में, इस आंदोलन में अन्य डॉक्टर भी शामिल हुए। यह आंदोलन केवल आरजी कर मेडिकल कॉलेज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राज्य के विभिन्न अस्पतालों में भी फैला है। यहां तक कि देश के विभिन्न अस्पतालों के डॉक्टरों ने भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर की हत्या के मामले में अब तक कई चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं। इन जानकारियों से यह स्पष्ट होता है कि महिला डॉक्टर के साथ अत्यधिक बर्बरता की गई थी। पुलिस ने इस मामले में एक सिविक वॉलंटियर संजय राय को गिरफ्तार किया है। हालांकि अब तक किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता के सबूत नहीं मिले हैं। शनिवार को आरोपित को शियालदह कोर्ट में पेश किया गया, जहां न्यायाधीश ने उसे 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

आरजी कर कांड को लेकर हाई कोर्ट में कई जनहित याचिकाएं दायर की गई थीं, जिनकी सुनवाई मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश की बेंच में हुई। इन याचिकाओं में मुख्य रूप से तीन मांगें की गई थीं। पहली मांग यह थी कि इस मामले की जांच किसी निष्पक्ष एजेंसी से कराई जाए। याचिकाकर्ताओं ने इस मामले की जांच सीबीआई या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी से कराने की अपील की, जिस पर राज्य का कोई प्रभाव न हो। दूसरी मांग यह थी कि इस घटना में शामिल लोगों की तत्काल पहचान कर उन्हें सजा दी जाए। तीसरी मांग यह थी कि सभी सरकारी अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। याचिकाकर्ताओं ने जोर देकर कहा कि अस्पताल की हर मंजिल के मुख्य प्रवेश द्वार पर सीसीटीवी होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में मृतक डॉक्टर के परिवार ने भी पुलिस पर अविश्वास जताया था। इसके बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक दिन पहले ही परिजनों से मुलाकात के बाद ऐलान किया था कि रविवार तक पुलिस अगर मामले में संतोषजनक जांच नहीं करती है तो राज्य सीबीआई को इन्वेस्टिगेशन की जिम्मेदारी सौंप देगा। उसके पहले हाई कोर्ट ने ही यह निर्देश दे दिया है।

नागरिकों को सुरक्षा देने में सक्षम नहीं बंगाल सरकार दोषियों को बचाने की हो रही कोशिश : अधीर रंजन चौधरी

नयी दिल्ली : कोलकाता में एक महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कोलकाता की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सरकार से दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, कोलकाता में जो हुआ, वह निंदा जनक घटना है। सरकार को इस मामले की जांच करनी चाहिए, लेकिन सरकार संदेह में है और बंगाल ही नहीं पूरे देश में इस घटना को लेकर विरोध हो रहा है। उन्होंने बंगाल की कानून-व्यवस्था को लेकर ममता सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा, पहले हम कानून और व्यवस्था की स्थिति के बारे में जो कहते थे, वह सही है। बंगाल सरकार सुरक्षा देने में सक्षम नहीं है। इसलिए वह सिर्फ अनदेखी कर रही है। यहां सुरक्षा नाम की कोई चीज नहीं है, वे आरोपियों की मदद कर रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा था, कोलकाता केस में कौन पास हो रहा है, कौन फेल हो रहा है। ये कहना जल्दबाजी होगी।

अंतराष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका फुटबॉल मुकाबले की चैंपियन बनी झारखंड की टीम

- फाइनल में बांग्लादेश को 4-1 से हराकर दर्ज की शानदार जीत।
- आज रांची आएंगी चैंपियंस, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद में होगा सम्मान समारोह।
- झारखंड की बेटियों के शानदार प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री ने दी बधाई।

अनिशा उरांव को दिया गया टूर्नामेंट की बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : दिल्ली के डॉ. आंबेडकर स्टेडियम में आयोजित 63वीं अंतराष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में झारखंड की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन का खिताब हासिल कर लिया है। झारखंड टीम ने बांग्लादेश को 4-1 के अंतर से पराजित कर 63वीं राष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में पराजित कर चैंपियन बन गयी है। झारखंड की ओर से फाइनल मुकाबले में संजना उरांव ने 2 गोल, उर्वशी कुमारी और बबिता कुमारी ने एक एक गोल किया, जबकि इस मुकाबले में बांग्लादेश ने केवल एक गोल किया। टूर्नामेंट की बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार झारखंड की ललिता बोनपाई को दिया गया। बेस्ट गोलकीपर का अवार्ड झारखंड की झारखंड की बेटियों के शानदार प्रदर्शन और टीम की जीत पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूरी टीम को बधाई दी है। सुब्रतो कप 2024 अंडर 17 बालिका वर्ग प्रतियोगिता में शुरू से ही झारखंड की बेटियों का दमदार प्रदर्शन देखने को मिला। टीम ने पिछले मैचों में दिल्ली को 7-0, गुजरात को 3-0, अरुणाचल प्रदेश को 13-0, त्रिपुरा को 2-0 और हरियाणा को 4-2 से हराकर अपनी मजबूत छाप छोड़ दी थी।

63वीं अंतराष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता की चैंपियन टीम कल दिनांक 13 अगस्त, 2024 को फ्लाइट से रांची आएगी। जीत दर्ज करने के बाद अंडर 17 बालिका टीम आज 1 बजे रांची पहुंचेंगी। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद में चैंपियन बच्चियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा। सम्मान समारोह में चैंपियंस को राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह, झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन संयुक्त रूप से सम्मानित करेंगे।

फइनल में झारखंड की टीम के शानदार प्रदर्शन पर राज्य स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री बैद्यनाथ राम, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, अंतराष्ट्रीय फुटबॉल कोच सह भारतीय खेल प्राधिकरण के पूर्व निदेशक सुशील कुमार वर्मा, एलएमसी सदस्य मुकुल टोप्पो, जेएसएसपीएस कोच सोमनाथ सिंह, टीम मैनेजर बिंदु कुजूर समेत खेल कोषांग के सभी पदाधिकारियों ने टीम को फाइनल मुकाबले के लिए शुभकामनायें और जीत की बधाई दी है।

एक नजर

सभी प्रखंडों में युवा कांग्रेस की महिला कैडर करेंगी ध्वजारोहण

हजारीबाग : झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रवक्ता रितेश तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास तथा झारखंड के प्रभारी इशिता सेढ़ा के निर्देश के आलोक में महिला सशक्तिकरण की ओर अपनी सहभागिता अर्पित करते हुए झारखंड प्रदेश के समस्त प्रखंडों में हमारी महिला कैडर के द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करवाया जायेगा। युवा कांग्रेस की महत्वाकांक्षी योजना शक्ति सुपर शी की महिलाओं द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करने की रूप रेखा प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज द्वारा तैयार कर ली गई है। रितेश तिवारी ने कहा की झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस महिला सशक्तिकरण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता सुदृढ़ तथा अक्षुण्ण रखती है तथा राहुल गांधी के महिला न्याय को वास्तविक धरातल पर आरोपित करने हेतु अग्रसर है। उन्होंने कहा की झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएंगे।

चौकीदार नियुक्ति हेतु होगी लिखित परीक्षा

गुमला : गुमला जिले में ग्रामीण चौकीदारों की नियुक्ति हेतु कुल 226 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु दिनांक 18 अगस्त को लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। उक्त परीक्षा में शामिल होने वाले योग्य उम्मीदवारों की सूची पर अपलोड कर दी गई है जहां से उम्मीदवार अपने नाम का मिलान भी कर सकते हैं। इस दौरान उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी द्वारा सभी उम्मीदवारों से अपील की गई है कि आप अपना प्रवेश पत्र दिनांक 14 अगस्त तक अपने संबंधित प्रखंड/ नगरपालिका/ से प्राप्त कर सकते है। अब तक अधिकांश उम्मीदवारों ने अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर लिया है, शेष बचे उम्मीदवार भी अपना प्रवेश पत्र जल्द ही प्राप्त कर लें। 14 तारीक तक यदि उम्मीदवार अपने प्रखंड/ नगर पालिका से एडमिट कार्ड नहीं प्राप्त कर पाएंगे तो उम्मीदवार 16 एवं 17 अगस्त को जिला मुख्यालय स्थित सामान्य शाखा से अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

AFFIDAVIT

मैं, गुड्डू पिता मो० हफीज, उम्र 46 वर्ष लगभंग, धर्म-इस्लाम, पेशा- व्यावसाय, निवास स्थान मुहल्ला - बुचर टोली, खानशामा गली, थाना- सदर, जिला- हजारीबाग, राज्य झारखण्ड शपथ पूर्वक व्यान करता हूँ कि: -

1. यह कि लैइबा नाज मेरी पुत्री है। मेरी पुत्री के आधार कार्ड नं0- 5994 6794 6827 दर्ज है। और पता जाकीर हुसैन रोड, हजारीबाग थाना सदर, जिला- हजारीबाग दर्ज है।
2. यह कि मैं अपनी पुत्री का नाम चेन्ज (बदलना) चाहता हूँ। मैं अपनी पुत्री का नाम लैइबा नाज से बदलकर एकरा नाज करवाना चाहता हूँ। मेरी पुत्री के आधार कार्ड में जो पता है वही पता रहेगा।
3. यह कि मेरी पुत्री आज दिनांक 12.8.2024 से एकरा नाज के नाम से जानी जायेगी।
4. यह कि उपरोक्त लिखित बातें सही वो सत्य है।

सत्यापन

मैं, गुड्डू सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त लिखित बातें सही वो सत्य है जिसे सत्य पाकर आज दिनांक 12.8.2024 ई० को हजारीबाग में अपना हस्ताक्षर बनाया।

Affidavit no.- 27030

गढ़वा में मिले कंकाल का खुलासा, महिला को दूसरे प्रेमी के साथ देख पहले प्रेमी ने की थी हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गढ़वा : भावनतपुर थाना पुलिस ने अकेलवा जंगल में मिले कंकाल का खुलासा कर लिया है। साथ ही घटना को अंजाम देने वाले नगर उंटारी थाना क्षेत्र के चेचरिया निवासी प्रेमी अब्दुल खान उर्फ लेदू खान (55) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित का मोबाइल उसके घर से बरामद किया है। बताया गया है कि महिला का पति बाहर में मजदूरी का काम करता है। आरोपित और उसके बीच करीब पांच वर्ष से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बीच महिला समित्री देवी का संबंध गांव के ही कन्हाई सिंह के साथ हो गया। पांच अगस्त को दोपहर में आरोपित ने समित्री देवी को कन्हाई सिंह के साथ देख लिया। इसके बाद वह उसी गांव में संत पासवान के घर पर शराब पीने लगा। कुछ देर बाद महिला भी आई एवं इनके साथ शराब पी। शराब पीकर दोनों जंगल के रास्ते जाते-जाते दोनों के बीच विवाद होने लगा। तब आरोपित ने समित्री देवी को पटक कर गला दबा कर हत्या कर शव को वहीं सुनसान जंगल में झाड़ियों के बीच छोड़कर अपने घर नगर उंटारी चला गया। पुलिस से बचने के लिए अपना मोबाइल बंद कर लिया। गढ़वा एसपी दीपक पांडे ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 11 अगस्त के सुबह को बनसानी पंचायत के टोला भुईया भंवरिया के अकेलवा जंगल में एक मानव कंकाल के बारे में सूचना मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस के टीम मौके पर से एक मानव कंकाल बरामद किया, जिसके पैर में मांस एवं चमड़ी बचा हुआ था। पैर में गोदना का निशान एवं ब्लू रंग की साड़ी तथा महिला चप्पल मिला। मौके पर मौजूद ग्रामीण में से मीरा देवी ने कंकाल के पैर में गोदना, साड़ी एवं चप्पल को देखकर अपनी मां समित्री देवी के रूप में पहचान की तथा कहा कि बीते पांच-छह वर्ष से अब्दुल खान उर्फ लेदू खान के साथ इनकी मां का प्रेम प्रसंग था। पांच अगस्त को इनकी मां को दोपहर उसी के साथ अंतिम बार देखा गया था। इसके बाद मामले को लेकर भवनाथपुर थाना में मामला दर्ज किया गया। पुलिस की एक टीम ने अब्दुल खान उर्फ लेदू खान को पकड़कर पूछताछ प्रारंभ किया। पूछताछ के क्रम में अब्दुल खान ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की तथा बताया कि कबाड़ी खरीदने बेचने के क्रम में करीब पांच-छह वर्ष पूर्व समित्री देवी से इनकी जान पहचान हुई थी, जो प्रेम में तब्दील हो गया था।

बड़कागांव विधानसभा में हर घर तिरंगा अभियान की तैयारी जोरों पर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में हर घर तिरंगा अभियान का नेतृत्व स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद के द्वारा किया जा रहा है। विधायक अंबा प्रसाद का लक्ष्य है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घरों में तिरंगा झंडा अवश्य फहराया जाए। इसी को लेकर विधायक अंबा प्रसाद के बड़कागांव बरवाडीह स्थित आवास में तैयारियां जोरों पर है। तिरंगे झंडे की पैकेजिंग करके हर घरों तक पैकेट पहुंचाने का लक्ष्य है इसी को लेकर पूर्व विधायक निर्मला देवी भी लगातार मेहनत कर रही है। बड़कागांव स्थित आवास में दर्जनों युवतियां भी इस अभियान को सफल बनाने के लिए तिरंगे झंडे की पैकेजिंग कर रही हैं। पूरे क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस को धूमधाम से मनाने की तैयारी हो रही है।

भाजयुमो ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर देशव्यापी हर घर तिरंगा अभियान के तहत आज भाजयुमो हजारीबाग द्वारा जिला अध्यक्ष राजकरण पांडेय के नेतृत्व में सैकड़ों युवाओं के साथ 'तिरंगा यात्रा' निकाली गई। भाजयुमो द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा बाइक रैली ने पूरे नगर को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। सैकड़ों युवाओं ने अपने बाइक पर तिरंगा लहराते हुए उत्साह और जोश के साथ रैली में भाग लिया एवं देशप्रेम की भावना को सशक्त किया। जोश और उत्साह से लबरेज भरे हुए युवा शक्ति देशभक्ति के नारे लगाते हुए रैली में आगे बढ़ रहे थे। इस बाइक रैली ने राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हुए युवाओं को अपने देश के प्रति गर्व और सम्मान की भावना से भर दिया। तिरंगे की शान में निकाली गई यह यात्रा नगरवासियों के लिए प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक रही। इस तिरंगा यात्रा की विधिवत शुरूआत सिद्धू- कान्हू चौक (पीडब्लूडी चौक) पंहुचकर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जयसवाल जी ने किया एवं भाजपा हजारीबाग के सम्मानित जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह जी ने इस देशभक्ति यात्रा में शामिल लोगों का हौसला बढ़ाया। के पर जिला परिषद के सम्मानित अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता जी, भाजपा के वरीय नेता बटेश्वर मेहता जी, जिला उपाध्यक्ष आनंद देव जी, भैया अभिमन्यु प्रसाद जी, हरीश श्रीवास्तव, कुंवर मनोज सिंह, दिनेश सिंह राठौड़ , अनिल मिश्रा, अधिराज नारायण सिंह, दीपक मेहता, शैलेश चंद्रवंशी, सुमन रॉय, सतीश कुमार, मेहुल खंडेलवाल, विक्रम कुमार, विवेक जोशी, बबन गुप्ता, जयनारायण मेहता, कुणाल दुबे,रीतलाल यादव, विवेक बरियार, विजय चौधरी, कैलाश यादव, पंकज मेहता, राजेश मेहता इत्यादि सैकड़ों भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता मौजुद रहे।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नय योजना संबंधित समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

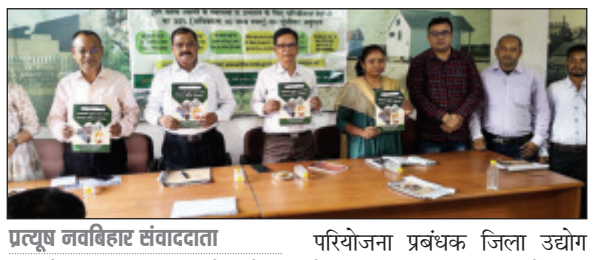

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला उद्योग केंद्र हजारीबाग के सभाकक्ष में मंगलवार को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नय योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना एवं माटीकला बोर्ड ट्रेनिंग संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने की। बैठक में डी.डी.एम. नाबार्ड, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया, डी.पी.एम जे.एस.एल पी.एस एवं परियोजना प्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, हजारीबाग, चतरा, कोडरमा और रामगढ़ के डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स पर्सन (मुख्यमंत्री लघु एंव कुटीर उद्यम विकास बोर्ड) मौजूद थे। बैठक में सभी डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स पर्सन की पी.एम.एफ.एम.ई कैंप संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। सभी डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स पर्सन को बैंक से समन्वय स्थापित करके कैंप में प्राप्त हुए आवेदन को यथाशीघ्र फाइनल सबमिट करने का निदेश दिया गया। बैठक में अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक को बैंक में लंबित आवेदन को यथाशीघ्र स्वीकृती करवाने का आग्रह किया गया एवं वैसे आवेदन जो बैंक में पेंडिग है और जिन्हें सबमिट करने में समस्या आ रही है, उससे अवगत कराया गया। बैठक में डी.डी.एम नाबार्ड द्वारा सभी एफ.पी.ओ, ग्रुप समूह को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से जोड़ने का आग्रह किया गया। बैठक में डीपीएम जे.एस.एल. पी.एस महिला समूह जो सिड कैपिटल ली है उनको प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में अप्लाई करवाने का अनुरोध किया गया ताकि महिला समूह फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र (आचार पापड़, आटा, बड़ी, आटा चक्की इत्यादी) में आगे बढ़े।

निर्वाचन कार्य के दौरान मृत व्यक्ति की पत्नी को डीसी ने दिया 15 लाख रुपये का चेक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त नैंसी सहाय ने मंगलवार को लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त स्व. अफजल हुसैन के मृत्यु के उपरांत उनके आश्रिता पत्नी को अनुग्रह अनुदान की राशि के रूप में 15 लाख रुपए के चेक का भुगतान की। स्वर्गीय अफजल हुसैन उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरहद सदर, हजारीबाग में सहायक शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान वे निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त थे। उपायुक्त नैंसी सहाय ने अनुग्रह अनुदान राशि के रूप में उनके पत्नी मोसर्रत बानो को 15 लाख रुपए का चेक प्रदान किया।

आयुक्त, डीआईजी, डीसी व पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से परेड पूर्वाभ्यास का किया निरीक्षण

स्वतंत्रता दिवस को लेकर सभी तैयारी पूर्ण कर्जन ग्राउंड में होगा मुख्य समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2024 को हजारीबाग जिला के कर्जन ग्राउंड में मुख्य समारोह का आयोजन किया जायेगा। यहां प्रातः 9:05 बजे मुख्य झंडोत्तोलन किया जायेगा। समारोह की तैयारी पूरी कर ली गयी है। समारोह को लेकर जवानों ने परेड का पूर्वाभ्यास किया जो मंगलवार को संपन्न हो गया। परेड पूर्वाभ्यास के अंतिम दिन स्थानीय कर्जन ग्राउंड में आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा, डीआईजी सुनील भास्कर, उपायुक्त नैंसी सहाय एवं पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से परेड पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया। मौके पर आयुक्त ने झंडोत्तोलन किया और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। इस दौरान डीसी व एसपी ने मुख्य समारोह के कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए परेड से संबंधित कई दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निदेशित किया है कि 15 अगस्त 2024 के अवसर पर सभी प्रखंड कार्यालय एवं पंचायत सचिवालय स्तर पर स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग एवं सहभागिता के साथ कार्यक्रम आयोजित करना सुनिश्चित करेंगे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूर्व के भांति प्रातः 6:00 बजे प्रभात फेरी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रभात फेरी में नगर के सभी विद्यालयों के बच्चे एवं शिक्षक गण भाग लेंगे। विद्यालय के सभी बच्चे अपने-अपने विद्यालय से प्रभात फेरी कार्यक्रम प्रारंभ करेंगे तथा इसका समापन 8:00 बजे सुबह कर्जन ग्राउंड में करेंगे। इस अवसर पर कर्जन ग्राउंड हजारीबाग के समीप स्थित न्यू स्टेडियम हजारीबाग में 3:00 बजे अपराह्न में एक फैंसी फुटबॉल मैच का आयोजन प्रशासन बनाम मीडिया के बीच किया जाएगा। वंही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय नगर भवन हजारीबाग में संध्या 6:30 बजे से 8:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इन जगहों में झंडोत्तोलन समारोह होंगे आयोजित स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर *उपायुक्त कार्यालय में 8:00 बजे पूर्वाह्न में, शहीद स्मारक हजारीबाग में पुष्पांजलि 8:15 बजे पूर्वाहन में, पुलिस लाइन शहीद स्मारक 8:30 बजे पूर्वाह्न में मुख्य झंडोत्तोलन समारोह कर्जन ग्राउंड में 9:05 बजे पूर्वाहन में, आयुक्त उ0छो0प्र0 हजारीबाग कार्यालय में 10:00 बजे पूर्वाह्न में, उपायुक्त कार्यालय में 10:15 बजे पूर्वाह्न में, रेड क्रॉस सोसाइटी हजारीबाग में 10:30 बजे पूर्वाह्न में, होम गार्ड ट्रेनिंग सेंटर सिंदूर 10:40 बजे पूर्वाह्न में, पुलिस लाइन हजारीबाग में 10:50 बजे झंडोतोलन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा ने निकाली तिरंगा मोटरसाइकिल रैली, हर घर तिरंगा लगाने का किया आह्वान

बड़कागांव : देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आवाहन पर इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हर घर तिरंगा लगाना है। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज जी एवं भाजयुमो जिला राजकरण पांडे जी के निदेर्शानुसार भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्षों, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष के नेतृत्त्व बड़कागांव विधानसभा स्तरीय तिरंगा यात्रा निकला गया। जिसमे मुख्य अतिथि पूर्व विधायक लोकनाथ महतो उपस्थित रहें। पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव चल रहा है सभी कोई अपने अपने घरों में तिरंगा झंडा लगा कर सेल्फी ले कर सोसल मिडिया प्लेटफोर्म harghartiranga.com पर साझा करें। कार्यक्रम में मुख्यरूप से उपस्थित पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, बडकागांव पश्चिमी मंडल अध्यक्ष आदित्य साहू सोनी, उरीमारी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, केरेडारी मंडल अध्यक्ष कर्मचारी साव, युवा मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता पूनम साव, पूर्व ज़िप सदस्य टुकेश्वर प्रसाद, कार्यक्रम संयोजक शिव शंकर उर्फ.शिबू मेहता, मंडल महामंत्री नर्सिंग प्रसाद, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राजेश यादव, ज्ञानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी, मनीष पांडे, सुमन गिरी, उदय मेहता, सत्यजीत विद्या अलंकार, अवध किशोर कुमार, किशोर राणा, राजीव रंजन, धर्मेंद्र प्रसाद, राज किशोर, चंदन सिंह, दीपक नायक, धनेश्वर तुरी के साथ साथ दर्जनों भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थि रहें।

भाजपा नेता टोनी जैन ने तिरंगा यात्रा निकाल कर बांटा तिरंगा

हजारीबाग : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व प्रदेश कोषाध्यक्ष किसान मोर्चा टोनी जैन ने हर घर तिरंगा फहरे इस योजना के तहत अपने निवास स्थान से ढोल नगाड़े के साथ तिरंगा यात्रा निकाली, तिरंगा यात्रा में आर्ष कन्या विद्यालय कि बालिका और उसके प्राचार्य आचार्य कौटिल्य जी साथ चल रहे थे। तिरंगा यात्रा बिहारी दुर्गा स्थान, महावीर स्थान चौक, जादू बाबू चौक, बड़ा अखाड़ा चौक से होते हुए झंडा चौक पर समापन हुआ। इस बीच हर घर में तथा रास्ते में चल रहे राहगीर भाई बंधुओं को भी तिरंगा दिया गया। सभी माताएँ बहनें तथा भाइयो से निवेदन किया गया कि अपने घर पर वह अवश्य तिरंगा लगाये। टोनी जैन ने तिरंगा वितरण करते हुए कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने आह्वान किया है कि हर भारतीयों को अपने घर पर तिरंगा जरूर लगाना चाहिए। यह एक सम्मान का प्रतीक है, यह हम भारतीयों के सर का ताज है। इसे अपने निवास स्थान या ऑफिस कार्यालय में जरूर लगाये, हजारों हिन्दुस्तानियों भाइयो, माताएँ, बहनें के बलिदान के बाद हम लोगों को स्वतंत्रता मिली। जिसका यह प्रतीक है, हमें हर हाल में तिरंगे का सम्मान करना चाहिए। सम्मान के साथ फहराना चाहिए। आज के इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय हिंदुत्व की मशहूर गायिका कवि सिंह, अजय दास, सोनू गुप्ता, रवि रंजन सिंह, वार्ड पार्षद अनिल प्रसाद, शेखर गुप्ता, मुकेश सिंह, किशोरी गुप्ता, राजू तिर्की और भी बहुत सारे लोगों ने तिरंगा। यात्रा और वितरण में अपना सहयोग प्रदान किया।

विनोद कुशवाहा ने मंईयां सम्मान योजना को लेकर सदर प्रखंड का किया दौरा

हजारीबाग : सदर विधानसभा क्षेत्र का तूफानी दौरा करते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस के महासचिव विनोद कुशवाहा ने सदर विधानसभा क्षेत्र के प्रखंड सदर पंचायत हरहद, नया खापमुकुंदगंज एवं प्रखंड दारू के पंचायत दारु दारु दी ईदगाह, सुल्तानी। इन सभी पंचायत का सघन दौरा कर मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना का अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए संकल्प लिया सरकार द्वारा 200 यूनिट बिजली गरीबों को फ्री दे रही है। एवं कृषि लोन 200000 तक सरकार माफ की है सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याण जानकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को बताया गया। प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा के द्वारा लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर गरीब आवाम की दुख तकलीफों को समझ कर उनका निवारण हेतु लगातार प्रयासरत हैं भ्रमण के दौरान खासकर महिलाओं की समस्या वृद्धा पेंशन में कुछ तकनीकी खराबी प्रखंड से हो रही थी। उसको तत्काल प्रभाव से निराकरण किया गया। झारखंड सरकार की सभी महत्वपूर्ण योजनाओं के नियम संगत से सदर विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों एवं पंचायत में लागू किया जा रहा है। इससे खुशी जाहिर करते हुए विनोद कुशवाहा ने कहा कि इस योजना से हर गरीब परिवार के महिलाओं को 1000 प्रत्येक महीना मिलेगा साल में 12000 मिलेगा। इससे गरीब परिवार को काफी राहत मिलेगी इस योजना में किसी तरह का भ्रष्टाचार नहीं होना चाहिए और आम गरीब तक इस योजना का लाभ पहुंचे इसके लिए सतत प्रयास कर रहा हूं। हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के लगभग पंचायत में और नगर पालिका क्षेत्र के वार्डो में लगभग ऑफलाइन फार्म जमा हो चुका है और इसका ऑनलाइन करने हेतु रात दिन कार्य जारी है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के महासचिव विश्वास जताते हुए कहा आने वाले समय में इस योजना से प्रत्येक घर में खुशहाली आएगी।

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत हुई ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता

गुमला : गुमला झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत ऑनलाइन क्विज जारी किया गया है जिसमें जिले के स्कूली छात्र एवं शिक्षकों सहित सभी अभिभावक/जन सामान्य भाग ले सकते हैं । आज जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र एवं शिक्षक सहित विभिन्न आईसीटी लैब में इस ऑनलाइन क्विज आयोजन कराया गया जिसमें कुल 309 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी दिलदार सिंह द्वारा आज अपने टैग विद्यालय उत्क्रमित उच्च विद्यालय सिलम, रायडीह का अनुश्रवण करते हुए विद्यालय के आईसीटी लैब में छात्र छात्राओं के साथ ऑनलाइन क्विज का आयोजन किया तथा मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता हेतु टिप्स दिए। आज के क्विज में पूरे जिले से कुल 40 प्रतिभागियों ने शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए । जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खां द्वारा सभी प्रखंडों को लिंक भेजते हुए बताया गया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नोडल पदाधिकारी दिलदार सिंह के नेतृत्व में यह क्विज 15 अगस्त तक चलता रहेगा तथा प्रतिदिन शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के विवरण जारी किए जाएंगे ।

महिला उत्पीड़न के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा करेगा प्रदर्शन

गुमला : राज्य सरकार के महिला विरोधी' उत्पीड़न' बलात्कार'महिलाओं के साथ हो रहे धोखाधड़ी के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा शहर के मुख्य मार्ग में आक्रोश प्रदर्शन कर उपायुक्त कार्यालय तक जाएगी। इसके लिए गुमला उपायुक्त को पत्र के माध्यम से सूचना दी गई है। वही 14 अगस्त 1947 को देश की माटी का बंटवारा किया गया था। उसे भाजपा विभाजन विभीषिका समृति दिवस के रूप में मनाएगी, कार्यक्रम कर लाखों बेकसूर लोगों को श्रद्धांजलि देगी जिनको हिंसा में मार दिया गया था।

एक नजर

मारपीट कर घर से भगाने का आरोप शिकायतवाद दर्ज

रांची : शहर के नामकुम थाना क्षेत्र के लोआडीह निवासी मेरी मार्गेट कुजूर ने परिवार वालों पर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। थाना के जरिये किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं करने पर मंगलवार को रांची सिविल कोर्ट में न्यायिक दंडाधिकारी दिग्विजय नाथ शुक्ला की अदालत में शिकायतवाद दर्ज कराया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पति की मृत्यु के बाद मारपीट कर मुझे और मेरी बेटी को घर से निकाल दिया और जमीन पर कब्जा कर लिया है। किराये के मकान में रहने को विवश है। इस मामले में ननद, जेठ सहित आठ लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी है। शिकायतकर्ता मेरी मार्गेट ने कोर्ट को बताया कि आरोपितों ने सुलह करने का दबाव डालकर 29 जून को ससुराल बुलाया, जहां गाली-ग्लौछ और मारपीट किया। साथ ही 33 सौ रुपये भी छीन लिए। इसकी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

छवि रंजन सहित आठ आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ी

रांची : बरियातू के चेशायर होम रोड स्थित एक एकड़ जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में जेल में बंद आरोपित रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन सहित आठ आरोपियों की न्यायिक हिरासत अवधि पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की कोर्ट ने 24 अगस्त तक बढ़ा दी है। इससे पूर्व जेल में बंद आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया गया। अदालत ने अगली पेशी की तारीख 24 अगस्त निर्धारित की है। वर्तमान में यह मामला आरोप गठन पर चल रहा है। आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में ईडी ने पुलिस पेपर सौंप चुकी है। मामले में रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, पावर ब्रोकर प्रेम प्रकाश, भरत प्रसाद, राजेश राय, इम्तियाज अहमद, अफसर अली, लखन सिंह और मो सद्दाम न्यायिक हिरासत में हैं जबकि कारोबारी विष्णु अग्रवाल को हाई कोर्ट से जमानत प्राप्त है। एक आरोपी पुनीत भार्गव फरार चल रहा है।

पटना स्टेशन से बरामद 50 लाख रुपये की जांच करने पहुंची झारखंड एटीएस

रांची : बिहार की राजधानी पटना स्टेशन से गत 10 अगस्त 50 लाख रुपये बरामद हुआ था। यह रुपया झारखंड के पांडे गिरोह का था। इसे लेकर झारखंड एटीएस की एक टीम पटना पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि पटना स्टेशन से आरपीएफ ने शनिवार को 50 लाख रुपये के साथ एक व्यक्ति को हिरासत में लिया था। जांच में यह बात सामने आई है की बरामद पैसे झारखंड के रामगढ़ जिले के पवन ठाकुर का है। उन्होंने बताया कि पवन ठाकुर सीधे तौर पर पांडेय गिरोह से जुड़ा हुआ है। पवन ठाकुर के ऊपर मामले को लेकर झारखंड में एफआईआर दर्ज किया जाएगा। झारखंड एटीएस की एक टीम पटना गई है और बिहार पुलिस के साथ मिलकर मामले में काम कर रही है। उल्लेखनीय है कि झारखंड के रामगढ़, हजारीबाग जैसे कोयला क्षेत्र में पांडेय गिरोह सक्रिय है। फिलहाल इस गिरोह को विकाश तिवारी के के जरिये संचालित किया जा रहा है। शनिवार की रात पटना रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की टीम ने 50 लाख रुपए के साथ बजरंग ठाकुर नाम के व्यक्ति को हिरासत में लिया था, पटना पुलिस की पूछताछ में बजरंग ने बताया था कि बरामद रुपए रामगढ़ के पवन ठाकुर के हैं, पैसे पटना में किसी को देना था। जंक्शन से बाहर निकालने के बाद पवन ठाकुर या उसका कोई आदमी फोन करता तो उसे जाकर वह पैसों की डिलवरी कर देता।

मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर हुआ फुल ड्रेस रिहर्सल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस को लेकर मंगलवार को फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। स्वतंत्रता दिवस के दिन होने वाले मुख्य समारोह से पहले रिहर्सल का यह आखिरी दिन होता है, जिसमें सभी प्लाटून फुल ड्रेस रिहर्सल करते हैं। रांची में फूल ड्रेस रिहर्सल कमिश्नर की अगुवाई में किया गया।

मोरहाबादी मैदान में स्वंत्रता दिवस का मुख्य समारोह आयोजित होना है। ऐसे में रांची कमिश्नर, डीसी और एसएसपी की निगरानी में सभी प्लाटूंस ने मंगलवार को फूल ड्रेस रिहर्सल में भाग लिया। ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में 15 अगस्त को होने वाले मुख्य समारोह में किस तरह से हर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा उन सब का प्रेक्टिस किया गया। मसलन मंच पर मुख्य अतिथि और दूसरे वीआईपी गेस्ट के बैठने की जगह क्या होगी, मुख्य अतिथि द्वारा वीरता पदक से नवाजे गए पुलिस अफसरों को किस तरह से पदक प्रदान किया जाएगा, इन सब की प्रैक्टिस की गई। 15 अगस्त को मोरहाबादी मैदान में होने वाले मुख्य समारोह में झारखंड पुलिस के अलग-अलग विंग के अलावे इस बार बिहार पुलिस भी हिस्सा ले रही है। बिहार पुलिस के साथ साथ कुल 13 बटालियन परेड में हिस्सा लेंगी. जिनमें सीआईएसएफ, आईटीबीपी, झारखंड जगुआर, जेएपी 01, जेएपी 10, एसएसबी, एनसीसी, स्काउट, रांची पुलिस (महिला और पुरुष बटालियन) और होमगार्ड शामिल हैं।

15 अगस्त को 9 बजे मोरहाबादी में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झंडोतोलन करेंगे। मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन में कोई त्रुटि ना रह जाए, इसके लिए मोरहाबादी मैदान 200 पुलिस बल के साथ साथ 50 से अधिक मजिस्ट्रेट के अलावा सादे लिबास में भी जवान तैनात रहेंगे।

रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि फूल ड्रेस रिहर्सल कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करवा लिया गया है। मोरहाबादी मैदान में होने वाले मुख्य समारोह में पदक से सम्मानित किए गए पुलिस अफसर और कर्मियों को मेडल प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही एक नई परंपरा के तहत अब दूसरे राज्य की पुलिस भी परेड में हिस्सा लेना शुरू कर रही है। इसके तहत इस बार झारखंड में बिहार पुलिस परेड में हिस्सा ले रही हैं।

पीएलएफआई का उग्रवादी गिरफ्तार

रांची : पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने मंगलवार को बताया कि छापेमारी के क्रम में गुमला जिला से फरार पीएलएफआई उग्रवादी अर्जुन सिंह उर्फ नेपाल सिंह को नगड़ी थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। जांच के क्रम में ज्ञात हुआ कि इनके खिलाफ गुमला जिला में 09 कांड दर्ज है और 09 कांडों में फरार चल रहे हैं। इसके खिलाफ में गुमला पुलिस के द्वारा उनके घर पर कुर्की की कार्रवाई की गई है। रांची जिला में इसके खिलाफ कांड दर्ज नहीं होने के कारण गुमला पुलिस को सूचित कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

बिरसा कृषि विश्विद्यालय में एंटीरैगिंग दिवस का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बिरसा कृषि विश्विद्यालय के कृषि संकाय द्वारा 12 अगस्त को एंटीरैगिंग दिवस का आयोजन किया गया जिसमें संकाय के स्नातक एवं परास्नातक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ नरेन्द्र कुदादा, निदेशक छात्र कल्याण डॉ बीके अग्रवाल, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ डीके शाही उपस्थित थे।

कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ डीके शाही ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों को रैगिंग से सम्बंधित किसी भी प्रकार की गतिविधियों में लिप्त नहीं होना चाहिए और अपने सहपाठियों को भी जागरूक करना चाहिए क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार रैगिंग एक अपराध की श्रेणी में आता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने विद्यार्थियों को यूजीसी एंटीरैगिंग पोर्टल एवं एंटीरैगिंग हेल्पलाइन से सम्बंधित जानकारी भी प्रदान की।

विश्विद्यालय के कुलसचिव डॉ नरेन्द्र कुदादा ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शित करते हुए बताया कि पुराने विद्यार्थियों की ये जिम्मेदारी है कि वे नवीन विद्यार्थियों की सहायता करें, उनका शैक्षणिक मार्गदर्शन करें एवं विश्विद्यालय के दिशानिदेशों का पालन करें।

निदेशक छात्र कल्याण डॉ बीके अग्रवाल ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग एक अतिसंवेदनशील मुद्दा है इसलिए विद्यार्थियों को आपस में विशेषकर नवीन विद्यार्थियों के साथ स्वस्थ पारस्परिक संबंध रखने चाहिए एवं छात्रावासों में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण का निर्माण करना चाहिए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में कृषि संकाय छात्रावास वार्डन डॉ. नीरज कुमार ने एंटीरैगिंग दिवसके आयोजन की महत्ता एवं संवेदनशीलता पर प्रकाश डाला। डॉ. अंकिता ने विद्यार्थियों को एंटीरैगिंग से सम्बंधित कानूनों एवं प्रावधानों के प्रति जागरूक किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अरविन्द कुमार सिंह ने तथा कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. शिवम मिश्र ने किया। इस अवसर पर संकाय के विभिन्न छात्रावासों के डिप्टी वार्डन डॉ. केरोबिम, डॉ. छाया, डॉ. नेहा, डॉ. वंदना भी उपस्थित थे।

वर्ल्ड इंडिया इंटरनेशनल की प्रतियोगिता में झारखंड के प्रतिभागियों का रहा जलवा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : टैलेंट दिखता ही नहीं, बोलता भी है। कई क्षेत्रों में झारखंड की प्रतिभा बोलती है। इसका ताजा उदाहरण इस रूप में सामने आया है कि मिस्टर, मिस, मिसेज एंड किड्स वर्ल्ड इंडिया इंटरनेशनल, नैशनल ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लेने वाले झारखंड के अलग-अलग स्थानों से सात प्रतिभागियों ने फाइनल राउंड में अपना स्थान बनाया। इतना ही नहीं, मिस्टर, मिस, मिसेज और किड्स कैटेगरी में अपने टैलेंट का लोहा मनवाते हुए विनर भी बने। मोहम्मद शाहिद आलम ने मिस्टर इंडिया का खिताब जीता, जबकि मिसेज इंडिया विनर बनीं नेपाल से बिलॉन्ग करने वाली रांची में रहने वाली पूजा थापा। किड्स कैटेगरी में अगरिया प्रियदर्शनी ने खिताब जीता। मिस इंडिया का खिताब मिला है रांची की चंद्रमुनी कुजूर को। प्रिंसी प्रियंका फर्स्ट रनर अप हुईं और अनीशा सिंह सेकेंड रनर अप।

जूरी के सदस्यों ने रांची के प्रतिभागियों को खूब सराहा

चीफ जूरी में स्टोरी लाइन इंडिया की चीफ एडिटर साधना कुमर थीं। उन्होंने कहा कि शो के अंतिम छण तक नहीं लगा था कि एक बार फिर छोटा शहर कहे जाने वाले रांची के ये प्रतिभागी देश के कोने-कोने से आए प्रतिभागियों को पीछा छोड़ते हुए सारे महत्वपूर्ण किताब अपने नाम कर लेंगे। मेरे अलावा भी शो में अन्य फील्ड के भी सात जूरी वहा मौजूद थे। सभी ने रांची के प्रतिभागियों को खूब सराहा।

200 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

साधना ने बताया कि इस तरह के परफॉर्मेंस से अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। सभी प्रतिभागी भी अपने प्रदर्शन से खुश हैं। इस शो की सभी केटेगरी में दो सौ से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। रांची से प्रोफेशनल कैमरा मैन अरमान अंसारी, रूपेश और फैशन फील्ड से तालुक रखने वाली बोकारो की अंकिता सिंह को गेस्ट के रूप में इन्वाइट किया गया था।

स्पेशल ब्रांच ने किया अलर्ट, झारखंड में घुसपैठ कर सकते हैं बांग्लादेशी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड पुलिस के स्पेशल ब्रांच ने राज्य के सभी जिले के एसपी को आगाह करते हुए आशंका जतायी है कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ कर सकते है। मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार स्पेशल ब्रांच के एसपी ने राज्य के सभी डीसी, रांची एसएसपी,धनबाद एसएसपी और जमशेदपुर एसएसपी और सभी जिलों के एसपी को पत्र लिखकर आगाह किया है कि बांग्लादेशी मूल के नागरिकों द्वारा घुसपैठ किए जाने से इंकार नहीं किया जा सकता। लिहाजा ऐसी घटना पर निगरानी रखने की सख्त जरुरत है, जिससे घुसपैठ की घटना को रोका जा सके। साथ ही पत्र में यह भी कहा गया है कि अगर घुसपैठ से संबंधित कोई सूचना किसी अधिकारी को मिलती है तो वह अविलम्ब कार्रवाई करते हुए स्पेशल ब्रांच को इसकी सूचना साझा करें। घुसपैठ होने की आशंका के बाद राज्य के मुख्य सचिव ने भी संथाल के छह जिलों के डीसी और एसपी के साथ बैठक कर कई बिन्दुओं पर दिशा निर्देश दिए हैं। स्पेशल ब्रांच के आगाह करने के बाद झारखंड पुलिस और जिला प्रशासन अलर्ट हो गयी है।

मानव हाथी संघर्ष का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी : मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री बैद्यनाथ राम ने कहा कि हाथी वन्यप्राणी साम्राज्य की प्रमुख प्रजाति है। मानव हाथी संघर्ष का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी है। कुछ समय से मानव की आगे बढ़ने की प्रत्याशा ने दोनों प्रजातियों के बीच संघर्ष की स्थिति उत्पन्न कर दी है, जिसके परिणामस्वरूप अप्रिय स्थितियां उत्पन्न हो रही हैं और इससे दोनों पक्षों की जान-माल की हानि हो रही है। आयोजन कर्नाटक सरकार की ओर से किया गया। मंत्री मंगलवार को विश्व हाथी दिवस पर बेंगलुरु में मानव हाथी संघर्ष पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में बोल रहे थे।

मंत्री वैद्यनाथ राम ने कर्नाटक की वन्यजीव प्रबंधन प्रणाली प्रशंसा करते हुए कहा कि कर्नाटक में वैज्ञानिक तरीके से वन और वन्यजीव प्रबंधन की एक लंबी और गौरवशाली परंपरा रही है। मंत्री ने कहा कि झारखंड वनों की भूमि है। राज्य चारों तरफ से हाथियों के प्रवास अनुकूल क्षेत्र वाले राज्यों से भी घिरा हुआ है। यह परिदृश्य जहां एक ओर उचित वैज्ञानिक वन्यप्राणी प्रबंधन में कठिनाई उत्पन्न करता है, वहीं दूसरी ओर संबंधित राज्यों के बीच आपसी समन्वय के महत्त्व एवं उसकी आवश्यकता को इंगित करता है। नवीनतम गणना से पता चलता है कि झारखंड में लगभग 600 से 700 हाथियों का बसेरा है।

मानव हाथी संघर्ष से संपत्ति और कृषि की औसत वार्षिक हानि लगभग 60 से 70 करोड़ रुपये प्रति वर्ष है, जिसकी प्रतिपूर्ति झारखंड सरकार मुआवजे के रूप में करती है। ऐसे में व्यावहारिक विकल्पों और रणनीतियों के बारे में सोच कर इन जटिल समस्याओं का समाधान संभव है। इस स्थिति का अपने तरीके से समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिये वैज्ञानिक निराकरण भर जरूरी है, जिससे मानव सभ्यता और वन्य जीव पर कुप्रभाव न पड़े।

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता दिवस को लेकर होटल और लॉज में पुलिस ने की चेकिंग

रांची : रांची के विभिन्न थाना क्षेत्रों में स्थित होटलों और लॉज की 15 अगस्त को लेकर पुलिस ने चेकिंग की। एसएसपी के निर्देश पर यह चेकिंग की गयी। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस ने सोमवार की देर रात कई होटल के कमरों की तलाशी ली। साथ ही कमरे में ठहरने वाले लोगों के बारे में पूरी जानकारी ली। होटल और लॉज के रजिस्टर को चेक किया। जांच के दौरान ऐसे लोगों से विशेष पूछताछ की गयी, जो बाहर से आकर ठहरे थे। हालांकि, पुलिस को किसी भी होटल के कमरे से कोई संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु बरामद होने की आधिकारिक सूचना सामने नहीं आयी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 15 अगस्त को लेकर रूटीन चेकिंग की गयी।

बीएयू में लगा रक्तदान शिविर, 50 लोगों ने किया रक्तदान

रांची : बिरसा कृषि विश्विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा मंगलवार 13 अगस्त को नागरमल मोदी सेवा सदन अस्पताल के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ बीके झा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुल 50 लोगों ने रक्तदान किया। बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने डोनर के स्वास्थ्य तथा जरुरतमंदों के लिए रक्तदान की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सेवा सदन अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ एस के सिंह, बीएयू के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ यूएस वर्मा तथा रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया। कृषि अधिष्ठाता डॉ डीके शाही भी इस अवसर पर उपस्थित थे। शिविर आयोजन में डीके रूसिया, डॉ प्रवीण कुमार, डॉ रामप्रसाद मांझी तथा डॉ सुधीर कुमार सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई।

हनुमान चालीसा पाठ का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मंदिर में 114 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ का हुआ आयोजन। श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक मंगलवार को होने वाला 114 वा कार्यक्रम आज भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। शिनेश सिंह जयमाला सिंह ने हनुमान जी महाराज की दिव्य अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित करके केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का प्रसाद अर्पित कर परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की। मंडल के उपमंत्री अनिल नारनौली ने पूजन अनुष्ठान विधिवत संपन्न करवाया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद की सेवा केसरिया पेड़ा सेवा पुष्पा देवी पोद्दार फल प्रसाद सेवा राजेश जयसवाल एवम गिरिगोला सेवा मुकेश मित्तल ने निवेदित की। शिनेश सिंह ने रामचरितमानस ग्रंथ व पाठ वाचको का चंदन वंदन किया। श्री गणेश वंदना करके हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक डफली झांझ करताल के सुरताल के साथ श्री सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ किया। मंदिर परिसर में उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने भक्ति भाव से सामूहिक रूप से पाठ किया। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। बजरंगबली की जय जयकारों से हरमू रोड गूंज रहा था। पाठ के समापन के बाद श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय संकीर्तन करके महाआरती की गई। सभी भक्तजनों को केसरिया पेडा चना गुड़ फल व नारियल का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया श्याम सुन्दर जोशी शिल्पा निखिल आदि उपस्थित थे।

हाई कोर्ट ने जज उत्तम आनंद हत्याकांड में लोअर कोर्ट से मांगी दुर्घटना की सीसीटीवी फुटेज

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में बहुचर्चित जज उत्तम आनंद हत्याकांड मामले में धनबाद की सीबीआई कोर्ट द्वारा दो अभियुक्तों राहुल वर्मा और लखन वर्मा को उम्र कैद की सजा सुनाये जाने को चुनौती देने वाली अपील पर मंगलवार को बहस जारी रही। मामले में कोर्ट ने निचली अदालत से दुर्घटना के संबंध में फैक्स के माध्यम से सीसीटीवी फुटेज और मटेरियल एक्जीबिट मांगी है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सब्यसाची ने पैरवी की। 28 जुलाई, 2021 की सुबह जज उत्तम आनंद की ऑटो से टक्कर मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में स्पीडी ट्रायल कर अभियुक्तों को सजा सुनाई गई थी। धनबाद सीबीआई की विशेष अदालत ने 6 अगस्त, 2022 को दोषी राहुल वर्मा और लखन वर्मा को उम्र कैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने दोषियों पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। कोर्ट ने इन्हें अंतिम सांस तक जेल में रहने की सजा दी थी। यह फैसला सीबीआई जज रजनीकांत पाठक ने सुनाया था, जिसे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

निक्की प्रधान और सलीमा टेटे को हरमू में घर बनाने के लिए जमीन देगा आवास बोर्ड

रांची : झारखंड राज्य आवास बोर्ड ने नेशनल महिला हॉकी टीम की प्लेयर्स सलीमा टेटे और निक्की प्रधान को हरमू (रांची) में जमीन देने का फैसला लिया है। इस जमीन पर वे दोनों घर बना सकती हैं। मंगलवार को बोर्ड मुख्यालय में आयोजित बोर्ड की 74वीं बैठक में इस संबंध में आये प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। बोर्ड के चेयरमैन संजय लाल पासवान की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में 19 प्रस्ताव लाए गये। इसके अलावे 5 अन्यान्य प्रस्ताव भी आए। बैठक के बाद चेयरमैन ने मीडिया को जानकारी देते बताया कि सलीमा टेटे और निक्की प्रधान जैसी महिला हॉकी खिलाड़ी को हरमू में सरकारी कोटे से घर बनाने को जमीन देने का प्रस्ताव अनुमोदित कर दिया गया है। दोनों को 3750-3750 वर्ग फीट जमीन का आवंटन होगा। इसके अलावा महत्वपूर्ण प्रस्तावों में बोर्ड मुख्यालय के सामने स्थित जमीन पर फाइव स्टार होटल बनाए जाने का भी मामला है। इसका अनुमोदन कर दिया गया है। इसके लिए विज्ञापन जारी होगा। ज्वाइंट वेंचर में संचालन किया जाएगा। इसके अलावा बोर्ड मुख्यालय के करीब (हरमू) की ही जमीन पर आवास, दुकान निर्माण का भी प्रयास किया जाएगा। संजय लाल पासवान ने जानकारी दी कि राज्य भर में बोर्ड के स्तर से ऐसे लोगों पर भी एक्शन लिया जाना है जो आवंटित आवास, संपदाओं का कॉमर्शियल यूज कर रहे। राज्य भर में ऐसे 294 लोगों की सूची तैयार की गयी है।

एक नजर

सात बीडीओ-सीओ को शोकाज

धनबाद : झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने के मामले को लेकर प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। इस मामले में प्रभारी उपायुक्त सह डीडीसी सादात अनवर ने कालियासोल व पूर्वी टुंडी के वीडियो और झरिया बलियापुर गोविंदपुर बाघमारा और धनबाद सदर के सीओ से स्पष्टीकरण मांगा है। सभी से 24 घंटे में स्पष्टीकरण देने की मांग की गई है । सोमवार को जारी पत्र में कहा गया कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम के क्रियान्वयन में घोर लापरवाही वरती गई है जबकि झारखंड सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना है।

राजा सिंह ने जन्मदिन पर लगाया रक्तदान शिविर

बोकारो : रक्तवीर परिवार के सदस्यों की अनोखी पहल जन्मदिन पर रक्तदान कर मनाया उत्स्व। संस्थापक सदस्य राजा सिंह ने अपने जन्मदिन पर चास स्थित के एम मेमोरियल ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में रक्तविरंगना पुजा कुमारी, सन्नी आनंद, नीरज साहू, कुणाल, अभिषेक, नितीश, राजेश संग अन्य लोगों ने रक्तदान कर राजा सिंह के जन्मदिन को मनाया। आयोजन को सफल बनाने में संजय शर्मा, बिनय, राजेश, हामिद खान, प्रशांत सहित ब्लड सेंटर के राजेंद्र जी एवम अमर झा जी का सराहनीय योगदान रहा।

बीएसएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की हुई बैठक

बोकारो : बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2024-25 की प्रथम बैठक आयोजित की गई बैठक में अधिशासी निदेशक सी आर महापात्रा, अधिशासी निदेशक सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक राजन प्रसाद विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधकगण, एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के आरम्भ में राजभाषा अधिकारी शशांक शेखर ने सभी का स्वागत किया एवं बैठक की कार्यसूची पर प्रकाश डाला। बैठक के दौरान पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की स्थिति, विभिन्न विभागों में हिंदी की प्रगति इत्यादि की समीक्षा की गई। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को गति देने के लिए सभी विभागाध्यक्षों से अपने विभागों में हिंदी कार्यशाला आयोजित करने तथा कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक उपयोग करने हेतु सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से ई -नोटशीट में हिंदी में टिप्पणी लिखने की सुविधा विकसित करने का निर्देश दिया। उन्होंने राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए होर्डिंग एवं बैनर का उपयोग तथा स्कूलों में बच्चों के लिए हिंदी दिवस पर कार्यक्रम एवं हिंदी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित करने का निर्देश दिया उपस्थित थे।

डीसी-एसपी ने परेड का किया निरीक्षण, तिरंगे को दी सलामी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : 78 वा. स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह की तैयारी जोर शोर से चल रही है। मंगलवार को सेक्टर 12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास हुआ। निरीक्षण उपायुक्त विजया जाधव एवं एसपी पूज्य प्रकाश ने किया। परेड के निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने मुख्य समारोह के कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए परेड से संबंधित कई दिशा - निर्देश दिए। परेड में जिला सशस्त्र बल का दो प्लाटून, सीआरपीएफ का एक प्लाटून, सीआइएसएफ का एक प्लाटून,गृह रक्षा वाहिनी का एक प्लाटून, एनसीसी का एक प्लाटून एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं का चार प्लाटून शामिल रहा। इधर,स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर पुलिस लाइन मैदान की रंगाई-पुताई कर आकर्षक तरीके से सजाया गया है। मौके पर उपायुक्त विजया जाधव एवं पुलिस अधीक्षक पूज्य प्रकाश ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस मनाने को लेकर सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। परेड के अंतिम पूर्वाभ्यास का आज जायजा लिया। सभी प्लाटूनों ने निर्धारित समय पर कार्यक्रम को पूरा किया है। बारिश को देखते हुए ऐतिहातन कुछ और अतिरिक्त व्यवस्था के लिए संबंधित पदाधिकारियों को दिशा- निर्देश दिया है। सभी प्रवेश द्वारों पर दंडाधिकारी/ पुलिस पदाधिकारी/ जवान तैनात रहेंगे। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास ओम प्रकाश गुप्ता, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय अनिमेष गुप्ता, जिला नजारत उप समाहर्ता वंदना शेजवलकर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडेय, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

अखिल विद्यार्थी परिषद ने किया कॉलेज में विरोध प्रदर्शन

धनबाद : आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्र नेता शुभम हजारी के नेतृत्व में प्रैक्टिकल एग्जाम एवम क्लासेस नही होने को लेकर प्राचार्य कार्यालय के समक्ष धरना पर बैठे और छात्र हित की मांगों को लेकर पुरजोर विरोध कर नारे बाजी किया। जिसके बाद स्थानीय प्रशासन को इसकी सूचना मिली इसको लेकर थाना प्रभारी पूरे दल बल के साथ कॉलेज पहुंचे जिसके बाद उनके नेतृत्व में कॉलेज प्रशासन एवम विद्यार्थी परिषद के कार्यकता के साथ वार्ता हुई जिसके बाद फिर एग्जाम चालू किया गया एवम तत्काल क्लासेस को चालू करने का आश्वासन दिया गया जिसके बाद विद्यार्थी परिषद ने धरने को समाप्त किया। मौके पर गोपाल केवट, रोहित राज डे, प्रिंस लाला, कौशल लाला, शशांक सिंग एवम अन्य दर्जनों विद्यार्थी उपस्थित थे।

अखंड भारत तिरंगा यात्रा को लेकर हुई बैठक

धनबाद : सूर्य मंदिर नदी किनारे कतरास में अखंड भारत संकल्प दिवस सह तिरंगा यात्रा समिति के सदस्यों की एक बैठक बुलाई गई जिसमें 14 अगस्त यात्रा की तैयारी पूर्ण कर ली गई । ज्ञात हो की आज 14 अगस्त 2024 को अखंड भारत संकल्प दिवस पर तिरंगा यात्रा का शुभारंभ 14 अगस्त दिन बुधवार को सुबह10 :00 बजे नया मोड़ सिजुआ से पचगढ़ी थाना चौक होते हुए राजगंज रोड भगत सिंह चौक एवं राहुल चौक होते हुए सलानपुर ,वेस्ट मोदिडीह, सुभाष चौक तेतुलमारी होते हुए नया मोड़ सिजुआ के बाद लोयाबाद होते हुए एकड़ा पुल तक जाना है पुण: लोयाबाद हनुमान मंदिर के पास एकत्रीकरण होकर भारत माता आरती का कार्यक्रम रखा गया है । बैठक में मुख्य रूप से पंकज कुमार, सुनील कुमार, सुशील कुमार, चंदन कुमार ,संतोष कुमार, महेंद्र कुमार ,रविंद्र कुमार, सहदेव महतो, विकास कुमार ,गौतम कुमार, छोटू कुमार, सुमित कुमार, राम अवतार, बबलू कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे। क्षेत्र के नागरिकों से अपील की गई की अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अखंड भारत संकल्प दिवस सह तिरंगा यात्रा को सफल बनाएं। उक्त जानकारी संकल्प एजुकेशन के निदेशक सहदेव महतो ने दी।

ढांगी पंचायत की उपमुखिया काजल देवी सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने ली जदयू की सदस्यता

धनबाद : श्यामडीह मोड़ स्थित यूथ फोर्स प्रधान कार्यालय में जदयू पार्टी का सदस्यता अभियान चलाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जदयू के प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह उपस्थित हुए। सभी ने जदयू पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जदयू झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष खीरु महतो तथा प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह पर आस्था रखते हुए ढांगी पंचायत के उपमुखिया काजल देवी के नेतृत्व में खरनी गांव की दर्जनों समाजिक महिला कार्यकताओं ने जदयू का दामन थामा। सदस्यता ग्रहण करने वाली साबु देवी, किरण देवी, मतोष देवी,पुनम देवी, हीरा देवी,उपासी देवी,दुसिया देवी, रानी देवी ,शूशीला देवी,खेदीया देवी,आदि दर्जनों समाजसेवी महिलाएं हैं। इस अवसर पर दीप नारायण सिंह ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं जदयू पार्टी से जुड़ रहे हैं। आने वाले विधानसभा चुनाव में जदयू पार्टी टुंडी में एक मजबूत विकल्प के रूप में दिखाई देगी। श्री सिंह ने कहा कि सभी लोग चुनाव में लग जाएं, ताकि जदयू पार्टी टुंडी विधानसभा क्षेत्र में अपना परचम लहरा सके। इस अवसर पर जदयू नेता सह पूर्व जिला परिषद सदस्य सहदेव प्रसाद सिंह, जदयू महिला प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव बिन्दु देवी, जदयू नेता नुनु मनी सिंह, तारा बाबू,अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जिला महासचिव अशोक कुमार दास,सपन दुबे, विजय सिंह,सुभाष सिंह आदि उपस्थित रहे।

मंईयां सम्मान योजना को लेकर हुआ नुक्कड़ नाटक

बोकारो : कसमार के खैराचातर पंचायत में जिला जनसंपर्क विभाग के सहयोग से सहयोगिनी संस्था द्वारा जन कल्याणकारी योजना के तहत झारखंड मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना संबंधी जागरूकता को लेकर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस दौरान योजना के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी कलाकारों ने नाटक के माध्यम से दिया। कार्यक्रम में उपस्थित पंचायत के मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने बताया कि 21 वर्ष से 50 वर्ष की सभी महिलाओं को इस योजना से जोड़ने के लिए झारखंड सरकार के द्वारा अभियान चलाया जा रहा है । जिसमें प्रति लाभुक प्रतिमाह 1000 की राशि प्रदान की जाएगी। सहयोगिनी द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समन्वयक प्रकाश महतो ने बताया कि संस्था के द्वारा कसमार प्रखंड में मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना को लेकर के जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान पायल कुमारी, किरण, प्रतिमा देवी, रेखा देवी आदि उपस्थित थी।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय पर हो रहे हमले के विरोध में मंच करेगा प्रदर्शन

बोकारो : विगत 5 अगस्त से बांग्लादेश को कट्टरपंथियो द्वारा सत्ता परिवर्तन के आंदोलन के दौरान हिंदू, बौद्ध तथा वहाँ के अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ हो रही हिंसा की घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए स्वदेशी जागरण मंच भारत सरकार से हस्तक्षेप कर हिंसा को रोकवाने आग्रह करता है। साथी इस घटना में इस घटना के विरोध में आगामी 16 अगस्त को मंच द्वारा सेक्टर 4 गांधी जी की मूर्ति के सामने 4:00 बजे इस प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। बांग्लादेश में हिंदू तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की लक्षित हत्या, लूटपाट, आगजनी, महिलाओं के साथ जघन्य अपराध तथा मंदिर जैसे श्रद्धास्थानों पर हमले जैसी क्रूरता असहनीय है।

सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय में गाली गलौज व मारपीट की हुई घटना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : बी सी सी एल के सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय में मंगलवार को दो कर्मी द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय के कार्मिक विभाग व बित बिभाग के कर्मी के साथ मारपीट व गाली गलौज की घटना के बाद क्षेत्रीय कार्यालय में कुछ घंटों के लिये स्थित तनावपूर्ण सा महौल उत्पन्न हो गया था। घटना के संबंध में बताया जाता है कि क्षेत्रीय कार्यालय के कार्मिक विभाग के स्टाफ अनिल टुडू ,रौशन कुमार व विष्णु कुमार शर्मा के साथ क्षेत्रीय कार्यालय में घुसकर अभद्र व्यवहार करने व गाली गलौज करते हुये मारपीट में चश्मा टूटने व आँख व पैर में चोट लगने के बाद क्षेत्रीय कार्यालय के कार्मिक व बित बिभाग के सभी स्टाफ ने कार्य बंद (ठप) करके बैठक कर आगे की रणनीति तैयार करने लगे,जबकि आरोपी दो कर्मी मनोज कुमार व नागेंद्र कुमार ने बताया कि वे लोग अपने निजी कार्य से क्षेत्रीय कार्यालय में ए पी एम से मिलने गये थे,बे नही मिले तो कार्मिक विभाग के अन्य कर्मियों के साथ किसी बात को लेकर तू तू मैं मैं हो गए। समाचार लिखे जाने तक दोनों तरफ से एक दूसरे पर मारपीट व गाली गलौज करने का आरोप लगा रहे थे। जमीन के बदले नियोजन कर रहे मनोज कुमार व नागेंद्र कुमार नामक कोल कर्मी ने क्षेत्रीय कार्यालय घुसकर मारपीट की घटना के बाद क्षेत्रीय कार्यालय के कार्मिक व बित विभग्ग के कर्मियों ने काम ठप करके सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय के सभागार में बैठक कर आगे का निर्णय लेने के लिये रणनीति बनायी।

उपायुक्त व एसएसपी ने किया फुल ड्रेस रिहर्सल का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा तथा वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने मंगलवार को शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पूर्व उपायुक्त ने परेड की सलामी ली। इसके बाद परेड का निरीक्षण किया। तत्पश्चात उपायुक्त ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्य समारोह शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। जिसमें डीएपी व एनसीसी के दो - दो प्लाटून तथा सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, जेएपी, होमगार्ड, आरपीएसएफ व भारतीय स्काउट एंड गाइड के एक - एक प्लाटून परेड में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा मुख्य समारोह को लेकर आज फुल ड्रेस रिहर्सल का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही समारोह स्थल की साफ सफाई, स्टेज, गणमान्य अतिथियों के बैठने, साज सज्जा, सुरक्षा व्यवस्था इत्यादि को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं कोलफील्ड स्कूल की छात्राओं ने राष्ट्रगान गया और राष्ट्रगान की धुन बजाई। उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में पूर्वाह्न 9:05 बजे उपायुक्त द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा। इसके बाद धनबाद समाहरणालय में 10:00 बजे पूर्वाह्न, अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय में 10:20 बजे पूर्वाह्न, मिश्रित भवन में 10:30 बजे पूर्वाह्न, गांधी सेवा सदन 10:45 बजे पूर्वाह्न, रेड क्रॉस सोसाइटी में 11:00 बजे पूर्वाह्न तथा पुलिस लाइन धनबाद में 11:10 बजे पूर्वाह्न में झंडोत्तोलन किया जाएगा। मौके पर निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, डीएसपी हेडक्वार्टर शंकर कामती, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, जिला नजीर आनंद कुमार व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

बेहतर कानून व्यवस्था को लेकर चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज ने डीजीपी को सौंपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधिमंडल संजय बैद के नेतृत्व में झारखण्ड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता से पुलिस मुख्यालय रांची स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात कर झारखंड प्रदेश के साथ-साथ बोकारो जिला में बेहतर कानून व्यवस्था की उम्मीद जताई । बोकारो जिले के विधि व्यवस्था में सुधार एवं ट्रैफिक को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए एक ज्ञापन भी दिया । संरक्षक संजय बैद ने कहा कि बोकारो झारखंड का महत्वपूर्ण औद्योगिक शहर है, सुदृढ़ कानून व्यवस्था से यहां विकास की काफी संभावना है ।महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने पुलिस महानिदेशक से मांग की बोकारो जिले के सभी थानों पर जाने वाले शिकायतकर्ता के साथ अच्छा व्यवहार हो और वहां उनके बैठने की समुचित व्यवस्था हो तथा चास बोकारो शहर के सभी प्रवेश नाकों पर नियमित जांच करवाई जाए। संरक्षक प्रदीप सिंह ने कहा कि बोकारो जिला में ट्रैफिक व्यवस्था अत्यंत लचर है इसे व्यवस्थित करवाया जाए ।शहर में अवस्थित सभी बैंक के बाहर गस्त बढ़ाई जाए। चास बोकारो के सभी प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे सहित ट्रैफिक सिग्नल लगवाने की मांग भी चैंबर के प्रतिनिधि मंडल ने की। पुलिस महानिदेशक निदेशक ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गौर से सुना तथा कहा कि राज्य के व्यापारियों को भय मुक्त माहौल उपलब्ध कराएंगे। पुलिसिंग को और बेहतर एवं सुदृढ़ किया जाएगा। गुप्ता ने इस मौके पर सभी व्यापारियों से अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठान के बाहर बेहतर क्वालिटी के सीसीटीवी कैमरे जरूर लगवाएं। गुप्ता ने प्रतिनिधि मंडल को बताया की भूमि विवाद से जुड़े काफी मामले संज्ञान में आ रहे हैं इसे रोकने के लिए वह एस आई टी का गठन करेंगे।

पीड़ित महिला ने की बिल्डर की शिकायत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा के कार्यालय कक्ष में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान एक पीड़ित महिला ने उपायुक्त को बताया कि उन्होंने एक बिल्डर को मकान खरीदने के लिए बैंक से लोन लेकर भुगतान किया है। रकम लेने के बाद अब तक बिल्डर ने मकान बनाकर हैंडओवर नहीं किया है। पीड़ित महिला ने बताया कि विगत एक डेढ़ साल से बिल्डर के कार्यालय का चक्कर लगा रही है। परंतु अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। वहीं एक अन्य व्यक्ति ने उपायुक्त को बताया कि टुंडी गिरिडीह सड़क चौड़ीकरण में उनकी जमीन का अधिग्रहण किया गया। भू-अर्जन विभाग ने अब तक उन्हें मुआवजा नहीं दिया और न ही जमीन वापस की है। एक बुजुर्ग दिव्यांग व्यक्ति ने उपायुक्त को बताया कि उन्होंने शेखपुरा में अपने भाई के कहने पर अपनी जमीन बेची और रजिस्ट्री भी कर दी। लेकिन कब तक उन्हें रकम प्राप्त नहीं हुई है। जनता दरबार में महुदा में एनएच की जर्जर सड़क की मरम्मत कराने, अंचल कार्यालय द्वारा लगान रसीद नहीं काटने, भूमिहीन को जमीन उपलब्ध कराने, राशन कार्ड में नाम जुड़वाने, घर के बगल में स्थित गेट ग्रिल की दुकान बंद कराने, ऑनलाइन पंजी 2 में सुधार कराने, जमीन दलालों द्वारा पुश्तैनी जमीन में जबरन विवाद उत्पन्न करने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त में सभी मामलों पर संज्ञान लेते हुए संबंधित पदाधिकारी को उसका निष्पादन करने का निर्देश दिया।

फाउंडेशन ट्रस्ट ने विधायक आवास में मनाया सावन महोत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : महोत्सव में उपस्थित महिलाओं को सम्बोधित करते हुए बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने बधाई देते हुए कहा कि सावन के महीने पर जाने कितनी कविताएं, कहानियां और गीत लिखे गए हैं। प्रकृति, प्रेम और आस्था से जुड़े इस महीने को जहां भारतीय संस्कृति, परंपरा और हिदू धर्म से जोड़ा गया है। आज की भागती-दौड़ती जिंदगी ने सावन का उल्लास खत्म कर दिया है। इस तरह के आयोजन से पहले जैसा बनाने के लिए कृत संकल्पित होना है। बोकारो फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष बोकारो विधायक बिरंची नारायण के धर्मपत्नी नीना नारायण ने खुशी का इजहार करने के लिए अपने आवास में सावन महोत्सव का आयोजन कि एक मंच पर महिलाएं एकत्रित होकर सहेलियों से मिलकर सावन महोत्सव का आनंद उठाई। इस दौरान मेहंदी, म्यूजिकल चेयर खेल का भी आयोजन किया गया। महिलाएं हरी-हरी साड़ी, चूड़ी, हाथों में मेहंदी, लगाकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दी। पूरे दिन घर आंगन में काम करने करने वाली महिलाओं को सावन का बेसब्री से इंतजार रहता है। सावन माह में शिवालय पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना करती हैं।

भाजपा युवा मोर्चा ने 23 अगस्त को रांची में होने वाली रैली को लेकर की सभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारतीय जनता युवा मोर्चा, झारखंड प्रदेश के नेतृत्व में आगामी 23 अगस्त को रांची में आयोजित युवा आक्रोश रैली के निमित्त भारतीय जनता पार्टी, बोकारो जिला की योजना बैठक भाजपा जिला कार्यालय में भाजपा युवा मोर्चा के बैनर मे संपन्न हुई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी जी ने संबोधित करते हुए कहा - हेमंत सोरेन सरकार ने पांच लाख नौकरियां का वादा कर झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। आगामी 23 को इस चोर लुटेरी युवा विरोधी निकम्मी सरकार को गद्दी से उखाड़ फेंकना है। उन्होंने कहा राज्य के युवा इस ठगबंधन सरकार के कुकर्मों का हिसाब करने के लिए कमर कस लें और बड़ी संख्या में रांची चलने का आवाह्न किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विनोद कुमार ने किया और कार्यक्रम की रुपरेखा के संदर्भ में प्रकाश डालते हुए विषय प्रवेश कराया। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयदेव राय ने कहा कि सभी मंडल अध्यक्ष अपने मंडल मे बैठक करके सूची बनाये एंव प्रदर्शन मे ज्यादा से ज्यादा युवा कैसे राँची चले इस पर ध्यान दें। पूर्व सांसद रविंद्र पांडेय ने कहा कि इस सरकार ने अगर सबसे ज्यादा किसी को ठगा है तो वो युवा को ठगे है इसलिये युवा मोर्चा के कार्यकर्त्ता के साथ हमसब खड़े है और युवाओं के सहयोग से इस सरकार को भाजपा उखाड़ फेंकेगी। बेरमो के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटुल कहा कि आज झारखण्ड मे कानून व्यवस्था नाम का कोई चीज नहीं है ट्रांसफार्मर पोस्टिंग मे राज्य सरकार मस्त है और युवा आज सड़क और टेंट मे बैठके अपने भविष्य के लिये संघर्ष कर रहे है, झारखण्ड के युवा आक्रोश मे है और इस आक्रोश का उबाल 23 को राँची के मोराबादी मैदान मे युवा मोर्चा के नेतृत्व मे देखने को मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अनिल स्वर्णकार व धन्यवाद ज्ञापन युवा मोर्चा के जिला महामंत्री कुलदीप माहथा जी ने किया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें दूर दराज से लगभग 30 से अधिक आवेदकों ने आकर उपायुक्त से मुलाकात की एवं अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत करवाया। गुमला जिले के गोरापहार से आए एतेश्वर असुर ने उपायुक्त से मुलाकात की, उन्होंने बताया कि वे अत्यंत ही गरीब परिवार से हैं एवं अपनी बेटी को आगे पढ़ाने में असमर्थ है। एतेश्वर ने उपायुक्त से उनकी बेटी को पढ़ाने में सहायता की मांग कि उन्होंने कस्तूरबागांधी विद्यालय में उनकी बेटी का दाखिला करवाने हेतु आग्रह किया। जिसपर उपायुक्त ने उक्त आवेदन को जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को अग्रसारित करते हुए उनकी सहायता हेतु निर्देश दिया। भरनो निवासी अशोक प्रसाद ने बताया कि उनका दवा का दुकान पुराना अस्पताल चौक के पास था। पथ चौड़ीकरण के दरमियान उनके दुकान को भी हटाया गया है, परंतु उनका कहना है कि स्थान खाली करने हेतु उनके पास कोई नोटिस नहीं आया है एवं उक्त नोटिस को किसी अन्य के नाम से जारी किया गया है। जिसके कारण उन्हें मुआवजा राशि मिलने में भी अत्यंत कठिनाई हो रही है। अशोक प्रसाद ने इस समस्या के समाधान हेतु उपायुक्त से सहायता की मांग की। जिसपर उपायुक्त ने जिला भू अर्जन पदाधिकारी को पत्र अग्रसारित किया। उन्होंने इस मामले से संबंधित आवश्यक कार्रवाई करते हुए आवेदक को सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। नवाटोली की निवासी अनीता देवी ने बताया कि उनका केवल एक ही पुत्र है जो अभी नाबालिक है, उनके पुत्र को चोरी के केस में फसाया गया है जिसके कारण उनके बेटे को जेल हो गई है, नाबालिक होने के बावजूद उनके बेटे को बाल सुधार गृह में भी नहीं रखा गया है एवं रांची जेल में भेज दिया गया है, अनिता देवी ने कहा कि उनके बेटे को गुमला स्थित बाल सुधार गृह में रखने की कृपा की जाए। उपायुक्त ने इस पर उचित कार्रवाई करने हेतु अनिता देवी को आश्वस्त किया। सिसई प्रखंड की निवासी ओजिहा खातून ने बताया कि उनके क्षेत्र अंतर्गत मुखिया के द्वारा अबुआ आवास योजना के तहत अयोग्य लाभुकों को योजना का लाभ दिलाने हेतु सहायता प्रदान की जा रही है परंतु योग्य लाभुकों को केवल प्रतीक्षा कराया जा रहा है। उन्होंने उपायुक्त से जांच की मांग की एवं उनकी सहायता करने हेतु आग्रह किया। उपायुक्त ने इस पर गंभीरता दिखाई एवं संबंधित अधिकारी को पत्र अग्रसारित करते हुए आवश्यक कारवाई हेतु आवश्यक निर्देश दिए उन्होंने कहा कि इस जानकारी को अत्यंत ही महत्वपूर्ण समझते हुए मामले की जांच करें। इसके अलावा आवेदकों ने कई समस्याओं से उपायुक्त को अवगत करवाया जिसमें विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने, कस्तूरबा गांधी विद्यालय में एडमिशन दिलवाने, दाखिल खारिज के मामले, अवैध क्रियाकलापों से संबंधित सूचना, घरेलू विवाद आदि जैसे समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा ।

शराब दुकानों पर भी बिना हेलमेट के शराब देने पर होगी कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निदेर्शानुसार मंगलवार को मोटर यान निरीक्षक रोबिन अजय सिंह एवं प्रदीप कुमार तिर्की एवं सड़क सुरक्षा के द्वारा गुमला जिले के सभी शराब दुकानों पर प्रशासन सख्ती से बिना हेलमेट के चलने वालों पर अंकुश लगाने के हर एक उपाय पर जोर दे रहा है। मोटर यान निरीक्षक एवं सड़क सुरक्षा के द्वारा आज सभी ने गुमला जशपुर रोड में लक्स्मन नगर, पालकोट रोड, पटेल चौक ,चेतर रोड एवं गुमला सिसई रोड में सभी शराब दुकानों पर निरिक्षण किया गया जाँच के दौरान सभी शराब दुकानों पर नो हेलमेट नो शराब पोस्टर नहीं लगा हुआ था एवं सीसीटीवी कैमरा नहीं पाया गया। जहाँ शराब दुकान में आये जितने भी लोग बिना हेलमेट के दिखे उनपर भी चालान कर दिया जायेगा और साथ ही शराब देने से भी मना कर दिया जायेगा। सख्ती से शराब दुकान को भी निर्देश दिया की बिना हेलमेट वालों को शराब देना बंद कर दें या प्रशासनिक कार्यवाई के लिए तैयार रहें। सभी शराब दुकानों पर भी बिना हेलमेट के शराब देने पर कार्यवाई करने का निर्देश प्राप्त है । यत्र तत्र गाड़ी लगा कर रास्ते को अवरुद्ध करने वालों पर भी चालान किया जायेगा। ज्ञात हो की गुमला जिले के विभिन्न शराब दुकानों पर नो हेलमेट नो शराब का सूचक बोर्ड एवं सीसीटीवी कैमरा लगवा देने का निर्देश दिया गया और यह अभियान पहले से ही चलाया जा रहा है अब जुमार्ना लगाकर इस बाबत कार्यवाई की जाएगी।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सरिया में मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह): स्टेशन रोड सरिया स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने योग साधना आत्मा व परमात्मा संबंधित संदेश को सुना। एक दूसरे के हाथों रक्षा सूत्र बांधकर वसुधैव कुटुंबकम् का भाव जागृत किया। मिठाइयां खिलाईं। अपने बौद्धिक में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सरिया शाखा के प्रभारी अनीता दीदी ने कहा कि कलयुग में धर्म की अतिग्लानी तथा मानवता का पतन हो रहा है। जिसका उत्थान परमात्मा के सिवाय कोई नहीं कर सकता। धर्म के उत्थान के लिए प्रभु का अवतरण होता है। उन्होंने कहा कि अभी का समय है स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन का। इसका हमें संकल्प लेने की आवश्यकता है। स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन का एक विचार आज क्रांति बनकर घूम रहा है। आत्मा का परमात्मा से मिलन करने में ब्रह्माकुमारियां शांति दूत बनकर जन-जन को जगा रही है। वर्तमान समय में ब्रह्मकुमारी के भारत सहित पूरे विश्व के 104 देश में लगभग 5 हजार से भी ज्यादा सेवा केन्द्रों के माध्यम से परमात्मा का संदेश दिया जा रहा है। बताई कि श्वेत वस्त्रधारिणी, बालब्रह्मचारिणी, राजयोगिनी, तपस्विनी ब्रह्माकुमारियों ने यह साबित कर दिखाया है कि यदि नारी को मौका मिले तो वह पुरुषों से बेहतर कार्य कर सकती हैं। उनमें अद्मय साहस,शक्ति और सामर्थ्य भरपूर है।

बीएमबीएसटी पब्लिक स्कूल के छात्र छात्राओं को किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : नामकोम बी एम बी ए एस टी पब्लिक स्कूल महिलोंग के प्राचार्य बिमल कुमार के छात्र छात्राओं ने एग्जाम दिया एग्जाम का रिजल्ट आने के बाद स्कूल के बच्चो को सम्मानित कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्य क्रम के मुख्य अतिथि जेबीकेएसएस छात्र नेता वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो थे विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी सह जेबीकेएसएस के केंद्रीय संगठन मंत्री फलींद्र करमाली, प्रोफेसर राजीव कुमार थे अतिथियों के द्वारा छात्रों को फर्स्ट एग्जाम का रिजल्ट देते हुए साथ में पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। देवेंद्र नाथ महतोऔर फलींद्र करमाली ने बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में कैसे आगे मुकाम हासिल करे है बच्चो को अच्छी अच्छी बाते बताया गया बच्चे पुरस्कार पाकर बहुत खुश हुए। इस कार्यक्रम में स्कूल के सभी शिक्षक और प्राचार्य विमल कुमार महतो और उप प्राचार्य मरियम सांगा, और सभी बच्चे अभिभावक उपस्थित थे।

अपराधियों द्वारा दिनदहाड़े लूट व गोली कांड के विरुद्ध भाजपा ने किया प्रतिवाद मार्च

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह) : सोमवार की दोपहर को सरिया प्रखंड क्षेत्र के औरवाटांड गांव में अपराधियों द्वारा की गई गोलीबारी तथा लूटपाट के विरोध में भारतीय जनता पार्टी द्वारा सरिया बाजार में आक्रोश सह प्रतिवाद मार्च निकाला गया। जो दयाल भवन से चलकर पूरा सरिया बाजार होते हुए विवेकानंद मोड पहुंचा। जहां यह प्रतिवाद मार्च नुक्कड़ सभा में तब्दील हो गया.इस दौरान पुलिस प्रशासन हाय-हाय गोलीबारी में सम्मिलित अपराधियों को गिरफ्तार करो, बगोदर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को सुरक्षा देना होगा,बढ़ते लूटपाट की घटना पर बगोदर विधायक खामोश क्यों आदि नारे लगाए जा रहे थे। नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए लोगों ने कहा कि वर्तमान समय में बगोदर विधानसभा क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था में गिरावट आई है। जिसके खिलाफ भाजपा द्वारा सरिया बाजार में आक्रोश सह प्रतिवाद मार्च निकाला गया। लोगों ने कहा कि वर्तमान समय में बगोदर विधानसभा क्षेत्र में प्रत्येक सप्ताह में कुछ न कुछ कहीं न कहीं बलात्कार की घटना,कहीं दिनदहाड़े लूट, कहीं दिनदहाड़े पिस्टल दिखाकर आम जनों से लूट ,कहीं मजदूर की हत्या,सी एस पी केंद्र के संचालकों के साथ पिस्टल दिखाकर या गोली मारकर पैसा छीनने की घटनाएं हो रही है। इस प्रकार की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि से आमजन दहसत में हैं। पुलिस प्रशासन सुस्त पड़ी हुई है।अपराधी मजे से बाहर घूम रहे हैं। भाजपा नेत्री रीता माथुर प्रसाद ने कहा कि पुलिस प्रशासन सक्रिय होकर अपराधियों के मनोबल को तोड़ें। जिससे कि क्षेत्र में लोग अमन चैन से रह सकें। साथ ही झारखंड में हेमन्त सोरेन की गठबंधन सरकार में बैठे बगोदर के विधायक को भी चेतावनी दिया गया कि बगोदर में जल्द ही आपराधिक घटनाओं में अंकुश लगाये। बढ़ती हुई इन आपराधिक घटनाओं का जवाब आगामी विधानसभा चुनाव में जनता आवश्यक रूप से देगी। बताते चलें कि सोमवार की दोपहर लगभग 12:00 बजे केश्वारी गांव के बैंक आफ इंडिया बीसी संचालक विश्वनाथ यादव 2 लाख 89 हजार रुपए बैंक से निकासी कर ग्राहक सेवा केंद्र केश्वारी जा रहा था। इसी बीच दो नकाबपोश अपराधी इसे गोली मारकर घायल कर दिए तथा रुपए लेकर फरार हो गए थे।

उपायुक्त और एसपी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के अंतिम पूर्वाभ्यास का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी एवं पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने मुख्य कार्यक्रम स्थल अल्बर्ट एक्का स्टेडियम, गुमला में स्वतंत्रता दिवस 2024 के आयोजन को लेकर आज फुल ड्रेस रिहर्सल कार्यक्रम का जायजा लिया, जिसमें जिले के सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। आज के रिहर्सल कार्यक्रम में सर्वप्रथम उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के आगमन पर परेड की सलामी दी गई तत्पश्चात परेड का निरीक्षण किया गया। परेड निरीक्षण उपरांत परेड में शामिल प्लाटून क्रमशः सीआरपीएफ, आईआरबी, जिला पुलिस बल पुरूष के प्लाटून, जिला पुलिस बल महिला एवं होमगार्ड के द्वारा समीक्षाकरण परेड किया गया। तत्पश्चात उपायुक्त ने झंडोत्तोलन कर झंडे को सलामी दिए। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने फुल ड्रेस रिहर्सल कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, परेड में शामिल सभी प्लाटून, बैंड पार्टी, विद्यालय के बच्चों समेत अन्य सभी को स्वतंत्रता दिवस की अग्रीम बधाई दिए साथ ही उन्होंने जिले के तमाम नागरिकों से अपील किया कि स्वतंत्रता दिवस पुरे जोश के साथ मनायें। पुलिस अधीक्षक ने परेड में शामिल जवानों, बैंड पार्टी, विद्यालयों के बच्चों से कहा कि आप बहुत अच्छा कर रहे हैं साथ ही स्वतंत्रता दिवस के मौके पर और बेहतर हो इसके लिए सभी को शुभकामनाएं।

स्कोर्पियो पलटने से एक व्यक्ति की मौत, दो घायल

अनगड़ा : अनगडा थाना क्षेत्र अन्तर्गत रिंग रोड पर टॉल प्लाजा के करीब एक किलोमीटर की दूरी पर तुरूप गांव के पास डिवाईडर से टकरा कर बीच सड़क पर एक स्कॉर्पियो जेएच05 ए एन6999 के पलटने से चालक श्रवण कुमार राय की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई जबकि उसकी पत्नी और एक अन्य रेशमी कुमारी घायल हो गए । बताया गया कि स्कोर्पियो टाटी सिलवे से रिंग रोड से विकास की ओर जा रही थी। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद अनगड़ा पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे मे लेकर उसे पोस्टमार्टम हेतु रिम्स राची भेज दिया । जबकि दोनो घायलों को भी इलाज हेतु रिम्स रांची में भर्ती कराया गया है।

झारखण्ड सरकार
खान एवं भूतत्व विभाग, जिला खनन कार्यालय, कोडरमा।
Email Id- dmo-koderma@jharkhandmail.gov.in

आम सूचना।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सरकारी एवं अन्य परियोजनाओं में, बृहद पैमाने पर निर्माण कार्यों में बालू की आपूर्ति की वस्तुस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए व्यक्तिगत क्रेताओं को दिनांक– 01.08.2024 से 31.12.2024 तक उचित दर पर पैध बालू खनिज की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु स्वयं के उपयोग के लिए व्यक्तिगत क्रेताओं को श्रेणी– II (Category- II) के बालूघाटों से निःशुल्क बालू खनिज उपलब्ध कराने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है। उक्त के आलोक में गैर– व्यावसायिक व्यक्तिगत क्रेताओं तथा राज्य सरकार द्वारा दी गई व्यक्तिगत आम की योजना हेतु आम जनों के निजी उपयोग के लिए निःशुल्क बालू की व्यवस्था निगम के वेबसाईट (www.jsmdc.in) पर की गयी है। वर्तमान में निगम द्वारा कोडरमा जिलान्तर्गत श्रेणी II (Category- II) के निम्नांकित बालूघाट/स्टॉकयार्ड संचालित है :–

क्र0	अंचल	स्टॉकयार्ड की विवरणी	
1	चन्दवारा	झारखण्ड राज्य खनिज विकास निगम लि0 (JSMDC Ltd.) (JIMMS ID- 031078112001)	मौजा– कांटी (नुर्तिया) खाता सं0– 192 प्लॉट सं0– 2567 एवं 2568 रकबा– 1.80 एकड़

इच्छुक व्यक्ति/क्रेता झारखण्ड राज्य खनिज विकास निगम लि0 के वेबसाइट www.jsmdc.in से online sand booking के माध्यम से registration कर निःशुल्क बालू की Booking कर लाभान्वित हो सकते है। योजना की पूर्ण जानकारी निगम के वेबसाइट www.jsmdc.in पर उपलब्ध है।

जिला खनन पदाधिकारी
कोडरमा।

PR 332608 (Mines and Geology) 24-25 (D)

ज्ञापांक :– 02/पी0पी0ओ0/2019/56
पुलिस वायरलेस मुख्यालय झारखण्ड, राँची

दिनांक 12/08/2024

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण संख्या– 01/पी0पी0ओ0 2024–2025

झारखण्ड पुलिस वायरलेस मुख्यालय में वायरलेस कार्य के लिए "सहायक तकनीकी उपकरण एवं General Items" के क्रय एवं आपूर्ति हेतु निविदादाताओं से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है:–

वैसे उत्पादनकर्ता/विक्रेता/अधिकृत एजेंट निविदा दस्तावेज प्राप्त कर सकते है, जिनका GST रजिस्ट्रेशन निविदा आमंत्रण के तिथि के पूर्व प्राप्त हो। निविदा दस्तावेज झारखण्ड पुलिस वायरलेस मुख्यालय,लाईन टैंक रोड, राँची 834001 के पी0पी0ओ0 शाखा से प्राप्त कर सकते हैं। निविदा दस्तावेज Information & Public Relations Department Jharkhand (सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग झारखंड) के Website से भी download कर प्राप्त किया जा सकता है।

निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि दि0 27/08/2024 समय 11:30 बजे।
निविदा समर्पित करने की अन्तिम तिथि दि0 28/08/2024 समय 11:30 बजे।
निविदा खोलने की तिथि दि0 29/08/2024 समय 11:00 बजे।

पुलिस महानिदेशक (संचार एवं त0स0 सेवाएं), झारखण्ड, राँची को यह अधिकार सुरक्षित है कि बिना कारण बताये निविदा को अस्वीकृत कर दें या निर्धारित मद में आवश्यकतानुसार संख्या को घटा या बढ़ा दें।

ह0 हरविन्दर सिंह
पुलिस अधीक्षक (संचार एवं तकनीकी सेवाएँ),
झारखण्ड, राँची

PR 332600 Police Wireless Headquarter (24-25)_D

कार्यालय, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, गुमला।
e-mail- drdagumla2013@gmail.com

सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि जिला प्रशासन को ऐसी सूचना प्राप्त हुई है कि ग्राम पंचायत स्तर पर ऐसी भ्रामक सूचना प्रचारित की जा रही है कि विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह (PVTG) के परिवारों, जिनका सर्वे PMJANMAN के तहत किया गया है वैसे परिवारों को अबुआ आवास योजना अन्तर्गत आवास लाभ नहीं दिया जायेगा।

उपरोक्त के क्रम में सूचित करना है कि ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार, रांची का संकल्प संख्या 4545 दिनांक 20.10.2023 के कण्डिका 03 के आलोक में कच्चे घरों में रहने वाले परिवार, आवासविहीन एवं निराश्रित परिवार, विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह (PVTG) के परिवार, प्रकृतिक आपदा के शिकार परिवार, कानूनी तौर पर रिहा किये गये बंधुवा मजदूर, वैसे परिवार, जिन्हें राज्य सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा संचालित आवास योजना यथा प्रधानमंत्री आवास योजना– ग्रामीण/बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर आवास योजना/ बिरसा आवास योजना/ इन्द्रा आवास योजना इत्यादि आवास का लाभ नहीं दिया गया है तथा उक्त विभागीय संकल्प की कण्डिका 04 (Exclusion Crtieria) के मापदण्ड अन्तर्गत नहीं आते है एवं जिनका नाम अबुआ आवास के स्थायी प्राथमिकता सूची में शामिल है को जिले को आंवटित लक्ष्य के अनुरूप स्थायी प्राथमिकता सूची के प्राथमिकता क्रमांक के अनुसार नियमानुसार आवास का लाभ देय होगा।

उपायुक्त,
गुमला।

PR 332647 (Rural Development) 24-25 (D)

JHARKHAND URJA VIKAS NIGAM LIMITED
(CIN: U40108JH2013SGC001603)
Regd. Office: Engineering Building, H.E.C, Dhurwa, Ranchi -834004

e-TENDER NOTICE (3rd call)

e-Tenders in two parts Part-I (Technical and Commercial) and Part-II (price part) are invited from the reputed tenderers having good experience of following similar nature of Civil works and having sound financial status for the works mentioned below:

Sl. No.	NIT No.	Name of the work	Estimated cost in Rs./-	Earnest money to be deposited in Rs./-	Cost of BOQ (Non-Refundable) in Rs./-	Time of completion of work.
1	09/PR/JUVNL/24-25	Item rate for day to day maintenance of water supply and sanitary installation at residential quarter, IB and Legal office under JUVNL Ranchi for 6 (Six) months	10,41,500/-	20,900/-	2500.00 18% GST Extra= 2950=00	180 days

Availability of tender documents on website	From 14.08.24 at 11.00 AM to 03.09.24 up to 3.00 PM
Bid Submission start date of e-tender	14.08.24, 11.00 AM
Bid Submission End date of e-tender	03.09.24, 3.00 PM
Date and time for opening of Tender Part -I (Technical and Commercial)	At 3.30 PM on 04.09.24
Date and time for opening of Tender Part -II (Price Part)	Will be Communicated later on
Tendering Officer and address for communication	General Manager (CIVIL), JUVNL, Engineering Building, H.E.C., Dhurwa, Ranchi – 834 004, Contact No. - 9431135528

1. e-Tender documents and BOQ including terms & conditions, specification etc. can be downloaded and submitted online on website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned during office hours. NIC helpline no. 0651-2400178.
2. The tenders will be received through electronic tendering mode only. Tender Fee (Cost of BOQ) and Earnest Money Deposit (EMD) is to be paid through online mode.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें कृपया अपनी शिकायतें के टॉल फ्री नं0 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager (Civil)

PR 332649 (Jharkhand Urja Vikas Nigam Ltd) 24-25 (D)

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, नियोजनालय, तोरपा खूँटी।

भर्ती कैम्प–2024

राज्य के बेरोजगार युवक/युवतियों को निजी क्षेत्र में नियोजित करने के उद्देश्य से नियोजनालय, तोरपा (खूँटी) के द्वारा दिनांक–14 अगस्त 2024 दिन बुधवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे से 4:00 बजे अपराह्न तक नियोजनालय, तोरपा (खूँटी) परिसर में भर्ती कैम्प 2024 आयोजित किया जा रहा है।
भर्ती कैम्प में निम्नलिखित नियोजक ने उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की है:–

SN	EMLOYER'S NAME	VACANCIES	POST	SALARY	GENDER	AGE	QUALIFICATION	JOB LOCATION
1	LIC ,KHUNTI	30	ADVISOR	5K+handsome incentives	M/F	18-35	12th & Above	Khunti, Torpa
2	SPANDANA SPHOORTY FINANCIAL LTD, (RAMGARH JHARKHAND)	10	Loan officer (Credit Assistant)	12002+TA+incentive+Medical insurance	M/F	19 to 27	12th Pass/ITI/Diploma/Graduate	Chakradharpur, Chaibasa, Muri(Ranchi), All over Jharkhand
3	SANTOSH LINE HOTEL, TORPA	14	Salesman, Cook, Housekeeping	12K-15K	M/F	18-40	8th & Above	Torpa
4	SEVA SAHYOG, JSR	85	Security guard/Supervisor/Office staff/Housekeeping/Manager	10k-17k	M/F	18-35	10th & Above	Entire Jharkhand & Odisa

योग्य एवं इच्छुक आवेदक (उम्मीदवार) जो पूर्व से निबंधित नहीं है वे अपने निकटतम नियोजनालय में अथवा www.rojgar.jharkhand.gov.in पर अपना निबंधन कराते हुए उपरोक्त उल्लेखित रोजगार मेला में नियोजक/नियोजक के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों की छाया प्रति, अंक प्रमाण पत्र की छाया प्रति, आवासीय प्रमाण पत्रों की छाया प्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति, बायोडाटा दो प्रतियों में तथा दो पासपोर्ट साईज के फोटो के साथ साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते है। जो उम्मीदवार पूर्व में निबंधित है उन्हे पुनः निबंधन कराने की आवश्यकता नहीं है। चूंकि रिक्तियाँ निजि क्षेत्र से संबंधित है अतएव चयन की प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं रहेगा। विभाग एवं नियोजनालय मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य कर रहें है। रोजगार मेला में भाग लेने के लिए किसी भी प्रकार का मार्ग भत्ता देय नहीं होगा।

प्रभारी नियोजन पदाधिकारी
नियोजनालय तोरपा, (खूँटी)।

PR 332685 (Labour Employment and Traning) 24-25 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लातेहार

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना
संख्या – EE/RDSD/LATEHAR/05/2024-25/RE

1.कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड मनिका पंचायत [illegible] ग्राम [illegible] में आँगनबाड़ी भवन निर्माण।	1108200	22200	2500	3 माह
2	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड मनिका पंचायत [illegible] ग्राम [illegible] में आँगनबाड़ी भवन निर्माण।	1108200	22200	2500	3 माह
3	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड गारू पंचायत [illegible] ग्राम [illegible] में आँगनबाड़ी भवन निर्माण।	1108200	22200	2500	3 माह
4	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड गारू पंचायत [illegible] ग्राम [illegible] में आँगनबाड़ी भवन निर्माण।	1108200	22200	2500	3 माह
5	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड गारू पंचायत [illegible] ग्राम [illegible] में आँगनबाड़ी भवन निर्माण।	1108200	22200	2500	3 माह
6	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड महुआडांड पंचायत [illegible] ग्राम [illegible] में आँगनबाड़ी भवन निर्माण।	1108200	22200	2500	3 माह
7	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड महुआडांड पंचायत [illegible] ग्राम [illegible] में आँगनबाड़ी भवन निर्माण।	1108200	22200	2500	3 माह
8	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड महुआडांड पंचायत [illegible] ग्राम [illegible] में आँगनबाड़ी भवन निर्माण।	1108200	22200	2500	3 माह
9	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड महुआडांड पंचायत [illegible] ग्राम [illegible] में आँगनबाड़ी भवन निर्माण।	1108200	22200	2500	3 माह
10	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड महुआडांड पंचायत [illegible] ग्राम [illegible] में आँगनबाड़ी भवन निर्माण।	1108200	22200	2500	3 माह
11	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड महुआडांड पंचायत [illegible] ग्राम [illegible] 1 का आँगनबाड़ी भवन निर्माण।	1108200	22200	2500	3 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 16.08.2024
3. ई निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय दिनांक 16.08.2024 से दिनांक 24.08.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
5. ई निविदा खोलने की तिथि एवं समय 27.08.2024 अपराह्न 1:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 – 06565796434
8. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,
लातेहार

PR 332599 (Rural Development)24-25*D

मालदीव-भारत के बेहतर होते रिश्तों के सबब

ललित गर्ग

भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के प्रति अच्छा रहा हैं लेकिन चीन पोषित भारत विरोध की ऐसी अकारण नफरत भारत क्यों बर्दाश्त करें? निश्चित ही मालदीव के रवैये का दोनों देशों के बीच की सदियों पुरानी दोस्ती पर नकारात्मक प्रभाव पडा। भारतीय यदि मालदीव का बहिष्कार करने लगा तो वहां अर्थव्यवस्था चरमरा जायेगी, यह बात समझने में मालदीव को देर नहीं लगी। अपनी भूल को सुधारते हुए उसने भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है जो दोनों देशों के हित में है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के केनवास पर शांति, प्रेम, विकास और सह-अस्तित्व के रंग भरने में भारत सक्षम है, पडोसी देशों में भारत ही मजबूत स्थिति में है।

चीन की कटपुतली बने मालदीव को आखिर भारत की कीमत समझ में आ गयी। चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है। लेकिन एक पडोसी देश के रूप में पिछले करीब एक साल की अवधि में मालदीव ने भी गहरे हिचकोले खाने एवं कई कड़वे अनुभवों से गुजरने के बाद अब पटरी पर आ गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया देखने को मिला, जिस तरह से उन्होंने भारत के साथ आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की, यह उन्हें अपनी गलती का अहसास कराने का ही द्योतक कहा जा सकता है। देर आये दुरस्त आये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत-मालदीव के रिश्तों को भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान ह्यनिशान इजुद्दीनह्ल से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है। मालदीव में पिछले कुछ सालों में चीन ने अपना प्रभुत्व बढ़ाया है, उसे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर उल्लेखनीय सफलता भी मिली। लेकिन यह सब करने के पीछे चीन का मुख्य लक्ष्य मालदीव की भारत से दूरी बढ़ाना भी रहा, जिसमें उसे बड़ी सफलता मिली। इस प्रकरण की शुरूआत पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था। वह बार-बार सार्वजनिक तौर पर यह संकल्प करते देखे गए कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको पता था कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदगी सांकेतिक ही थी। भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराने प्रेम एवं सौहार्द के रिश्ते एकाएक तल्ख होते दिखाई देने लगा। मालदीव की तरफ से लगातार तनाव बढ़ाने वाले बयान आते रहे, लेकिन भारत की तरफ से फिर भी संतुलित नीति अपनाई जाती रही है। इसी दौरान मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की, जिसका उद्देश्य कत्तई किसी भी देश के पर्यटन को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अपने देश में पर्यटन की नई संभावनाओं को तलाशना है।

प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर बॉयकाट मालदीव ट्रेंड होने लगा। इस हैशटैग के साथ लोगों के ऐसे पोस्ट की बाढ़ आ गई, जिसमें वे मालदीप और लक्षद्वीप की तुलना करते हुए लक्षद्वीप को बेहतर बता रहे है। मुइज्जू के भारत विरोध उनके अनेक मंत्रियों की तल्ख टिप्पणियों एवं रवैये के कारण वहां की अर्थ-व्यवस्था गिरने लगी, विशेषतः पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। मालदीव की नई सरकार के रुख को देखते हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अख्तियार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से छुट्टियां बिताने मालदीव जाने वाले टूरिस्टों की संख्या कम होने लगी। इस साल के शुरूआती चार महीनों की अवधि में वहां भारतीय टूरिस्टों की संख्या में 42 प्रतिशत घट गयी। ध्यान रहे, मालदीव की जीडीपी में टूरिज्म का योगदान 30 प्रतिशत है। इतना ही नहीं, भारत के सहयोग से चलने वाले इन्फ्रा प्रॉजेक्ट्स और हेल्थ, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रॉजेक्ट्स का भविष्य भी अधर में लटका दिखाई देने लगा। मुइज्जू सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। किसी अन्य देश का सहयोग भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता था। ऐसे में मुइज्जू सरकार ने पिछले कुछ समय से अपने रुख में बदलाव का संकेत देना शुरू कर दिया था। भारत ने भी इन संकेतों का सम्मान किया। नतीजा यह कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव की यात्रा की, जिसके कारण दो पड़ोसी देशों के पुराने रिश्ते फिर पटरी पर लौटते दिख रहे हैं।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, लेकिन इन स्थितियों के कारण हुए भारी नुकसान का झेलते हुए मालदीव चीन के मनसूबों का भाप गया। भारत का पड़ोसी देश मालदीव हिंद महासागर पर बसा है और इस कारण यह सुरक्षा की दृष्टि से भी अहम है। यहां की नई सरकार चीन के करीब दिख रही है और चीन अपने मनसूंबो को पूरा करने के लिये गलत रास्तों पर ढकेल रहा है। मालदीव के नए राष्ट्रपति ने तो अपने चुनाव प्रचार में ही ह्यइंडिया आउटह्ल का नारा दिया था। भारत एवं मालदीव के बीच तल्खी अगर बढ़ती तो हिंद महासागर रीजन की सिक्योरिटी भारत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। चीन हमारे रिश्तों की तल्खी का फायदा उठाने की लगातार कोशिश कर रहा है। जिसका भारत ने खयाल रखा। इसलिए भारत सरकार की तरफ से संतुलित नीति पर बल दिया जाता रहा है, जबकि मालदीव की तरफ से तो लगातार काफी कुछ गलत कहा जाता रहा है। लेकिन मालदीव को भी यह समझ आ गया कि भारत से दूरी उसके लिये नुकसानदायी है। चीन की तुलना में भारत से मालदीव के हित ज्यादा गहराई से जुड़े हैं। फिर भी मुइज्जू भारत के साथ रिश्तों में आ रही संभावित दूरी की भरपाई चीन से करीबी रिश्तों के रूप में करना चाहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स तब भी इस बात की ओर ध्यान खींच रहे थे कि भू-राजनीति की वास्तविकताओं के मद्देनजर यह संभव नहीं है कि मालदीव में जो भूमिका भारत निभा सकता है, वह चीन निभाने लगे। फिर भी चीन की शह पर भारत को आंख दिखाने की कोशिश होती रही है। राष्ट्रपति पद ग्रहण करने के बाद मुइज्जू के बयानों में हलकी सी नरमी जरूर दिखी, लेकिन नीतियों की दिशा बदलने का प्रयास फिर भी जारी रहा। लेकिन इससे हो रहे नुकसान को लेकर मुइज्जू सरकार सतर्क हो गयी। पर्यटन ही मालदीव की आय का सबसे बड़ा स्रोत है। भारत से करीब दो लाख से ज्यादा लोग हर साल मालदीव की यात्रा करते हैं। मालदीव में मौजूद भारतीय हाई कमिशन के आंकड़ों को मानें तो साल 2022 में 2 लाख 41 हजार और 2023 में करीब 2 लाख लोगों ने मालदीव की यात्रा की है। ऐसे में भारत-मालदीव के बीच बढ़ रही दूरी का असर मालदीव के टूरिज्म एवं आर्थिक व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक था।

भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के प्रति अच्छा रहा हैं लेकिन चीन पोषित भारत विरोध की ऐसी अकारण नफरत भारत क्यों बर्दाश्त करें? निश्चित ही मालदीव के रवैये का दोनों देशों के बीच की सदियों पुरानी दोस्ती पर नकारात्मक प्रभाव पडा। भारतीय यदि मालदीव का बहिष्कार करने लगा तो वहां अर्थव्यवस्था चरमरा जायेगी, यह बात समझने में मालदीव को देर नहीं लगी। अपनी भूल को सुधारते हुए उसने भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है जो दोनों देशों के हित में है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के केनवास पर शांति, प्रेम, विकास और सह-अस्तित्व के रंग भरने में भारत सक्षम है, पडोसी देशों में भारत ही मजबूत स्थिति में है, आर्थिक एवं सामरिक दोनों ही दृष्टि से भारत अपने पडोसी देशों में सशक्त एवं ताकतवर है, उसे मनोबल के साथ पडोसी देशों में स्थिरता, शांति, लोकतंत्र एवं आपसी समझ की ज्योत जलाने के लिये तत्पर रहना चाहिए, जो उन देशों के साथ भारत के लिये भी जरूरी है।

संपादकीय

उचित नहीं ढिलाई

अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिड़नबर्ग ने कहा है कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड.(सेबी) की प्रमुख माधवी पुरी बुच पर अदाणी समूह से जुड़े.विदेशी कोष में हिस्सेदारी होने के आरोप के चलते देश में उबाल है। उन पर जो भी आरोप रिपोर्ट में लगाए गए हैं, माधवी ने इन्हें आधारहीन व चरित्र हनन का प्रयास बताया है। हिंड़नबर्ग ने अपने जवाब में कहा कि बुच के जवाब से पुष्टि होती है कि उनका निवेश बरमुड़ा/मारीशस के फंड़ में था। आरोप है कि गौतम अदाणी का भाई विनोद इन फंड्स के जरिए शेयरों की कीमत बढ़ाता था। इसे हितों के टकराव का बड़ा मामला माना जा रहा है। बुच व उनके पति धवल बुच ने संयुक्त बयान जारी कर इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए अपना जीवन व वित्तीय स्थिति को खुली किताब बताया है। सेबी ने स्पष्टीकरण दिया है कि उसने अदाणी समूह के खिलाफ सभी आरोपों की विधिवत जांच की है। जनवरी 2023 में हिंड़नबर्ग ने अदाणी समूह पर शेयर मैनूपुलेशन समेत मनी लॉड्रिंग के आरोप लगाया थे, जिसे सेबी व सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच कर आरापों को खारिज कर दिया। सेबी ने उल्टा नोटिस भेजकर नियमों के उल्लंघन पर जवाब मांगा। इस पर हिंड़नबर्ग ने सेबी पर धोखेबाजों को बचाने की बात की। सवाल यह है कि बुच जिन कंपनियों से मुक्त होने का दावा कर रही हैं, उनमें उनकी 99 फीसद की हिस्सेदारी अभी है। यही नहीं अपने कार्यकाल के दरम्यान वह सिंगापुर यूनिट की सौ फीसद की हिस्सेदार भी रहीं। जिसे बाद में पति के नाम स्थांतरित कर दिया। उस यूनिट से उनको होने वाले लाभ का खुलासा अब तक नहीं हो सका है। बुच दंपति की नेटवर्थ बहरहाल दस मिलियन ड़ॉलर आंकी गई है। अदाणी समूह द्वारा स्पष्टीकरण दिया गया है कि बुच से उनके कोई कारोबारी रिश्ते नहीं हैं। उन्होंने अपने विदेशी होल्डिंग स्ट्रक्चर को पूरी तरह पारदर्शी बताया। इधर विपक्षी दलों ने इस विवाद के चलते केंद्र सरकार पर करारा प्रहार किया है। इसे नियामक की शुचिता के खिलवाड़.और मुनाफाखोरों को प्रश्रय देने वाला साबित किया जा रहा है। सरकार को त्वरित कार्रवाई करते हुए यह स्पष्ट करना चाहिए कि इसमें किसी तरह की ढ़िलाई नहीं हुई है। दूसरे जब तक जांच पूरी तरह नहीं हो जाती, तब तक सेबी प्रमुख को नियामक की गतिविधियों से पृथक रखा जाए। यह मसला बेहद गंभीर है, देश की प्रतिष्ठा और शेयरधारकों के विश्वास को किसी तरह की चोट नहीं पहुंचनी चाहिए।

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकर्षण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

अखंड भारत स्मृति दिवस पर विशेष : अखंड भारत ही बनेगा विश्व गुरु

सुरेश हिन्दुस्थानी

वर्तमान में जब कहीं से भी देश को तोडने की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से उसका प्रतिकार भी जबरदस्त तरीके से होता है। यह प्रतिकार निश्चित रूप से उस राष्ट्रभक्ति का परिचायक है, जो इस भारत देश को देवभूमि भारत के रूप में प्रतिस्थापित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने का अतुलनीय सामर्थ्य रखती है। यह आज के समय की बात है, लेकिन हम उस काल खंड का अध्ययन करें, जब भारत के विभाजन हुए। उस समय के भारतीयों के मन में विभाजन का असहनीय दर्द हुआ। जो असहनीय पीड़ा के रूप में उनके जीवन में प्रदर्शित होता रहा और देश को जगाते जगाते वे परलोक गमन कर गए। अभी तक भारत देश के सात विभाजन हो चुके हैं। जरा कल्पना कीजिए कि अगर आज भारत अखंड होता तो वह दुनिया की महाशक्ति होता। उसके पास मानव के रूप में जनशक्ति का प्रवाह होता। लेकिन विदेशी शक्तियों ने भारत के कुछ महत्वाकांक्षी शासकों को प्रलोभन देकर भारत पर एकाधिकार किया और योजना पूर्वक भारत को कमजोर करने का प्रयास किया। आज जिस भारत की तस्वीर हम देखते हैं, वह अंग्रेजों और उन जैसी मानसिकता रखने वाले लालची भारतीयों द्वारा किए गए कुकृत्यों का परिणाम ही है, लेकिन आज भी भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जिनकी आंखों में अखंड भारत का सपना है। उनके मन में अखंड भारत बनाने का संकल्प है। इसी संकल्प के आधार पर वे सभी इस दिशा में सार्थक प्रयास भी कर रहे हैं।

भारत के मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आम जन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए, पाकिस्तान का विघटन और उसका भारत में विलय होना निश्चित है। राष्ट्र के प्रति इसी प्रकार का एकात्म भाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी के जीवन में भी दृष्टव्य होता रहा। वे अपने शरीर को भारत देश की प्रतिकृति ही मानते थे। जब भी देश पर कोई संकट आता था, तब उनके शरीर में वैसा ही कष्ट होता था। इसलिए कहा जा सकता है कि उनको राष्ट्र की समस्याओं का पूर्व आभास भी होता था। जहां तक अखंड भारत की बात है तो यह मात्र कहने भर के लिए ही नहीं, बल्कि एक शाश्वत विचार है, जो आज भी भारत की हवाओं में गुंजायमान होता रहता है।

विचार करने वाली बात यह भी है कि जब भारत देश के टुकड़े नहीं हुए थे, तब हमारा देश पूरे विश्व में ज्ञान का आलोक प्रवाहित कर रहा था। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान भारत के संत मनीषियों के पास विद्यमान था। इसलिए भारत के सिद्ध संत केवल भारत के संत न होकर जगदुरू के नाम से विख्यात हुए। उनकी दृष्टि में पूरा विश्व एक परिवार की तरह ही था। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि भारत कई बार विभाजित होता रहा और आज जो भारत दिखाई देता है, वह भारत का एक टुकड़ा भर है।

भारत के विभाजन का अध्ययन किया जाए तो हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि यह विभाजन भारत की भूमि के टुकड़े करके ही हुए हैं। जिस भारत को हम माता के स्वरूप में पूजते आए हैं, उसे कम से कम वे लोग तो स्वीकार नहीं कर सकते, जो भारत की भक्ति में लीन हैं। इतिहास का अध्ययन करने से पता चलता है कि महाभारत कालीन गांधार देश यानी आज का अफगानिस्तान वर्ष 1747 में भारत से अलग हो गया। इसी प्रकार 1768 से पूर्व नेपाल भी भारत का अंग ही था। 1907 में भारत से अलग होकर भूटान देश बना। 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ। 1948 में श्रीलंका अस्तित्व में आया। इसी प्रकार पाकिस्तान के साथ अलग हुए बांगलादेश 1971 में एक अलग देश के रूप में स्थापित हुआ। जरा विचार कीजिए ये सभी देश आज भारत का हिस्सा होते तो भारत की शक्ति कितनी होती? आज कोई अखंड भारत की बात करता है तो कई लोग इसे असंभव कहने में संकोच नहीं करते। यहां पहली बात तो यह है कि हम किसी देश को छीनने की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने देश के विभाजित भाग को भारत में मिलाने की ही बात कर रहे हैं। कभी भारत के हिस्से रहे देश को भारत में मिलाने की बात करना असंभव नहीं माना जा सकता। आज धीरे ही सही, लेकिन भारत उस दिशा की ओर प्रवृत हुआ है। जबकि जो देश भारत से अलग हुए हैं, उनमें से अधिकांश देश बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। श्रीलंका की स्थिति सबके सामने आ चुकी है। पाकिस्तान भी उसी राह पर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। बांगलादेश में भुखमरी के हालात हैं। अफगानिस्तान खौफ के वातावरण में जी रहा है। सवाल यह उठता है कि इन देशों को भारत से अलग होने के बाद क्या मिला? कुछ नहीं।

वर्तमान में भारत में राष्ट्रीय एकता का भाव भी है तो भारत की संस्कृति का प्रवाह भी। भारतीय संस्कृति सबको जोड़? का प्रयास करती है, जबकि अन्य संस्कृति में विश्व बंधुत्व का भाव नहीं है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि भारतीय संस्कृति के माध्यम से पूरे विश्व को एक ऐसी दिशा का बोध कराया जा सकता है, जहां शांति भी है और प्रगति के रास्ते भी हैं। अब इस दिशा में और अधिक तेजी से कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए अब समय अनुकूल है। इसलिए सभी भारतीय नागरिक इस दिशा में आगे आकर उस प्रवाह में शामिल होने का प्रयास करें, जो भारत को अखंड बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अखंड भारत की संकल्पना जहां भारत को ठोस आधार प्रदान करने में सहायक होगा, वहीं यही आधार भारत को पुनः विश्व गुरू के सिंहासन पर आसीन करेगा, यह तय है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

क्या यही था शहीदों के सपनों का सशक्त भारत?

निमिषा सिंह

भारत लगभग 400 वर्षों तक विदेशियों का गुलाम रहा। यहां फ्रांसिसी आए, अपनी कालोनियां बसाई फिर पुर्तगाली आए। व्यापार करने के बहाने अंग्रेज भी भारत में दाखिल हुए। 1757 ई में प्लासी विजय के बाद अंग्रेजों का भारत पर पूरी तरह राजनीतिक अधिकार हो गया। तकरीबन दो सौ वर्षों के कठिन संघर्षों और असंख्य बलिदानों के बाद 15 अगस्त 1947 को हमारा देश स्वतंत्र हुआ। आजादी के लिए हमारे अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन का त्याग किया और इन्हीं लोगों के कारण हम आज स्वतंत्र देश में रहने का आनंद ले रहे हैं। क्या महिला, क्या पुरुष यहां तक कि छोटे छोटे बच्चे जाति धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर आजादी की लड़ाई में शामिल हुए। सबने सम्मालित रूप से स्वतंत्र भारत का एक महास्वप्न देखा था। उनके लिए आजादी का मतलब था कि भारत एक ऐसा देश होगा जहां सच्चे अर्थों में समानता की आजादी होगी। कोई किसी पर शासन नहीं करेगा। सभी के लिए निष्पक्ष और समान अवसर होंगे। हालांकि हमारे संविधान ने लोगों के इन सपनों को साकार करने और सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करने की नींव रखी बाबजूद इसके आजादी के 76 वर्ष बाद भी आज जब भारत में लोग गरीबी में मर रहे हों, जातिवाद और पितृसत्ता की बेड़ियाँ अभी भी हमारे समाज को गुलाम बनाए हुए हों, तब आजादी का जश्न अधूरा और निरर्थक लगता है। क्या यही वह सामूहिक सपना था जो हमारे पूर्वजों ने देखा था। मेरे दादाजी जिन्होंने स्वयं आजादी की लड़ाई में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की थी बताते थे कि आजादी की लड़ाई सभी के लिए समान समानता प्राप्त करने के लिए लड़ा गया था पर आज स्वतंत्र भारत की वास्तविकता तो कुछ और ही बयां कर रही है। आजादी प्राप्त करने के पीछे उद्देश्य था कि देश के संसाधनों पर सबों का समान हिस्सेदारी और अधिकार हो। दुर्भाग्य है कि आज भारत गरीबों का एक अमीर देश बन कर रह गया है। देश की संसाधनों पर मुट्ठी भर लोगों का अधिकार है। आर्थिक असमानता दिन-ब-दिन बढ़ती ही जा रही है। भारत के केवल 1% लोगों के पास कुल राष्ट्रीय संपत्ति का 59% हिस्सा है जबकि 70% लोगों के पास राष्ट्रीय संपत्ति का केवल 7% हिस्सा ही है। अमीर और अमीर होते जा रहे हैं और गरीब दो जुन की रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है और विषम परिस्थितियों में तो आत्महत्या तक करने को मजबूर हो रहा है। निश्चित तौर पर आजादी का जश्न मनाते हुए हमारा सिर फक्र से ऊंचा रहेगा लेकिन साथ ही हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि असंख्य बलिदानों के बाद मिली यह आजादी आजाद भारत के लोगों को समर्पित थी। आज फिर आवश्यक है कि प्रत्येक भारतवासी स्वाधीनता के भाव के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ी कर्तव्य की पुकार को भी सुनें। क्षेत्रीय घरौंदो से ऊपर उठकर स्वयं को केवल भारतीय होने की पहचान दें।

कभी कभी मै अपनी और मुझ जैसी अनगिनत बहनों की आजादी के विषय मे सोचती हूं तो एक सवाल अक्सर जहन में आता है कि एक महिला होने के नाते क्या मैं अपने स्वतंत्र देश मे न्यूनतम स्वतंत्र होने के भ्रम का आनंद नहीं ले सकती हूं? हालांकि कानूनी तौर पर में स्वतंत्र हूं। हमें बताया गया है कि हमारे संविधान ने गुलामी की प्रथा को समाप्त कर दिया है लेकिन क्या हम महिलाएं वास्तव में स्वतंत्र हैं? हमे वोट देने का अधिकार प्राप्त है। हम भी अपनी पसंद का काम करने के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन साथ ही हमे यह भी सिखाया जाता है कि पितृसत्ता की सीमाओं का उल्लंघन हमे कतई नहीं करना है अन्यथा समाज हमे एक ऐसे जीवन में जकड़ने के लिए मौजूद है जहां हमे अपने जीवन से संबंधित निर्णय लेने की कोई स्वतंत्रता नहीं होगी। एक महिला के जीवन की प्रत्येक पसंद पुरुषों द्वारा तय की जाती है - महिलाएं क्या पहनेंगी। वह घर से बाहर कब जाएंगी। वह किससे बात करेंगी। किससे प्यार करेंगी। एक आजाद देश में आखिर ऐसा क्यों? यदि हम महिलाएं पितृसत्ता और उसे गुलाम बनाने वाली सांस्कृतिक परंपराओं की बेड़ियों को तोड़कर रात में बाहर निकलती है तो सभी परिणामों के लिए हमे ही जिम्मेदार ठहराया जाता है। फिर भी हम कैसे मान लेते है कि महिलाएं संविधान द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता का आनंद ले रही हैं। लेकिन इस स्थिति के बावजूद हमारी आजादी के कुछ मायने हैं। यह मेरी स्वतंत्रता है जो सुनिश्चित करती है कि मैं यहां लिखने, अपनी राय और अपनी असहमति को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने में सक्षम हूं।

समाज में सभी वर्गों की समानता भी स्वतंत्रता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। मौजूदा भारत के लिए यह कभी सच न होने वाला सपना जैसा प्रतीत होता है।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में दिए गए अपने एक भाषण में महात्मा गांधी ने कहा था मैंने जिस लोकतंत्र की कल्पना की है उसकी स्थापना अहिंसा से होगी। उसमें सभी को समान स्वतंत्रता मिलेगी। हर व्यक्ति खुद का मालिक होगा। इस तरह के लोकतंत्र के संघर्ष के लिए मैं आपका आमंत्रित करता हूं। बापू के हरि का जन हरिजन या दलित आज भी इतने सालों बाद भी अपनी जाति के गुलामी के बेड़ियों से जकड़े हुए हैं। संवैधानिक तौर पर तो उन्हें समानता दे दी गई लेकिन सामाजिक तौर पर वे आज भी असमान हैं। उनकी पहचान एक इंसान की नहीं है बल्कि उनकी जाति उनकी प्राथमिक पहचान की भूमिका निभाती है। विभिन्न सामाजिक प्रतिबंधों के तहत उन्हें दूसरी जाति में प्यार करने और अपना जीवन साथी ढूंढने की आजादी नही। स्वतंत्र भारत के हमारे जाति-ग्रस्त समाज में दलित आज भी स्वतंत्र नहीं हैं। दलित या आदिवासी के लिए चीजें तब तक सामान्य प्रतीत होती हैं जब तक वह उच्च जाति के मानदंडों का पालन करता है। लेकिन अगर कभी वह यह सोचकर सामंती समाज के मानदंडों को चुनौती देते हैं कि वे स्वतंत्र भारत में रह रहे हैं तो उन्हें और उनकी आवाज को कुचलने का भरसक प्रयास किया जाता है। हो सकता है कि उन्हें रोहित वेमुला की तरह हिंसा की सजा दे दिया जाए या पीट-पीट कर मार डाला जाए.बिडम्बना यह है कि दलित असमंजस में हैं कि वे क्या करें? जाहिर है देशभक्ति का कोई एक पैमाना नहीं होता ' लोगों को अपने तरीके से देश के प्रति स्नेह प्रकट करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। लोकतंत्र में ना कोई राजा होता है ना कोई प्रजा बल्कि जनता द्वारा चुने हुए जनप्रतिनिधि होते हैं। विरोध करना और अपनी बात रखना लोकतंत्र में मौलिक अधिकार बनता है। बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि धरने प्रदर्शन का अंदाज ही किसी भी लोकतंत्र को जिंदा रखने में दवा का काम करती हैं।किसान आन्दोल हो या महिला पहलवानों का धरना। दोनो ही मामलों में कहा गया कि ये आन्दोलन नहीं है बल्कि सरकार को हटाने की देशविरोधी साजिश है। हालांकि उनकी अपनी कुछ मागे थी और जैसे ही सरकारी आश्वासन मिला धरना समाप्त भी हो गया। किसी को इस आधार पर देशद्रोही नहीं ठहराया जा सकता है क्योंकि उसके विचार सरकार की नीतियों के अनुरूप नहीं हैं। अगर लोकतान्त्रिक तरीके से चुनी गयी किसी सरकार से सवाल पूछना या उसकी नीति के विरुद्ध आन्दोलन करना देश विरोध है तो यकीन मानिए आजादी के 76 वर्ष बाद भी हम गुलाम ही है। यदि देश सकारात्मक आलोचना के लिए तैयार नहीं है तो आजादी से पहले और बाद के युग में क्या अंतर रह जाता है।

एक नजर

नहाने के दौरान नदी में डूबे दो युवक, एक का शव मिला, दूसरा लापता

लातेहार : जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत जीपुआ गांव में मंगलवार को नहाने के दौरान दो युवक नदी में डूब गए। इनमें एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा लापता है। मृतक युवक की पहचान जीपुआ गांव निवासी मोहम्मद शाहबाज (19)के रूप में हुई है। वहीं, लापता युवक मोहम्मद फरहान है। दोनों युवक चचेरे भाई थे। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को दोनों युवक दामोदर नदी में नहाने गए थे। इसी बीच एक युवक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए दूसरा युवक भी गया लेकिन नदी की तेजधार में वह भी बह गया। घटना की जानकारी जब स्थानीय ग्रामीणों को हुई तो बड़ी संख्या में ग्रामीण नदी के पास पहुंचकर युवकों की खोज भी आरंभ कर दिए। इनमें मोहम्मद शाहबाज का शव मिल गया जबकि मोहम्मद फरहान का कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस को भी सूचन दे दी गई है।

ट्रेलर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार की मौत

कोडरमा : कोडरमा थाना अंतर्गत लखीबागी स्थित प्रकाश होटल के समीप मंगलवार की सुबह ट्रेलर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अर्जुन राणा (38) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार अपनी मोटरसाइकिल से घर से तिलैया काम करने जा रहा था। प्रकाश होटल के समीप ट्रेलर की चपेट में आ जाने से बाइक सवार उक्त व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। इसकी सूचना कोडरमा पुलिस को मिलने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

भाजयुमो ने निकाली तिरंगा यात्रा, सांसद-विधायक हुए शामिल

पलामू : हर घर तिरंगा अभियान के तहत भारतीय जनता युवा मोर्चा पलामू जिला के नेतृत्व में मंगलवार को मेदिनीनगर में डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र का तिरंगा यात्रा सह बाइक जुलूस निकाला गया। यह जुलूस एरिगेशन मैदान रेड़मा काली मंदिर के सामने से शुरू होकर रेड़मा चौक, दो नंबर टाउन, बेलवटिकर, सुभाष चौक छ:मुहान, बस स्टैंड सुदना, बैरिया चौक, बीस फूटा, भारत माता चौक, भगत सिंह चौक होते हुए छ:मुहान पहुंच कर समाप्त हुआ। बाइक रैली में कार्यकर्ता भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे लगा रहे थे। मौके पर पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम, विधायक आलोक चौरसिया, भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम नारायण दुबे, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, जिला महामंत्री द्वय विजय ठाकुर, ज्योति पांडे, निवर्तमान महापौर अरुणा शंकर, निवर्तमान उपमहापौर मंगल सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष नरेंद्र पांडे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दुर्गा जौहरी, अविनाश वर्मा, प्रफुल सिंह, विभाकरा नारायण पांडे, भाजयुमो प्रमंडल प्रभारी दीपक सिंह, भाजयुमो जिला प्रभारी रघुवीर यादव, भाजयुमो जिला अध्यक्ष विपुल कुमार गुप्ता एवं वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्तागण उपस्थित थे। सांसद ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान से न केवल नई पीढ़ी बल्कि देश के सभी नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति गर्व और सम्मान बढ़ेगा। डालटनगंज विधायक आलोक चौरसिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया हर घर तिरंगा अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि देश के हर घर में तिरंगा झंडा प्रदर्शित हो। यह सिर्फ एक यात्रा नहीं है, बल्कि हमारे तिरंगे के प्रति अटूट प्रेम और सम्मान की एक जीवंत मिसाल है। हर घर में तिरंगा फहराने का यह अभियान हमारे देश की एकता और अखंडता को और मजबूत करेगा।

लोकसभा चुनाव में मृत कर्मियों के आश्रितों को उपायुक्त ने सौंपा 15 लाख का चेक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : लोकसभा आम निर्वाचन 2024 (पलामू संसदीय क्षेत्र) के निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन कार्य में लगे चार कर्मी की मौत पर भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार उनके आश्रितों को मंगलवार को 15-15 लाख रुपये की मुआवजा राशि प्रदान की गयी। उपायुक्त शशि रंजन ने समाहरणालय के सभाकक्ष में निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्ति के दौरान मृत कर्मियों के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान की राशि का चेक सौंपा। उपायुक्त ने स्तरोन्नत उच्च विद्यालय, कटैया हरिहरगंज में सहायक अध्यापक रहे स्व. अखिलेश पटेल की आश्रिता पत्नी सुनीता देवी, गृह रक्षक स्व. विधानचंद्र तिवारी की आश्रिता प्रभावती देवी व राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय हुसैनाबाद में तैनात रहे स्वर्गीय अवध किशोर राम की आश्रिता सोनी देवी को चेक सौंपा। जिला बल के आरक्षी नोः 154 रहे स्व. नित्यानंद महतो की आश्रिता पिंकी देवी अनुपस्थित रहीं। इन्हें बाद में चेक सौंपा जायेगा। सभी आश्रिता अपने परिवारजनों संग चेक प्राप्त करने पहुंचे थे।

नगर पंचायत क्षेत्र में समुचित स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की जाये : सुरेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

छत्तरपुर (पलामू) : करीब 1 साल पहले पूरे नगर पंचायत क्षेत्र, छतरपुर में स्ट्रीट लाइट लगाया गया लेकिन कुछ गली / मोहल्ले में नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारीयों के लापरवाही के कारण स्ट्रीट लाइट अभी तक नहीं लग पाया है। उदाहरण के तौर पर पुनर्वास में उमाशंकर सिंह के गली में करीब सात पोल पर स्ट्रीट लाइट नहीं लगा है। रात में अंधेरा छा जाता है। सांप/ बिच्छू काटने का डर बना रहता है। बच्चें शाम को घर के बाहर नहीं निकल सकते है। कई बार नगर पंचायत में शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। इससे यहां के जनता में रोष व्याप्त है। मदनपुर वार्ड नंबर 1 रविदास टोला के किसी भी पोल पर स्ट्रीट लाइट नहीं लगाया गया है और भी कई जगहों पर स्ट्रीट लाइट नहीं लगाया गया है। वहां भी लोगों को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण जनता ने इंजीनियर सुरेश कुमार अध्यक्ष उम्मीदवार नगर पंचायत छतरपुर को इस समस्या से अवगत कराया कुमार ने नगर पंचायत के अधिकारियों से बात की और उन सभी बिजली के खंभों पर, जिस पर स्ट्रीट लाइट नहीं लगाया गया है। उसपर स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए दबाव बनाया। ज्ञात हो की जब से छतरपुर, नगर पंचायत में तब्दील हुआ है, यहां के लोगों पर टैक्स का बोझ बढ़ता जा रहा है लेकिन सुविधा के नाम पर नगर पंचायत के माध्यम से कोई भी व्यवस्था नहीं दी जा रही है। नाली / गली के निर्माण में क्वालिटी का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। सार्वजनिक शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं की जा रही है। नगर पंचायत क्षेत्र में साफ सफाई का उचित प्रबंध नहीं किया जा रहा है।

अरुणा शंकर की अपील व्यवसायी अपने घर और प्रतिष्ठान पर लगायें तिरंगा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने आज अपने नेतृत्व में रेडमा ठाकुरबाडी से तिरंगा वितरण कार्यक्रम की शुरूआत की। इस दौरान शंकर ने पांकी रोड सुरेश सिंह चौक, बिजली ऑफिस तक सभी व्यवसायी बंधु को अपने अपने घर और व्यवसायीक प्रतिष्ठान में ससम्मान तिरंगा लगाने के लिए तिरंगा का वितरण किया। मौके पर प्रथम महापौर शंकर ने इस अभियान पर विस्तर से प्रकाश डाला। कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने हर जन के दिल में देश भक्ति की भावना विकसित करने के लिए घर-घर तिरंगा वितरण का आह्वान किया है। इस अभियान में शामिल होने से गर्व का भाव दिल में आ रहा है। पलामू क्रांतिकारियों की

धरती रही है। शहीद नीलांबर पिताबंर से लेकर यहां क्रांतिकारियों की लंबी श्रृखला रही है। प्रथम महापौर अरूणा शंकर ने आजादी के बाद भी आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए पलामू के वीर सपूत युगबंर दिक्षित, अनुराग शुक्ला ने अपनी जान की बाजी लगा दी। शहीदों के सपने के अनुरूप हमारा देश बने इसके लिए सक्रियता के साथ काम करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर काफी संख्या में शहर के गणमान्य लोगों कृष्ण अग्रवाल, विजय ओझा, दिलीप तिवारी, सुनील पांडे, रिंकू दुबे, सुबोध कुमार, छोटू सिन्हा, अभय कुमार, पुनीत सिंह, मनु तिवारी, अखिलेश तिवारी , लक्ष्मी जी, चंदू गुप्ता पूर्व वार्ड पार्षद मनोज प्रजापति राहुल चतुवेर्दी, संजय भगत नीरज सिन्हा एवं काफी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर सभी तैयारी पूर्ण पुलिस लाइन स्टेडियम में होगा समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : स्वतंत्रता दिवस के अवसर 15 अगस्त 2024 को पलामू जिला मुख्यालय के पुलिस लाइन स्टेडियम में मुख्य समारोह का आयोजन किया जायेगा। यहां प्रातः 9:05 बजे मुख्य झंडोत्तोलन किया जायेगा। समारोह की तैयारी पूरी कर ली गयी है। समारोह को लेकर जवानों ने परेड का पूर्वाभ्यास किया जो मंगलवार को संपन्न हो गया। परेड पूर्वाभ्यास के अंतिम दिन स्थानीय पुलिस लाइन स्टेडियम में उपायुक्त शशि रंजन एवं पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने संयुक्त रूप से परेड पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया। उपायुक्त शशि रंजन ने झंडोत्तोलन किया और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। इस दौरान

डीसी व एसपी ने मुख्य समारोह के कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए परेड से संबंधित कई दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने मुख्य समारोह के दिन समय पर उपस्थित होने और एहतियात बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने पलामूवासियों को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए हर-घर तिरंगा अभियान में अपनी सहभागिता निभाने की अपील की। मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम कुमार व नजारत उप समाहर्ता विक्रम आनंद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

विधायक की पहल पर किता नहर की मरम्मती शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : विधायक सुदेश कुमार महतो के पहल पर किता नहर का मरम्मत का कार्य जल संसाधन विभाग द्वारा मंगलवार को शुरू करायी गयी है। मरम्मती कार्य विभाग के कनिया अभियंता नितेश सिंह, पुर्व मुखिया जगदीश चन्द्र महतो, मंटु महतो आदि के देख रेख में किया जा रहा है। ज्ञात हो कि कइ जगहों पर नहर टुटने के कारण पानी बंद हो जाने से आस पास के कइ गांव सिंचाई से वंचित हो गए थे। लोग पानी के अभाव में अभी तक धान रोपाई नहीं कर पाए हैं। ग्रामीणों द्वारा जानकारी होने के बाद विधायक ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से बात कर नहर मरम्मत का कार्य शुरू कराया। इसको लेकर बिते सोमवार को विधायक प्रतिनिधि जयपाल सिंह विभाग के अधिकारियों के साथ पहुंचकर स्थिति का जायजा लेते हुए ग्रामीणों से भी बातें की थी। उन्होंने कहा कि मेंटेनेंस के अभाव में किसानों को नहर का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा। जहां-तहां नहर टूटी हुई है, जिसकी मरम्मत कर तत्काल किसानों को पानी पहुंचाने के लिए नहर मरम्मती कार्य आज से की जा रही है ताकि आसपास के गांव के लोग सिंचाई कर सकें।

बिट्टू पाठक ने झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद एवं अध्यक्ष राजेश ठाकुर से मुलाकात कर दी संगठन की जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव झारखंड के प्रभारी आदरणीय गुलाम अहमद मीर साहब एवं प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय राजेश ठाकुर जी से पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने मुलाकात करके पलामू में संगठन के बारे में पूरे जानकारी दिया। साथ में प्रदेश सचिव रामाशीष पांडे लक्ष्मी नारायण तिवारी गिरजा राम अजय साहू प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष संगठन के कार्यों से काफी संतुष्ट नजर आए। जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कार्यकताओं की भावनाओं से

प्रभारी को अवगत कराया और कहा कि इस बार जीतने वाले उम्मीदवार ही को चुनाव मैदान में उतारने का कृपा करें और नए चेहरे को भी मौका देने का काम करें। इस बार पलामू के मतदाता एक दो विधानसभा में नए चेहरे चाहते हैं आगे जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि जो भी निर्देश प्रदेश नेतृत्व का आएगी। कांग्रेस पार्टी का हर कार्यकर्ता उसको निभाने के लिए दिन-रात मेहनत करने के लिए तैयार है इस बार पलामू जिला के पांच विधानसभा में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार की शानदार जीत होने जा रही है आप देख सकते हैं । पूरे प्रदेश में गठबंधन की सरकार 5 वर्षों में हर वर्ग का ख्याल रखा है चाहे किसने की बात हो चाहे बेरोजगारों की बात हो चाहे महिलाओं की बात हो हर वर्ग झारखंड सरकार से संतुष्ट नजर आ रहा है। इसी को देखकर हम निश्चित रूप से कह सकते हैं की झारखंड में फिर इंडिया गठबंधन की सरकार बनने वाली है।

संक्षिप्त खबरें

शशि भूषण मेहता ने बाबा धाम जाने वाले कांवरियों को ध्वज दिखाकर किया रवाना

सतबरवा (पलामू) : प्रखंड सतबरवा ग्राम लोहार पोखरी शिव मंदिर प्रांगण में बोल बम कांवरिया संघ के नेतृत्व करता संतोष साहू उर्फ गुड्डू जी के द्वारा सम्मानित कार्यक्रम आयोजित की गई। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक डॉक्टर कुशवाहा शशि भूषण मेहता के निदेर्शानुसार सभी बाबा धाम जाने वाले कांवरिया बोल बममाताएं बहने एवं भाइयों को सम्मान पूर्वक अंगवस्त्र से सम्मानित कर एवं फल प्रधान कर कर सभी कांवरिया बोल बम माताएं बहने एवं भाइयों को मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामना एवं बधाई के साथ बोल बम ध्वज ध्वज दिखाकर वाहन को रवाना किया गया। जिसमें भाग लिए जिला परिषद सदस्य सुधा कुमारी मुखिया रिंकी यादव विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह चेरो विधायक प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा अजय उरांव महेश कुमार यादव उप मुखिया मुधीर साव प्रेम पाठक सत्य प्रकाश साव जी विनोद साव सुधीर कुमार साहू आदि के उपस्थितिमें सम्मानित कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अवैध कोयला लदे पांच ट्रक जब्त, खान निरीक्षक ने की कार्रवाई

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू जिले में अवैध खनन,परिवहन व भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को पड़वा मोड़ इलाके में खान निरीक्षक हरेंद्र गुप्ता व शुभम कुमार ने कार्रवाई करते हुए कोयला लदे पांच ट्रक को जब्त कर पड़वा थाना को सुपुर्द किया है। यह सभी ट्रक द्वारा जिस चालान के आधार पर कोयला का परिवहन किया जा रहा था वो संदिग्ध पाया गया है ।सभी चालान को वेरीफाई करने की कार्रवाई जारी है, चालान का जांच के पश्चात नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर बीडीओ ने की बैठक

सिल्ली : बीडीओ रेणु बाला ने अपने कार्यालय कक्ष में मंगलवार को आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर प्रखंड के विभिन्न संगठनों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाने एवं प्रखंड मुख्यालय समेत अन्य सरकारी संस्थानों में ध्वजारोहण कार्यक्रम का समय निर्धारित किया गया। समय सारिणी के अनुसार प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में पूर्वाह्न 8.05 बजे, एसएस उच्च विद्यालय में 8.20, प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय में 8.30, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 8.40 को, सिल्ली थाना 8.50, ग्राम विकास उच्च विद्यालय 9.10, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय 9.25, कस्तूरबा गांधी खादी ग्रामोद्योग बड़ा मुरी 10.15, मुरी ओपी 10.25, जीआरपी मुरी10.40, आरपीएफ मुरी 10.50 एवं मुरी टुंगरी मे 11 बजे में ध्वजारोहण किया जाएगा। इस मौके पर सिल्ली थाना प्रभारी मोहित कुमार, बीईईओ बिमल कांत झा, कस्तूरबा विद्यालय के चंद्रिका कुमारी, आलमा मेरी रुंडा, प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या संगीता कुमारी समेत प्रखंड एवं अंचल के पदाधिकारी उपस्थित थे।

एमके डीएवी में हिंदी शिक्षक को दी गई भावभीनी विदाई

मेदिनीनगर (पलामू) : एम.के.डी.ए.वी.पब्लिक स्कूल डालटेनगंज में हिंदी शिक्षक मनोज कुमार दुबे को अवकाश प्राप्त होने पर भावपूर्ण विदाई दी गई । मनोज कुमार दुबे 31 जुलाई 2024 को अपनी सेवा पूर्ण कर अवकाश प्राप्त कर लिए थे । आज विद्यालय की प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में उन्हें औपचारिक रूप से विदाई दी गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सह डी.ए.वी.पब्लिक स्कूल्स झारखंड क्षेत्र आई के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी डॉक्टर जी.एन खान ने बताया कि दुबे जी ने इस विद्यालय में 17 जुलाई 1995 को योगदान दिया था और 31 जुलाई 2024 को 29 वर्षो की महत्वपूर्ण सेवा देकर अवकाश प्राप्त किया। दुबे जी नियमित एवं उच्च कोटि के हिंदी शिक्षक थें। उन्होंने अपने शिक्षण काल में कभी भी, किसी भी तरह की त्रुटि नहीं की। वे बच्चों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय रहे। डॉक्टर खान ने दुबे जी की आवाज की प्रशंसा करते हुए उन्हें उच्च कोटि का उद्घोषक बताया तथा उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की शुभकामना दी। उन्होंने वरिष्ठ शिक्षकों की उपस्थिति में मनोज कुमार दुबे को शॉल एवं उपहार देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर बच्चों को संबोधित करते हुए मनोज कुमार दुबे ने कहा कि मैंने इस विद्यालय में 29 वर्ष सेवा देकर जो प्रतिष्ठा प्राप्त किया है वही मेरी असली पूंजी है। बच्चों का सम्मान प्रदर्शन मुझे आगे के जीवन में संबल प्रदान करेगा। दुबे जी ने बच्चों को मैं तेरे दर से चला जाऊंगाह कविता सुनकर भाव विभोर कर दिया । दुबे जी के सम्मान में विद्यालय की दसवीं कक्षा की छात्रा कनिष्का राज सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए एवं मनोज कुमार दुबे जी को अपना प्रिय शिक्षक बताया। इस अवसर पर शिक्षक आलोक कुमार, चंद्रशेखर पांडे, नीरज कुमार श्रीवास्तव, अंबरीश कुमार पांडे, विक्रम रॉय, अनंत पाठक, प्रियंवदा मिश्रा, अनु चक्रवर्ती उपस्थित थीं।

एक नजर

पीएम जनमन योजना से संबंधित बैठक का हुआ आयोजन

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती ने कार्यालय प्रकोष्ठ में पीएम जनमन योजना के तहत आदिम जनजाति आबादी वाले गांव में बुनियादी सुविधाओं की बहाली सुनिश्चित करने को लेकर बैठक की गई। बैठक में उपायुक्त पेयजल स्वच्छता विभाग को पीभीटीजी गांव में घर-घर, नल-जल पहुंचाने की योजना को जमीनी सच्चाई की विषय में जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डाकिया योजना के तहत पीभीटीजी परिवारों को राशन मुहैया कराने का निर्देश दिये। इसी कड़ी में उपायुक्त ने जनजाति आबादी वाले गांवो में सड़क, मोबाईल नेटवर्क के साथ-साथ सरकार की तमाम कल्याणकारी योजना-स्कीम को प्राथमिकता-पारदर्शिता के साथ ससमय उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि वह पीएम जनमन की तहत सभी को प्रधानमंत्री आवास का लाभ देना सुनिश्चित करेंगे।उपायुक्त ने वनधन विकास केंद्र की जानकारी ली एवं निर्देशित करते हुए कहा कि और अधिक वनधन विकास केंद्र इस्टैबलिश्ड किया जाए। बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद आनंद, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सलखू हेंब्रम, बाल विकास पदाधिकारी पूनम कुमारी, विभिन्न प्रखण्डों के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी वीडियोकॉन के माध्यम से जुड़े एवं अन्य मौजूद रहे।

बोरियो अनाज गोदाम में गबन, दर्ज होगा मुकदमा

साहिबगंज : जिला के बोरियो प्रखंड अंचल में स्थित अनाज गोदाम में अनाजों के गबन की बड़ी गड़बड़ी हुई है। मामला अनाज गोदाम के पुराने एजीएम मुकेश मंडल के कार्यकाल का है। सूत्रों के अनुसार लगभग 70 लाख रूपए के अनाजों का गड़बड़ी किया गया था, जिसे इस बार पदभार ग्रहण करने वाले नए एजीएम ने ओपनिंग स्टॉक मिलाने के दौरान किया है। बीडीओ सह एमओ नागेश्वर साव के सूचना के बाद बोरियो पुलिस के साथ अनाज गोदाम की जांच पड़ताल मगंलवार के दिन की गई। उसके बाद थाना प्रभारी पंकज वर्मा के द्वारा मुकदमा दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

कृषि तकनीकी सूचना केंद्र उधवा में इनवर्टर की चोरी

साहिबगंज : जिला के उधवा प्रखंड स्थित कृषि तकनीकी सूचना केंद्र में बीते सोमवार रात्रि इनवर्टर तथा बैटरी चोरी हो गई। कृषि संसाधन केंद्र के पदस्थापित एटीएम धर्मराज मंडल में बताया कि रोज की तरह मंगलवार को सुबह दस बजे ऑफिस खोला तो अंदर देखा कि इनवर्टर तथा बैटरी गायब मिला और अन्य जमा फार्म वगैरह तीतर - बितर मिला और करीब बीस हजार रुपए की समान चोरी आंका गया है। समाचार लिखे जाने तक एटीएम धर्मराज द्वारा राधानगर थाना को आवेदन देने की प्रक्रिया चल रही है।

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व रिहर्सल का उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : स्वतंत्रता दिवस की सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं,मुख्य समारोह स्थल सिद्धों कान्हू स्टेडियम में भव्य पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही आज जवानों, एनसीसी के छात्र, विभिन्न विद्यालय के छात्र - छात्राओं और पुलिस पदाधिकारियों ने फुल ड्रेस रिहर्सल परेड किया। जिसका निरीक्षण उपायुक्त हेमंत सती एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने संयुक्त रूप से किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले परेड के अंतिम पूर्वाभ्यास का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने तिरंगे को सलामी दी। इस क्रम में 09 टुकड़ियों ने परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास किया इस दौरान सार्जेंट मेजर और सार्जेंट द्वारा पूर्वाभ्यास करने वाले जवानों और पुलिस पदाधिकारियों का नेतृत्व किया। उपायुक्त ने सभी जवानों और पुलिस पदाधिकारियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए परेड को लेकर आवश्यक निर्देश दिये। परेड के पूर्वाभ्यास से पहले उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सिद्धों कान्हो कि प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उपायुक्त ने ध्वजारोहण का पूर्वाभ्यास किया एवं जवानों की 11 टुकड़ियों द्वारा किये गए परेड कि सलामी ली। मौके पर स्कूली छात्राओं की ओर से राष्ट्रगान का पूर्वाभ्यास किया गया। ज्ञात हो कि स्वतंत्रता दिवस पर झंडोत्तोलन और परेड के बाद जिला प्रशासन की ओर से अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा। वहीं उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने सभी व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए। मुख्य समारोह स्थल पर अतिथियों और लोगों की बैठने की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया और संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

ध्वजारोहण हेतु समय सारणी

मुख्य आयोजन स्थल सिद्धो- कान्हो स्टेडियम में पूर्वाह्न 9:30 पर झंडोतोलन किया जाएगा। जबकि समाहरणालय साहिबगंज में 10:35 बजे। विकास भवन साहिबगंज में 10:50। जैप- 9 साहिबगंज में 11:05 बजे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 11:30 एवं अनुमंडल कार्यालय साहिबगंज में 11:55 बजे ध्वजारोहण जाएगा। जबकि कार्यालय एवं विद्यालयों में ध्वजारोहण समारोह मुख्य झंडोतोलन के पूर्व किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन भी निर्धारित है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन 14 अगस्त संध्या 6:00 से सिद्धू -कान्हू सभागार साहिबगंज में किया जाना है। मुख्य आयोजन स्थल पर परेड के पूर्वाभ्यास के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के अलावे अपर समाहर्ता राज महेश्वरम, जिले के वरीय पदाधिकारी गण एवं अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त ने जनता दरबार लगा कर आम लोगों की सुनी समस्याएं

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। इसके साथ ही उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न प्रखंडों से शिकायत के रूप में कुल 16 आवेदन आए, जो कि जिले के विभिन्न विभागों एवं गैर विभाग से संबंधित थे।जनता दरबार में सभी शिकायतकताओं की समस्याओं को सुनने के बाद उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें,ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके।

कुकडु अंचल को मिला नया अंचल अधिकारी, क्षेत्र के लोगों में जगी उम्मीद

कुकडू : सरायकेला खरसावां जिला के अंतिम अंचल कुकडु में पिछले कई महीने से अंचल अधिकारी व बीडीओ नही थे। वही ईचागढ़ के सीओ व बीडीओ के द्वारा प्रभार रूप से कुकडु प्रखंड व अंचल चल रहा था। वही आज कुकडु अंचल अधिकारी के रूप में सत्येंद्र पासवान से पदभार संभाला। नव पदस्थापित सीओ को प्रभारी सीओ दीपक प्रसाद ने पदभार सौपा। नए पदस्थापित सीओ सत्येंद्र पासवान ने कहा कि क्षेत्र में आम लोगो के सारी समस्याओं को ससमय निष्पादित किया जाएगा। वही झामुमो के कुकडु प्रखंड अध्यक्ष इंद्रजीत महतो ने पुराने सीओ दीपक प्रसाद को अंग वस्त्र एवं नव पदस्थापित सीओ सत्येंद्र पासवान को भी अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

बाजार तक घुस आया हाथी, समाजसेवी सुखराम हेम्ब्रम ने बांटे टॉर्च व पटाखे

चांडिल : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में जंगली हाथियों का प्रकोप दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। क्षेत्र के लोग डरे सहमे हुए हैं। आए दिन हाथियों द्वारा ग्रामीणों के घर, चाहरदीवारी को तोड़ा जा रहा है। लोगों के बीच फिलहाल हाथी बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों तथा वन विभाग द्वारा वैसी ठोस उपाय नहीं किया जा रहा है, जिससे हाथी की समस्या से ग्रामीणों को राहत मिल पाए।
हाल ही में एक विशालकाय हाथी चांडिल बाजार तक आ पहुंचा था। रविवार रात को एक हाथी चांडिल बाजार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आदि स्थानों पर भ्रमण किया। बीते कुछ दिनों से हाथी चांडिल बाजार के इर्द गिर्द घूमती नजर आ रही हैं। कल रात को उक्त हाथी ने सिंहभूम कॉलेज के आदिवासी छात्रावास के पीछे की चहारदीवारी को तोड़ दिया है। छात्रावास में रहने वाले छात्र भी डरे सहमे हुए हैं।
इधर,चांडिल बाजार के आसपास के ग्रामीण हाथी के आतंक से डरे हुए हैं और अपने जान माल की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। आज बातकमकोचा के कुछ ग्रामीणों ने समाजसेवी सुखराम हेम्ब्रम से मुलाकात की और हाथियों के उत्पात पर चिंता व्यक्त की। समाजसेवी सुखराम हेम्ब्रम ने ग्रामीणों को हर संभव सहायता प्रदान करने का वादा किया। वहीं, सुखराम हेम्ब्रम ने ग्रामीणों को हाथी भगाने के लिए टॉर्च लाइट तथा पटाखे उपलब्ध कराया। सुखराम हेम्ब्रम ने कहा कि हाथियों के उत्पात से क्षेत्र के ग्रामीण चिंतित एवं भयवित हैं। यह बड़ी समस्या बनकर हमारे सामने आई हैं, जिसका अविलंब समाधान करने की दिशा में सभी को काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हाथियों के हमले से कई लोग मारे गए हैं और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं लेकिन यहां के जनप्रतिनिधि तथा वन विभाग मौन है। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

प्रखंड स्तरीय कार्यशाला में सहियाओं को मिला प्रशिक्षण

पटमदा : पटमदा प्रखंड के जिला परिषद भवन मे कुष्ठ मरीज के पहचान हेतु सहिया एवं पुरुष कार्यकर्ता को ट्रैनिंग दिया गया तथा ऑगस्त माह मे होने वाले पल्स पोलियो कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वैक्सीनेटर ट्रैनिंग दिया गया। उक्त बैठक मे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पटमदा के कार्यकर्ता अमरेश अनिर (एनएमए) जन्मेंजय महतो, भाष्कर महाली, सरोज मंडल एवं श्यामल गोप आदि उपस्थित थे।

सावन माह के प्रथम दिन से अनवरत जारी है सेवा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : विश्व सनातन वैदिक संघ व सलूजा गोल्ड के संयुक्त तत्वावधान में खजुरिया गेट स्थित कावरिया पथ पर लगे निःशुल्क सेवा शिविर में सावन माह के प्रथम दिनों से सेवा अनवरत जारी है। इस सेवा शिविर के माध्यम से प्रत्येक दिन हजारों लोगों को सेवा की जा रही है। मंगलवार को सलूजा गोल्ड के जीएम उपेन्द्र कुमार सिन्हा भागलपुर से आकर शिविर में सेवा दिए। उपेन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा कि शिविर में सेवा देकर मुझे सुखद अनुभूति हुई यह मेरे लिए परम सौभाग्य रहा की मुझे सेवा शिविर में आकर कावरियों का सेवा करने का अवसर मिला मैं यहां की व्यवस्था देखकर अति प्रसन्न हूँ। सलूजा गोल्ड के जीएम उपेंद्र कुमार सिन्हा को विश्व सनातन वैदिक संघ के संस्थापक रोशन मिश्रा ने अंगवस्त्र एवं लक्ष्मीकांत मालवीय ने स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। उपेंद्र ने अपने हाथों कावरियों के बीच लड्डू, साबूदाना एवं फल वितरण किए। इस मौके पर विश्व सनातन वैदिक संघ के संस्थापक, सचिव लक्ष्मीकांत मालवीय, प्रचारक चन्दनानन्द जी महाराज, दिलखुश कुमार, राजीव रंजन राय इत्यादि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सिविल सर्जन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोरियों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मंगलवार को सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ प्रवीण कुमार संथालिया के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियों का औचक निरक्षण किया गया। निरक्षण उपरांत सिविल सर्जन का चिकित्सा पदाधिकारीयों के द्वारा बुके देकर स्वागत किया गया। निरक्षण के दौरान सिविल सर्जन के द्वारा ओपीडी, आईपीडी, प्रसव कक्ष, दवा वितरण कक्ष, उपस्थिति पंजी, पेशेंट वार्ड एवं अस्पताल में साफ-सफाई आदि को देखे। निरक्षण के दौरान सिविल सर्जन के द्वारा पेशेंट वार्ड में बेडशीट बिछाया हुआ नहीं देखने एवं कुछ स्वास्थ्य कर्मी एवं कर्मचारी बिना सुचना के अनुपस्थित पाए गए जिसे देख सिविल सर्जन काफी रोष प्रकट किए और सभी अनुपस्थित कमीयों को स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिए की किन परिस्थितियों में आपलोग अनुपस्थित थे। सिविल सर्जन के द्वारा उपस्थित चिकित्सा पदाधिकारी एवं पारा मेडिकल कर्मियों को सख्त निर्देश देते हुए समय पर ड्यूटी आकर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने को कहा गया। वहीं मौके पर चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुदामा कुमार साह, डॉ विवेक भारती, डॉ पंकज कुमार गुप्ता, डॉ विनोद कुमार, मो तौसीफ अहमद डीडीएम, बिष्णु कुमार भगत बीपीएम, मनोहर पंडित एमटीएस, मिठू कुमार एलटी, सुमन भारती, मनीष कुमार प्रदीप कुमार फार्मासिस्ट, सलिता कुमारी रजक एएनएम आदि सभी स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

छात्र संगठन एआइडीएसओ की सिंहभूम कॉलेज कमेटी का हुआ पुनर्गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : छात्र संगठन ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स आगेर्नाइजेशन चांडिल यूनिट की और से पंचायत भवन हॉल में उलगुलान के महानायक शहीद बिरसा मुंडा के 125 वीं शहादत वार्षिकी व 150 वीं जन्म वार्षिकी के अवसर पर उनके जीवन संघर्ष तथा विभिन्न शैक्षणिक समस्याएं खासकर सिंहभूम कॉलेज चांडिल की समस्याओं को लेकर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया व साथ ही AIDSO सिंहभूम कॉलेज कमिटी का पुनर्गठन किया गया। कार्यक्रम का संचालन AIDSO जिला कार्यालय सचिव सह सिंहभूम कॉलेज कमिटी प्रभारी युधिष्ठिर प्रमाणिक ने किया। मौके पर उपस्थित अक्छरड जिला सचिव प्रभात कुमार महतो ने उलगुलान के महानायक बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष और वर्तमान समय में बिरसा मुंडा के विचारों की प्रासंगिकता को विस्तार पूर्वक चर्चा किये. कार्यक्रम में उपस्थित जिला अध्यक्ष विशेश्वर महतो ने कहा कि वर्तमान समय में सरकारी स्कूल कॉलेजों में शिक्षकों की घोर कमी है। बिना वैकल्पिक व्यवस्था के कॉलेजों से इंटरमीडिएट की पढाई को हटाई जा रही है। चांडिल अनुमंडल के एकमात्र डिग्री कॉलेज मे हजारों छात्र पढाई करते है। 16 विषयों मे स्नातक व तीन विषयों मे स्नातकोत्तर की पढाई होती है, लेकिन शिक्षक सिर्फ 10 है. नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू करके निजीकरण - व्यापारीकरण को ही बढ़ावा दिया जा रहा है। इसीलिए इस शिक्षा व्यवस्था को बचाने के लिए आज फिर से एक छात्र आंदोलन निर्माण की जरूरत है।

सीएम के फुफुरे भाई कपूर बागी का हालचाल जानने पहंचीं विधायक सबिता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के फुफेरे भाई और पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के भांजा सामाजिक कार्यकर्ता कपूर टुडू उर्फ कपूर बागी की कुछ दिन पहले तबीयत बिगड़ने से जमशेदपुर के टीएमएच अस्पताल में इलाज चल रहा था। दो दिन पहले स्वास्थ में सुधार होने से अस्पताल से छुट्टी मिलने से बर्तमान अपने निवास चाकूलिया में है। सूचना पर झामुमो के ईचागढ़ विधायक सविता महतो उनके आवास चाकूलिया के कन्यादुवा पहुंच कर काफी समय उनके परिवार से मिलकर बतचीत किया और कपूर बाघी की बर्तमान स्वास्थ्य की जानकारी ली। उनकी जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। इस दौरान केंद्रीय सदस्य काबलू महतो,चांडिल मध्य के जिला पूर्व जिला पार्षद ओम प्रकाश लायेक, झामुमो के चांडिल प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण किशोर महतो मौजूद थे। बतादे की कपूर बाघी लंबे समय से रक्तचाप की बीमारी से ग्रसित हैं। चिकित्सकों ने बताया कि रक्तचाप बढ़ने के कारण उनके किडनी में अशर पड़ा है। जिसके कारण उन्हें एक वार ब्रह्मानंद अस्पताल में डायलिसिस भी किया गया है।

किडनी की बीमारी से दो भाई की हो चुकी है मौत

विदित हो कि कपूर बागी के छोटे भाई अनुप टुडू का 24 जून की रात इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी थी।

बीडीओ को आजसू पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सौंपा मांग पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : आजसू पार्टी के ईचागढ़ प्रखंड अध्यक्ष गोपेश कुमार महतो के नेतृत्व में मंगलवार को कार्यकताओं ने प्रखंड विकास पदाधिकारी कीकू महतो को मांगपत्र सौंपा। 10 सूत्री मांगों के समर्थन में सौंपे गए मांगपत्र में उल्लेख समस्याओं के जल्द निराकरण करने की मांग की गई हैं। आजसू कार्यकताओं ने अपने मांगपत्र में कहा है कि ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के जनता के सुझावों तथा जनसाधारण के पक्ष में ध्यानाकर्षण कराते हुए समस्याओं के निराकरण मांग करते हैं। मांगपत्र के माध्यम से ईचागढ़ प्रखंड को सूखाग्रस्त घोषित करने तथा तथा किसानों को सूखा राहत मुआवजा राशि भुगतान करने, छात्र - छात्राओं की समस्याओं को देखते हुए आय, आवासीय, जाति प्रमाण पत्र 24 घंटे के भीतर निर्गत करने, किसानों को मुफ्त बीज एवं खाद मुहैया कराने की मांग है। इसके अलावा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समेत सभी स्वास्थ्य उपकेंद्र में पर्याप्त डॉक्टर एवं कर्मचारियों और सभी प्रकार के दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, इस वर्ष विलंब से तथा अल्प बारिश के कारण मत्स्य पालन करने वाले किसानों को काफी नुकसान पहुंचा है, इसलिए मत्स्य पालन करने वाले कृषकों को आर्थिक सहायता प्रदान करने, प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत जिन सड़क का निर्माण तथा मरम्मत कार्य चल रहा है, उनमें जगह - जगह मिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है, जिसके कारण ग्रामीणों को आवाजाही में काफी परेशानी हो रही हैं। उस मिट्टी को तत्काल हटाकर निर्माण/मरम्मत कार्य को पूरा किया करने की मांग रखी है। साथ ही जब तक सुवर्णरेखा परियोजना द्वारा संपूर्ण मुआवजा राशि भुगतान नहीं हो जाता है तब तक चांडिल डैम का जलस्तर 179 मीटर पर स्थिर रखने की मांग है, क्योंकि इससे ज्यादा जलभण्डार करने से ईचागढ़ प्रखंड के अनेकों गांव डूब जाते हैं, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी होती हैं। आजसू ने प्रखंड क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के साथ जोड़कर स्वरोजगार प्रदान करने में जोर देने की मांग रखी है। इसके साथ साथ जर्जर टीकर पुल की मरम्मत करने तथा कांची वीयर योजना के तहत आदारडीह शाखा कैनाल में पानी छोड़ने की मांग रखा है। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष गोपेश कुमार महतो ने कहा कि पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो के निर्देश पर ईचागढ़ बीडीओ को 10 सूत्री मांगपत्र सौंपा गया। आजसू पार्टी ही एकमात्र संगठन है जो क्षेत्र के जनसमस्याओं के लिए हमेशा आंदोलन किया है और उसे अधिकारियों तक पहुंचाने का काम किया है। जनता के हर समस्या के निराकरण के लिए आजसू पार्टी का एक एक कार्यकर्ता तत्परता से काम कर रहा है। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष जितुराम महतो, सरत महतो, तुलसी महतो, भगत सिंह मुंडा, विजय दास, बीरबल गोप, साब्बीर अंसारी, निर्मल महतो, रवीन्द्र नाथ महतो, वासुदेव दास आदि उपस्थित थे ।

गैंगरेप,7 को FIR, अल्ट्रासाउंड में लगे 4 दिन

दरभंगा में भाई बोला-प्राइवेट पार्ट में थी सूजन

दरभंगा। में एक नाबालिग (13) के साथ गैंगरेप हुआ। पीड़ित परिवार ने पहले गांव के कुछ जिम्मेदार लोगों को घटना की सूचना दी। फिर पंचायत बुलाई गई, जिसमें गैंगरेप पीड़िता की इज्जत की बोली लगा दी गई। परिजनों ने पंचायत के फैसले को नहीं माना और आरोपियों के खिलाफ 7 अगस्त को बड़गांव थाने में ऋक्षफ दर्ज करवाई। पुलिस ने अगले दिन यानी 8 अगस्त को पीड़िता और उसकी मां को थाने बुलाया। मेडिकल टेस्ट, अल्ट्रासाउंड करवाने में चार दिन लगा दिए। कोर्ट में 164 के बयान दर्ज करवाने और आरोपियों की गिरफ्तारी के बदले पीड़िता को जमालपुर थाने की

बैरक भेज दिया। हालांकि, 9 अगस्त को सिर्फ मेडिकल टेस्ट करवाया गया। सोमवार (12 अगस्त) को अल्ट्रासाउंड और 164 का बयान दर्ज करवाया गया।रविवार को दैनिक भास्कर की टीम पीड़ित लड़की के गांव पहुंची। यहां पीड़िता के भाई से मुलाकात हुई। उन्होंने बताया कि 'पीड़िता और उसकी मां जमालपुर थाने की बैरक में हैं'। बहन जब घर आई थी तो उसके प्राइवेट पार्ट में सूजन था। पीड़िता के चचेरे भाई ने बताया कि '3 अगस्त की शाम नाबालिग घास काटकर लौट रही थी। घर से करीब 100 मीटर दूर आरोपी नदीम समेत चार युवक अकेली लड़की के पास पहुंचे और उसके मुंह पर गमछा बांध दिया। इसके बाद उसे पास के बगीचे में ले गए। यहां कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश किया। इसके बाद उसके साथ गैंगरेप किया।' सड़क किनारे छोड़कर आरोपी हो गए फरार आरोपियों ने घटना को अंजाम देने के बाद पीड़िता को बाइक से सड़क किनारे लाकर छोड़ दिया। नाबालिग को होश आया तो वह बदहवास हालत में घर आ रही थी। स्थानीय लोगों ने देखा तो उसे सहारा देकर घर पहुंचाया। 4 अगस्त को घटना की सूचना पंचायत को दी गई। पंचायत ने थाना जाने से रोक दिया और कहा- हम न्याय करेंगे। उन्होंने आरोपियों पर कार्रवाई की जगह 2000 रुपए लेकर मामला रफा-दफा करने की बात कहीं। 4 आरोपियों के खिलाफ थाने में की शिकायत चचेरे भाई ने बताया कि '7 अगस्त को बड़गांव थाने में 4 आरोपियों के खिलाफ शिकायत की। 8 अगस्त को ग्रामीण एसपी काम्या मिश्रा और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल की। इस मामले में कांड संख्या 46/24 दर्ज किया गया।'पीड़िता के चचेरे भाई ने बताया कि 'बहन बेहोशी की हालत में दो दिन रही। उसके गले पर खरोंच के निशान थे। कंधे पर भी चोट है। सरकारी अस्पताल में जब हम लोग चेक करवाने गए तो वहां की नर्स ने बताया कि लड़की के प्राइवेट पार्ट में सूजन है। शिकायत देरी से करने के सवाल पर उन्होंने बताया कि घटना के बाद हम लोग समाज के जिम्मेदार लोगों के पास गए। पंचायत के लोग बोले- लड़का दोषी नहीं है।

अगर आप लोग दोषी मानते हैं तो दंड में पैसा लेकर मामला खत्म कीजिए।

पटना की बेटी इशित यामिनी मॉडलिंग से फिल्म में पहुंची

पटना। में जन्मी और पली-बढ़ी इशित यामिनी मॉडलिंग के बाद अब फिल्मी दुनिया में पहला कदम रखा है। उन्होंने साउथ इंडियन वेब सीरीज में लीड रोल किया है। आजादी की यादगार तारीख 15 अगस्त को मलयालम सीरीज मनोरथंगलओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है। जिसमें कुल 9 कहानियां हैं

सीरीज में कमल हसन, मैमूती जैसे दिग्गज कलाकार मनोरथंगल मलयाली के विख्यात लेखक, ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त एम.टी. वासुदेवन नायर की नौ कहानियों पर केंद्रित है। संतोष सिवन ने इसे डायरेक्ट किया है। वे बड़े फोटोग्राफर हैं जिन्होंने मणिरत्नम जैसों के साथ काम किया है।उन्होंने पटना के डीएवी खगौल, स्कूल से प्लस टू किया है। इसके बाद बीआईटी से बीबीए किया है। मिस बिहार भी रह चुकी हैं। इसके बाद मिस इंडिया कैम्पस प्रिंसेज में पार्टिसिपेट किया था। मिस मैक्सीम इंडिया में रनर अप रहीं। भोजपुरी फिल्मों में भी कर सकती हूं काम इशित कहती हैं कि उन्हें फिलहाल साउथ की फिल्मों में काम मिल रहा है। हिंदी फिल्मों में भी काम करने की इच्छा है। भोजपुरी फिल्म की कहानी अच्छी रहेगी तो उसमें भी काम कर सकती हूं। यह मेरी भाषा है। यामिनी कहती हैं कि वे मॉडलिंग करती हैं लेकिन अब फिल्मों में भी एक्टिंग करना चाहती हैं। इसके लिए एक्टिंग वर्कशॉप भी ले रही हैं।

पिता के कंधे पर बैठे भाई-बहन की डूबकर मौत

भोजपुर। में बाढ़ के पानी में भाई-बहन की डूबने से मौत हो गई। एक 6 साल का है और दूसरी 3 साल की है। दोनों अपने पिता के कंधे पर बैठे थे और पिता बाढ़ के पानी से होकर गुजर रहे थे। साथ में दोनों बच्चों की मां भी चल रही थी। इसी दौरान रास्ते में गड्ढे का पता नहीं चला और चारों पानी में डूब गए। स्थानीय लोगों ने दंपती को तो बचा लिया, पर दोनों बच्चों की मौत हो गई। मृतकों में बक्सर के कोरानसराय थाना क्षेत्र के मठिला गांव निवासी राम प्रकाश मिश्रा का 6 वर्षीय बेटा बजरंगी कुमार और

तीन साल की बेटी मालती कुमारी है। राम प्रकाश की साली मौत हो गई थी। वो अपने पूरे परिवार के साथ अपने ससुराल जा रहे थे। घटना मुफस्सिल थाना के सारंगपुर गांव स्थित लकड़िया पुल के पास की है। राम प्रकाश मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव में किराए का मकान लेकर रहते हैं। मूल रूप से बक्सर के रहने वाले हैं।मृत बच्चों के पिता राम प्रकाश मिश्रा ने कहा कि सारंगपुर गांव निवासी रमेश पंडित की 15 वर्षीय बेटी और मेरी साली करिश्मा कुमारी की सोमवार रात मौत हो गई थी। इस कारण अपने दोनों बच्चों और पत्नी के साथ अपने ससुराल जा रहे थे। रास्ते में बाढ़ का पानी चोरों तरफ फैला है। परिवार सड़क किनारे से न जाकर खेत से होकर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में बाढ़ के पानी के बीच गड्ढे का पता नहीं चला और हादसा हो गया।

बैद्यनाथ धाम के स्वरूप का कांवर, देवघर जा रहे कांवरिया

मुंगेर। के कांवरिया पथ में अलग-अलग कांवर आकर्षक का केंद्र बने हुए है। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला के 23वें दिन सुल्तानगंज से जल भरकर कांवरियों का बाबा नगरी देवघर जाने का सिलसिला लगातार जारी है। लिचु बगान बड़ा कांवर दल हावड़ा के 32 कांवरिया का जत्था बाबा बैद्यनाथ धाम के मंदिर के स्वरूप से बना डोली कांवर लेकर जा रहे है। इसका वजन 150ङ्कह्र है। 10 सालों से जा रहे हैं देवघर श्रावणी मेले में कांवरिया अपने साथ कांवर लेकर जा रहे हैं। कांवरिया के जत्थे के राजकुमार, गणेश, सुमित,शंभु दास, राजा चौधरी,रितेश,अनीश रजक,राहुल मामा, मुकेश

चौधरी,आकाश गुप्ता, सुमित सिंह ने बताया कि 10 सालों से देवघर जा रहे हैं। पहले ये कलश में जल भरकर बाबा पर जल अर्पित करते थे। पहली बार बैद्यनाथ धाम के मंदिर के स्वरूप का डोली कांवर बनाकर बाबा धाम जा रहे है बाबा को अर्पित करेंगे कांवर बाबा धाम में जल के साथ यह कांवर भी उनको अर्पित करेंगें। बताया जाता है कि इस कांवर को बनाने में एक महीने का समय लगा है। जिसका वजन 150 किलो है।

बता दें कि विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला के दौरान कच्ची कांवरिया पथ पर एक ओर जहां रोजाना अलग-अलग तरह के कांवर देखने को मिल रहा है दूसरी ओर ऐसे कई भोले बाबा के भक्त है, जो बाबा की भक्ति में लीन होकर दंडवत देकर देवघर जा रहे हैं,

तो कोई अपने कांवर को सजा कर देवघर जा रहे हैं। जबकि, कई ऐसे कांवरिया हैं, जो भगवान की भक्ति में लीन होकर गुलाटी मारकर देवघर जा रहे हैं।

राज्यपाल की सुरक्षा में फर्जी पुलिस बनकर पहुंचा युवक

मोतिहारी। में राज्यपाल की सुरक्षा में लगाए गए चौकीदार की जगह उनके बेटे की ड्यूटी करते तस्वीर सामने आई है। बताया गया कि पिता की जगह उनकी वर्दी पहनकर बेटा ड्यूटी करने पहुंचा था। वहीं तस्वीर सामने आने के बाद एसपी कातिश मिश्रा ने जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए हैं। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर महात्मा गांधी केन्द्रीय विद्यालय के दीक्षारंभ समारोह में शामिल होने मोतिहारी आए हैं। इसी बीच उनकी सुरक्षा में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसी में घोड़ासहन थाना के चौकीदार रामजतन राय की ड्यूटी लगाई गई थी, उनकी जगह

उनके बेटा जयप्रकाश यादव ड्यूटी करने पहुंचा। इतना ही नहीं उसने ड्यूटी के दौरान की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर डाली है। चौकीदार के बेटे को किया डिटेन एसपी कातिश मिश्रा को मामले की जानकारी मिली जिसके बाद उन्होंने जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि कमान काटने वाले से लेकर थानाध्यक्ष की भूमिका की जांच की जा रही है। जांच में अगर दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल चौकीदार पुत्र को डिटेन किया गया है। एसपी ने बताया कि फोटो सोमवार का है। कमान लेने के लिए चौकीदार की जगह उसके बेटे मे कमान ले लिया था, इसको लेकर चौकीदार को निलंबित किया गया है। आगे जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

पीट-पीटकर कर युवक की हत्या

बेतिया में आपसी विवाद को लेकर एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। घटना जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के मुरली खरकटवा वार्ड नंबर-13 की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच

पड़ताल में जुटी हुई है। FSL की टीम भी मौके पर पहुंची है। प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष सपना रानी ने बताया

कि मृतक की पहचान मुरली खरकटवा निवासी स्वर्गीय शत्रुघ्न चौधरी के 25 वर्षीय बेटा दीपक चौधरी के रूप में की गई है।

संक्षिप्त डायरी

21 गांव बने टापू , 20 में कटाव का खतरा

पूर्णिया। के रूपौली, बायसी और अमौर में नदियां उफान पर है। कोसी नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी से रूपौली से होकर गुजरने वाली विजय कोसी उफान पर है। जिसके चलते नदी से लगे 6 गांव टापू में तब्दील हो चुके। कांप से अंझड़ी जाने वाली मुख्य सड़क के ऊप से करीब 3 फीट पानी बह रहा है। इससे भी बदतर हालत बायसी और अमौर के हैं। बायसी में महानंदा, कनकई और परमान से कटाव का कहर जारी है। 5 हजार की आबादी वाले मालोपाडा तेलंगा गांव में पिछले सप्ताह भर में करीब 10 घर महानंदा में समा चुके हैं। जबकि 20 गांवों के दर्जनों घर पर कटाव का खतरा मंडराने लगा है। वहीं, अमौर में कनकई, महानंदा, परमान और बकरा नदी से 15 से अधिक गांवों में नदी का पानी प्रवेश कर गया है। इनमें आंशिक बाढ़ जैसे हालात हैं।अमौर में कनकई, महानंदा, परमान व बकरा नदी के बढ़े जलस्तर से निचले इलाके में नदी का पानी आ गया है। खेत-खलियान पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं। नदियों के बढ़े जलस्तर से इन क्षेत्र पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण परमान, बकरा, कनकई, महानंदा जैसी नदियों के जलस्तर में हुई बढ़ोतरी से बनगामा, तियारपाड़ा, अधांग, झोवाड़ी, आमगाछी, नितेंद्र, मच्छट्टा, बंगरा महदीपुर, बरबट्टा और कनकई से ज्ञानडोब, तालबाड़ी, डहुवबाड़ी, रंगरैया लालटोली, खाड़ी महीन जैसे गांव कटाव की जद में हैं। बायसी सीओ गणेश पासवान ने बताया कि मालोपाड़ा तेलंगा गांव में महानंदा नदी से कटाव होने की सूचना मिली है। मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया है।

गिरिराज बोले सपा बलात्कारी की पार्टी है

पूर्णिया। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की पार्टी समाजवादी पार्टी अपराधियों की पार्टी तो थी ही, अब बलात्कारी पार्टी हो गई है। अयोध्या में मुसलमान ने हमारी बेटियों के साथ गलत किया। अब कन्नौज में भी डिंपल यादव के प्रतिनिधि रहे चुके उसी समाज के नेता ने दुष्कर्म किया है। इसका सीधा मतलब है कि अखिलेश यादव बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन उनकी पार्टी बलात्कारी और अपराधियों की संरक्षक पार्टी हो गई है। ये बातें केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आज बेगूसराय में हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत के दौरान कही। हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत कर गिरिराज सिंह ने बीजेपी नेताओं को तिरंगा सौंपा। सभी गांवों के हर घर तिरंगा लगवाने का आह्वान किया। जिससे हर किसी की राष्ट्र भावना प्रखर हो और लोग राष्ट्र प्रेम को समर्पित हों। इस अवसर पर गिरिराज सिंह ने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम भारतीय लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है। 15 अगस्त को हम हर घर में राष्ट्रीय ध्वज लगाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे एक अभियान के रूप में लिया, हम लोगों के समझा दिया है। इससे लोगों में राष्ट्रीयता की भावना जगती है। इसके साथ ही टुकड़े-टुकड़े गैंग को भी समझ में आता है की राष्ट्रीयता क्या चीज है।

नगर निगम के अंदर सड़कों के लिए 120 करोड़

पूर्णिया। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी में जुटी हुई है। चुनाव के पहले राजधानी पटना पर विशेष ध्यान है । शहरी वोटर को खुश करने को लेकर सारी सुविधा ठीक की जा रही है। पटना शहर से विधायक नितिन नवीन नगर विकास एवं आवास मंत्री हैं। नितिन नवीन ने 120 करोड़ की राशि स्वीकृत की है। इससे पटना की सड़कें और गलियां बनेगी। राजधानी पटना की सड़कों की खराब स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी निर्देश दिया है। मंत्री नितिन नवीन ने पटना नगर निगम के अंतर्गत 6 अंचल की सड़कों के मेंटनेंस के लिए 120 करोड़ की राशि दी गई है। यह राशि नमामि गंगे योजना, नल जल योजना समेत अन्य योजना के कार्यों के दौरान सड़कों के क्षतिग्रस्त होने पर उनके पुनर्निर्माण के लिए 12 अलग-अलग योजनाओं के तहत राशि की स्वीकृति मिली है।

पर्यटन विभाग को 113 एकड़ जमीन मिली

पटना। पर्यटन विभाग को 113 एकड़ जमीन मिली है। भूमि एवं राजस्व विभाग के पुराने आंकड़े मिलाने के बाद इसकी जानकारी मिली। इस जमीन के बारे में पर्यटन विभाग के पास रिकॉर्ड नहीं था। इन दिनों टूरिज्म स्पॉट विकसित करने के लिए विभाग जोर-शोर से लगा हुआ है। यह अभियान राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे के फोक्सड था। इनके किनारे बिहार में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास कर रहा है। बिहार सरकार प्रदेश के पर्यटन स्थलों की ब्रांडिंग कर रहा है। सरकार इस क्षेत्र से रोजगार और कमाई का रास्ता तलाश रहा है। इसी को लेकर भूमि सुधार विभाग के साथ कॉर्डिनेशनल चल रहा है। सीएम के गृह जिले से सबसे ज्यादा जमीन मिली अब नई जमीन पर पर्यटक सुविधाएं देने की योजना विभाग कर रहा है।

बिहार सरकार भी राज्य में निवेशकों को आकर्षित करने में मदद के लिए 5,000 एकड़ का भूमि बैंक बना रही है। पर्यटन विभाग को सबसे ज्यादा जमीन सीएम नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में मिली है। 113 एकड़ में 49 एकड़ जमीन नालंदा से आई है। दूसरे स्थान पर सहरसा है। यहां 22 एकड़ जमीन मिली है। मुंगेर में 13 एकड़, वैशाली में 12 एकड़, भागलपुर में 9 एकड़ और पश्चिम चंपारण में 5 एकड़ जमीन प्राप्त हुई है।

शहीद का बेटा बोला–मैं भी फौज में जाऊंगा

पिता ने कहा–खून का हर कतरा देश पर कुर्बान

बिहार। के शहीद दीपक यादव को सोमवार की देर शाम राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। अपने पीछे वो भरा-पूरा परिवार छोड़ गए, जिनमें 9 साल का बेटा रजनीश भी है। रजनीश भी अपने पापा की तरह फौज में जाना चाहता है। वो बड़ा होकर आर्मी में अफसर बनना चाहता है। वहीं अपने जवान बेटे को खो चुके पिता सुरेश राय की आंखों में आंसू है, लेकिन बेटे की शहादत पर उन्हें गर्व है। उन्होंने कहा कि 'हमारे खून का हर कतरा देश के नाम पर कुर्बान है। बेटे को खो चुका हूं। पोता फौज में जाना चाहता है, और मैं उसे भेजूंगा। इधर, शहीद की पत्नी अनिता यादव अपने बेटे को फौज में नहीं भेजना

चाहती हैं। उनका कहना है कि वो रजनीश को इंजीनियर या डॉक्टर बनाना चाहती हैं। बता दें कि श्रीनगर के अनंतनाग में शनिवार रात अहलान गागरमंडू के जंगल में आंतकियों से मुठभेड़ के दौरान दीपक शहीद हुए थे। सेना के अधिकारी ने बताया कि दीपक की बटालियन के कमांडेंट पूर्व क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी हैं सोमवार को छपरा में शहीद के लौला कला गांव में मातम था। सभी ने नम आंखों से शहीद को आखिरी विदाई दी। इकलौते बेटे रजनीश ने उन्हें मुखाग्नि दी है। भास्कर से बातचीत में शहीद दीपक के पिता सुरेश राय ने बताया कि 'शुक्रवार को आखिरी बार दीपक से बात हुई थी। घर का हाल समाचार लिया, फिर फोन काट दिया। रविवार को उसके शहीद होने की खबर मिली।' शहीद की पत्नी ने कहा कि 'अंतिम समय गुड मॉर्निंग का मैसेज आया। फिर रविवार को जेसीओ मैडम और अन्य फौजी घर आएं, उनके घायल होने की बात बताकर गांव लेकर चल दिए। गांव आने के बाद शहीद होने की बात बताई गई।' शहीद के इकलौते बेटे के फौज में भेजने की बात पर इन्होंने कहा कि बेटे को फौज में नहीं भेजना चाहती। बेटे को पढ़ा लिखा कर डॉक्टर-इंजीनियर और अन्य अधिकारी बनाना चाहती हूं। गोली लगने के बाद भी आर्तकियों को देते रहे मुंहतोड़ जवाब श्रीनगर के अनंतनाग में शनिवार रात आधी रात दीपक और उनके साथी जवान आर्तकियों को मुंह तोड़ जवाब दे रहे थे। दोनों तरफ से फायरिंग हो रही थी। तभी आर्तकियों की एक गोली दीपक को लग गई। वो घायल हो गए। शरीर से खून निकल रहा था, लेकिन इसके बाद भी दीपक आर्तकियों पर गोलियां बरसाते रहे। मुठभेड़ में दो जवान शहीद हुए। जम्मू-कश्मीर में बीते 48 घंटे के भीतर अनंतनाग और किश्तवाड़ के बाद उधमपुर में भी सेना और आर्तकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई।

रविवार (11 अगस्त) की शाम सेना ने उधमपुर में 3-4 आर्तकियों की मूवमेंट पकड़ी। इसके बाद सेना ने इन्हें पकड़ने के लिए बसंतगढ़ के जंगलों को हर तरफ से घेर रखा है। सेना के मुताबिक, 6 अगस्त को ये आतंकी भाग निकले थे, लेकिन एक बार फिर इनको ट्रैप बनाकर घेर लिया गया है।

वहीं किश्तवाड़ जिले में भी 11 अगस्त की सुबह जंगल में आर्तकियों के होने की सूचना मिली थी।

इसके बाद सर्च ऑपरेशन के दौरान दोनों तरफ से कुछ देर के लिए फायरिंग हुई। सेना, पैरामिलिट्री फोर्सेज और पुलिस नौनट्टा, नागेनी पेयास और आसपास के इलाकों में ऑपरेशन चला रही है।

ये टिप्स अपनाएंगे तो हर कोई हो जाएगा आपके पर्सनैलिटी का फैन

आप पर्सनालिटी डेवलपमेंट शब्द को परिभाषित करने का प्रयास करते हैं तो आपके मन में क्या ख्याल आता है? क्या आपको लगता है अच्छे कपड़े पहनना या अंग्रेजी बोलना या फिर लोगों से मिलना पर्सनालिटी डेवलपमेंट है? तो जवाब मिलेगा नहीं। केवल यह शब्द मिलकर पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य नहीं करते बल्कि कई ऐसी चीजें हैं जो पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं। आइए कुछ टिप्स के विषय में जान लेते हैं जो पर्सनैलिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं।

कॉन्फिडेंस बनाएं रखें

किसी भी कार्य को आसान करने का सबसे पहला मंत्र है कॉन्फिडेंस। अगर आप किसी भी काम करते समय कॉन्फिडेंस रखते हैं तो आप किसी भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं। कॉन्फिडेंस से भरे लोगों से हर व्यक्ति आकर्षित हो जाता है। अगर आप अपनी पर्सनालिटी को अच्छे से डेवलप करना चाहते हैं को खुद में कॉन्फिडेंस बिल्ड करने का प्रयास करें। कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आप ज्यादा से ज्यादा पढ़ना शुरू करें और नए-नए विषयों को एक्सप्लोर करना शुरू करें।

हर विषय पर ओपिनियन बनाने का प्रयास करें

अगर आप खुद को दूसरों से अलग बनाना चाहते हैं तो प्रयास करें कि आप हर विषय में अपना एक ओपिनियन बनाएं ताकि कभी आपसे पूछा जाए तो आप जवाब दे सकें। लेकिन ध्यान रखें कि बिना मांगे ओपिनियन देने से आपकी पर्सनालिटी को नेगेटिव रूप में भी प्रदर्शित कर सकता है।

अच्छे श्रोता बनें

हम हमेशा उन लोगों को दूसरे के मुकाबले अधिक तवज्जो देते हैं जो हमारी बातों को सुनते हैं। कई लोग ऐसा मानते हैं कि अच्छा श्रोता होना एक अच्छे व्यक्तित्व की निशानी है। अगर आप भी अपनी पर्सनालिटी को बेहतर बनाना चाहते हैं तो लोगों को सुनना शुरू करें और एक अच्छा श्रोता बनने का प्रयास करें।

बॉडी लैंग्वेज को सुधारें

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए बॉडी लैंग्वेज पर काम करना बेहद जरूरी है। आपकी बॉडी लैंग्वेज भी आपके बारे में कई बातें बताती है। आपके चलने, बैठने, बातें करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। अच्छी बॉडी लैंग्वेज एक अच्छी पर्सनालिटी की तरफ कार्य करती है।

बहुत बड़ा है एविएशन इंडस्ट्री का दायरा

अगर आप भी एविएशन इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने की सोच रहे हैं, लेकिन अपने आप को पायलट व केबिन क्रू बनने के काबिल नहीं पाते, तो निराश मत हो, क्योंकि इसके अलावा भी अब इस सेक्टर में कई डिपार्टमेंट ऐसे हैं जहां आप अपना करियर बना सकते हैं। ज्यादातर लोग एविएशन क्षेत्र के दायरे को पायलट, एयर होस्टेज व केबिन क्रू तक सीमित कर देते हैं, लेकिन इसका दायरा बहुत बड़ा है। आप इस इंडस्ट्री में एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ, फ्लाइट इंजीनियर, एयर टिकटिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स, एयर कार्गो मैनेजमेंट, मीटिरियोलॉजिस्ट आदि जॉब प्रोफाइल पर भी कार्य कर सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ

एविएशन इंडस्ट्री में ग्राउंड स्टाफ महत्वपूर्ण होते हैं। इनका कार्य एयरपोर्ट की साफ-सफाई के साथ उसके रखरखाव करना है। एयरपोर्ट पर प्लेन जब उतर जाता है, तो उसके बाद पैसेंजरों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर सामान ढुलाई और माल स्टॉक का कार्य भी ग्राउंड स्टाफ को ही कराना होता है। ग्राउंड स्टाफ की एयरपोर्ट पर अलग-अलग कार्य की जिम्मेदारी संभालते हैं। एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ में करियर बनाने के लिए आप एयरपोर्ट मैनेजमेंट से रीलेटेड सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर लेवल के कोर्स कर इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। 12वीं के बाद आप इस सेक्टर में प्रवेश कर सकते हैं।

एयर कार्गो मैनेजमेंट

इस जॉब प्रोफाइल पर रहकर करियर बनाने के लिए आपको डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयर कार्गो मैनेजमेंट कोर्स करना होगा। जिसमें आप एविएशन हिस्ट्री एवं जियोग्राफी के अतिरिक्त कार्गो लॉ, कस्टम्स रूल्स, वेयरहाउसिंग, एयरक्राफ्ट लिमिटेशन व लोडिंग कैपेसिटी, क्लीयरेंस प्रोसिजर, क्लेम रूल्स, बीमा और फ्री ट्रेड जोन जैसे विषयों से रूबरू होंगे। इस क्षेत्र में भी प्रवेश के लिए आपको न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता होना जरूरी है। यह कोर्स आपको 6 माह से 1 वर्ष तक का होता है।

एयर टिकटिंग

एविएशन के एयर टिकटिंग में करियर बनाने के लिए न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता के साथ 18 वर्ष से ऊपर की आयु होनी चाहिए। न्यूनतम 6 माह से 9 माह तक की अवधि वाले कोर्स डिप्लोमा इन एयर टिकटिंग एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में ट्रैवल एजेंसी बिजेनस, वर्ल्ड टाइम जोन, एयरपोर्ट व एयरलाइन कोड्स, पेमेंट मोड्स, फॉरेन करेंसी, पासपोर्ट व वीजा आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

फ्लाइट इंजीनियर

एविएशन के क्षेत्र में फ्लाइट इंजीनियर का कार्य बहुत अहम होता है। प्लेन के सभी पुर्जों की जांच करना इनकी जिम्मेदारी होती है। इसके लिए इलेक्टॉनिक्स इलेक्ट्रिकल्स, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल या कम्प्यूटर में से किसी एक में ग्रेजुएशन होना जरूरी है। अगर आपके पास फ्लाइट इंजीनियर का ग्राउंड पाठ्यक्रम या एयर क्राफ्ट इंजीनियर लाइसेंस या सीपीएल है तो आप अप्लाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपने 12वीं विज्ञान विषयों से पास की हो और आपकी उम्र तीस साल से ज्यादा ना हो, तो आप इसमें करियर बना सकते हैं।

एयर ट्रैफिक कंटोलर्स

एविएशन के क्षेत्र में यह एक और महत्वपूर्ण जॉब प्रोफाइल है। एयरपोर्ट पर बने टॉवर से एयर ट्रैफिक कंटोलर्स हर वक्त प्लेन की उड़ानों पर नजर रखते हैं। इस फील्ड में करियर बनाने के आपको रेडियो इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग बीटेक या डिप्लोमा करना होगा।

मीटिरियोलॉजिस्ट

एविएशन में मीटिरियोलॉजिस्ट का भी बड़ा रोल होता है। इसमे कैरियर बनाने के लिए अगर आपके पास मौसम विज्ञान, भौतिक, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित और दूरसंचार में ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री है तो आप इसके लिए अप्लाई करने योग्य हैं।

टूर एंड ट्रैवल

अगर आप एविशन के क्षेत्र में रहकर अतिरिक्त कमाई करना चाहते हैं तो टूर एंड ट्रैवल आपके लिए बेस्ट होगा, इस क्षेत्र में आपको बहुत काम मिलेगा। इस क्षेत्र में आने के लिए आप 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर तीन वर्षीय बैचलर इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट और उसके बाद पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी कर सकते हैं।

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स, नई दिल्ली
- फ्रांकलिन एविएशन एकेडमी, दिल्ली
- विंग्स कॉलेज ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी, पुणे
- ए जे एविएशन एकेडमी, मुम्बई
- राजीव गांधी एविएशन एकेडमी, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स साईस, जमशेदपुर
- हिंदुस्तान एविएशन एकेडमी, बंगलूरू

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में करियर बनाना है बेहद आसान

इंश्योरेंस इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो पिछले कुछ सालों से लगातार तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके चलते एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड काफी बढ़ गया है। अगर आप भी इंश्योरेंस सेक्टर में करियर बनाने का सोच रहे हैं तो यह समय काफी अच्छा है, खास कर कोरोना के बाद इंश्योरेंस के हेल्थ सेक्टर में बूस्ट आया है। आज के समय लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास पॉलिसी हैं। जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं।

एजुकेशन

इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रेजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्चुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टेटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना आवश्यक है जबकि पीजी डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स-स्टेटिस्टिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स सब्जेक्ट से स्नातक जरूरी है। स्टूडेंट्स, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मेंबर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं। एक्चुरी प्रोफेशनल बनने के लिए स्टूडेंट्स को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फेलो मेंबर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

इंश्योरेंस का कार्य क्षेत्र

इसके लिए मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मेथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनेंस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। एक्चुरियल प्रोफेशनल्स यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कंपनी को पेंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफेशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स को इंश्योरेंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

स्किल व एलिजिबिलिटी

इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए खुद को अपडेट रखना जरूरी है। खुद में लोगों की परेशानी को समझने, नई तकनीक सीखने में हिचकिचाहट न होने, कम्युनिकेशन के साथ मैथ और स्टेटिस्टिक्स पर पकड़ मजबूत रखने जैसे स्किल का होना जरूरी है। अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एंड असिस्टेंटए डेवलपमेंट ऑफिसरए इंश्योरेंस एजेंटए इंश्योरेंस सर्वेयरए एक्चुरी मैनेजरए रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं।

जॉब्स के अवसर

अगर आपके पास एक्चुरियल साइंस की डिग्री है तो आपके लिए इन दिनों नौकरियों के लिए कई रास्ते खुल गए हैं। इंश्योरेंस, बैंकिंग, बीपीओ-केपीओ, आईटी सेक्टर, मल्टीनेशनल कंपनियों, फाइनेंशियल कंपनियों आदि में इनके लिए अच्छे मौके होते हैं। दूसरी तरफ, बीपीओ कंपनी में भी जोखिम के बारे में विश्लेषण करने के लिए बड़े पैमाने पर एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की हायरिंग होती है। बीपीओ में काम करने वाले एक्चुरी प्रोफेशनल्स की सैलरी भी आम बीपीओ एंप्लॉइज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक होती है।

भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। वहीं एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड सरकारी और प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों में ही नहीं, बल्कि टेरिफ एडवाइजरी कमिटी, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी, सोशल सिक्योरिटी स्कीम, फाइनेंशियल एनालिसिस फर्म में भी है।

सैलेरी

इस क्षेत्र में आप फ्रेशर के तौर पर प्रतिमाह 20 से 30 हजार रुपये तक आसानी से पा सकते हैं। वहीं अनुभव व समय के साथ किसी उच्च पद पर पहुंचने पर आप 1 लाख रुपये का मासिक वेतनमान भी ले सकते हैं। यदि आपने किसी टॉप कॉलेज से एमबीए इन इंश्योरेंस किया है तो आप अपनी फर्स्ट जॉब में ही ज्यादा बेहतर वेतनमान की अपेक्षा कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

कालेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय
एकेडमी ऑफ इंश्योरेंस मैनेजमेंट, दिल्ली
बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, दिल्ल
इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे
एमिटी स्कूल ऑफ इंश्योरेंस एंड एक्चुरियल साइंस, नोएडा

इन तरीकों से खुद को कर सकते हैं जॉब में मोटिवेट

- खुद को शांत रखना सीखिए। ऐसा करने से आपका दिमाग ठीक तरीके से काम करता है और आप किसी भी समस्या का सामना कर सकते हैं।
- ऐसे विचारों को माइंड में कभी न लाएं जो आपके किसी अच्छे काम को प्रभावित करें। हम अक्सर दूसरों से राय लेने में नहीं चूकते। जब कुछ नया करने जा रहे होते हैं। अब यह निर्भर करता है कि जिससे आपने राय ली है, वह आपका हित चाहने वाला है या नहीं, तो तुरंत किसी की बात को न मानें। उस पर विचार करें। उसके बाद ही कोई कदम उठाएं।

आज के दौर में जब जॉब की इतनी बहुतायत है, वहीं लोगों में उस जॉब को पानी के लिए जरूरी स्किल्स की कमी है। अक्सर ऐसा देखने में आता है कि कुछ लोगों में अपनी सब्जेक्ट की नॉलेज तो है, पर कहीं न कहीं कई ऐसी वजहें होती है जो उन्हें अपने फील्ड में बहुत अच्छा करने से रोकती हैं। ये लोग डिमोटिवेट होते हैं। तो आइए जानते हैं खुद को मोटिवेट कैसे किया जाए

- अगर आप किसी काम के लिए जा रहे हों तो अपने डर पर विजय हासिल करें। कॉन्फिडेंट रहिए, डर दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप सामने वालों को भी अपनी ही तरह एक आम इंसान ही समझें। सोचिए कि अगर आप किसी ऊंची पोस्ट पर होते हैं तो सब आपके हाथ में होता।
- जब आप कोई इंटरव्यू के लिए जा रहे हों तो ये सोचिए कि आप कई इंटरव्यू दे चुके हैं। भले ही यह आपका पहला इंटरव्यू रहो। इससे आपका कॉन्फिडेंस हाई रहेगा। अपनी सक्सेस को हमेशा अपने साथ लेकर चलें। यह कभी न सोचें कि अगर सिलेक्शन न हुआ तो।
- जब आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं तो अपना बेस्ट देने की कोशिश करें। अपनी कमियों को खुद पर हावी न होने दें। जो भी स्किल या नॉलेज आपके पास है उसे बेहतर ढंग से एक्सप्रेस करें।
- साफ-सुथरी बात सभी को अच्छी लगती है। आपका बात करने का अंदाज विनम्र होना चाहिए। साथ ही स्पष्ट और कम शब्दों में होना चाहिए।

क्या है आर्कियोलॉजी? किस कोर्स के बाद मिलेगी हाई सैलरी

अगर आप इतिहास से लगाव रखते हैं और आप रोमांच के साथ रहस्य से पर्द उठाना चाहते हैं। साथ ही आपमें ऐतिहासिक चीजों को जानने और उनके बारे में तरह-तरह की जानकारियां पता करने की इच्छा है तो आप आर्कियोलॉजिस्ट के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। इतिहास और भूगोल के रहस्यों से पटे भारत में इसके अच्छे

हड़प्पा सभ्यता के बाद से भारत में ऐतिहासिक खोज न के बराबर हुई है और फिलहाल इतिहास संबंधित खोज को लेकर एक बड़ा वैक्यूम यहां बना हुआ है, जो बड़े आइडियाज और क्रिएटिविटी का इंतजार कर रहा है। इसके साथ ही दुनियाभर में शोध के लिए आर्कियोलॉजी के विद्यार्थियों की मांग है।

क्या है आर्कियोलॉजी

पृथ्वी पर छपी पुरानी सभ्यता और संस्कृति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन करना व उनकी खोज करना आर्कियोलॉजी कहलाता है। आर्कियोलॉजी में उस इतिहास के बारे में यह जानने की कोशिश की जाती है कि पुरानी सभ्यताओं में लोगों का रहन- सहन कैसा था। किस तरह की वस्तुओं का वो इस्तेमाल करते थे। अनुमानों

लेकर तत्कालीन समाज और परिवेश के आकलन का काम भी एक आर्कियोलॉजिस्ट को करना होता है। साथ ही वह कार्बन डेटिंग और समय गणना का काम भी करता है। सभी तरह के ऐतिहासिक वस्तु या सभ्यता के वर्तमान से जुड़ाव और विकास के क्रम को निर्धारित करने की जिम्मेदारी भी एक आर्कियोलॉजिस्ट की होती है।

किस तरह का होता है कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपको 12वीं की परीक्षा इतिहास विषय के साथ पास करनी होगी। इसके बाद आप

आर्कियोलॉजी में डिप्लोमा, बैचलर, मास्टर और पीएचडी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें प्रवेश के लिए अलग-अलग योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। इससे जुड़े कोर्स देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों से किए जा सकते हैं। मास्टर इन कंजर्वेशनए प्रिजरवेशन एंड हेरिटेज मैनेजमेंट और मास्टर इन आर्कियोलॉजी एंड हेरिटेज मैनेजमेंट जैसे कोर्स इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीढ़ी हो सकते हैं। इसके अलावा आप हिस्टॉरिकल आर्कियोलॉजी, जिओ आर्कियोलॉजी, आर्कियोबॉटनी, क्रॉनोलॉजिकल, एथनोआर्कियोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल ऑर्कियोलॉजी, आर्कियोमेट्री जैसे कोर्स भी कर सकते हैं।

जरूरी योग्यता

एक बेहतरीन आर्कियोलॉजिस्ट अथवा म्यूजियम प्रोफेशनल बनने के लिए प्लीस्टोसीन पीरियड अथवा क्लासिकल लैंग्वेजए मसलन पाली, अपभ्रंश, संस्कृत, अरेबियन भाषाओं में से किसी की जानकारी आपको कामयाबी की राह पर आगे ले जा सकती है। आर्कियोलॉजी न केवल दिलचस्प विषय है बल्कि इसमें कार्य करने वाले प्रोफशनल्स के लिए चुनौतियों में भरा क्षेत्र भी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी विश्लेषणात्मक क्षमताए तार्किक सोचए कार्य के प्रति समर्पण जैसे महत्वपूर्ण गुण जरूर होने चाहिए। कला की समझ और उसकी पहचान भी आपको औरों से बेहतर बनाने में मदद करेगा।

यहां से कर सकते है कोर्स

- आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट
- कर्नाटक स्टेट यूनिवर्सिटी

जॉब ऑप्शन क्या हैं

आर्कियोलॉजी में कोर्स पूरा करने के बाद आपको जॉब के कई ऑप्शन मिलेंगे। जिनमें मुख्य रूप से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली, राज्यों में स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, विभिन्न संग्रहालय, एनजीओ और यूनिवर्सिटी, विदेश मंत्रालय का हिस्टोरिकल विभाग, शिक्षा मंत्रालय, पर्यटन विभाग, इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च आदि।

सैलरी व संभावनाएं

यह ऐक ऐसा क्षेत्र है जहां पर आपको रोमांच और रहस्य के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। अगर आपने किसी प्राइवेट सेक्टर में जाना चाहते हैं तो आप 30 से 50 हजार रूपये प्रतिमाह की जॉब आसानी से पा सकते हैं, जो अनुभव व आपकी खोज के साथ

जॉब प्रोफाइल के हिसाब से लाखों रूपये की सैलरी पा सकते हैं।

वनडे रैंकिंग में रोहित शर्मा और कुलदीप यादव को बड़ा फायदा, टीम इंडिया नंबर-1 पर काबिज

मुम्बई (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच हाल ही में तीन मैचों की वनडे सीरीज संपन्न हुई। भारतीय टीम ने 27 साल बाद श्रीलंका के हाथों द्विपक्षीय वनडे सीरीज गंवाई। श्रीलंका ने अपने घर में टीम इंडिया को तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से मात दी। हालांकि, भारतीय टीम का वनडे टीम रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ, टीम अभी भी टॉप पर काबिज है।

वहीं श्रीलंका दौरे पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को बेहतर बल्लेबाजी का फायदा मिला जबकि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को एक स्थान का नुकसान हुआ। भारतीय टीम के बाएं हाथ के गेंदबाज कुलदीप यादव ने आईसीसी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में पांच स्थान की लंबी छलांग लगाई है।

दूसरी तरफ आईसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग पर ध्यान दें तो पाकिस्तान के बाबर आजम नंबर 1 पर हैं। भारत के ओपनर शुभमन गिल 782 अंक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा एक स्थान के फायदे के साथ तीसरे नंबर पर पहुंचे। हिटमैन के 763 अंक हैं।

आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग की बात करें तो भारतीय टीम टॉप पर काबिज है। रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम के अंक 118 है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 116 अंक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज है। दक्षिण अफ्रीका के 112 अंक है और वह तीसरे नंबर पर है। पाकिस्तान 106 अंक के साथ चौथे नंबर पर है। न्यूजीलैंड की टीम टॉप-5 रैंकिंग को पूरा करती है।

वंदना ठाकुर ने इंडोनेशिया चैम्पियनशिप में जीता सिल्वर, एशियन चैम्पियनशिप के लिए किया क्वालिफाई

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की बेटी और मशहूर महिला बॉडी बिल्डर वंदना ठाकुर ने इंडोनेशिया के बाटम में आयोजित 56वीं एशियन बॉडी बिल्डिंग और फिजीक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ वंदना ने 15वीं विश्व बॉडीबिल्डिंग और फिजीक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है जिसका आयोजन इसी वर्ष नवंबर माह में मालदीव में होने वाला है। वंदना की यह सफलता न सिर्फ उनके व्यक्तिगत करियर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि भारतीय बॉडी बिल्डिंग के क्षेत्र को भी नए मुकाम पर ले जाने में भी अभूतपूर्व योगदान दे रही है।

56वीं एशियन बॉडी बिल्डिंग और फिजीक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 प्रतियोगिता इंडोनेशिया के बाटम में स्थित रियाउ आइलैंड में 6 से 12 अगस्त, 2024 तक आयोजित की गई थी जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए कुल 50 श्रेणियां थीं। वंदना ने वरिष्ठ महिला बॉडीबिल्डिंग 55 किलोग्राम से अधिक की श्रेणी में भाग लिया जहां उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया और सिल्वर मेडल लेकर ही देश वापस लौटीं।

अपनी इस उपलब्धि पर वंदना ठाकुर ने कहा, 'यह मेरे लिए सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं थी, बल्कि एक जुनून था जो मेरे भीतर मेरे देश के हमेशा बना रहेगा। सिल्वर मेडल जीतना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है और अब मेरा एक ही लक्ष्य है, एशियन चैम्पियनशिप में देश के लिए गोल्ड लेकर आना। इंडोनेशिया चैंपियनशिप ट्रायल रही, अब एशियन चैम्पियनशिप में रियल की बारी है। गोल्ड लाने के लिए मैं और भी कठिन मेहनत करूंगी ताकि मैं अपने देश का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और भी अधिक ऊँचाइयों पर ले जा सकूं।'

ईशान किशन को मिली झारखंड टीम की कप्तानी, इस टूर्नामेंट से लाल गेंद क्रिकेट में करेंगे वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आगामी बुची बाबू टूर्नामेंट में लाल गेंद से वापसी करेंगे और 15 अगस्त से तमिलनाडु में शुरू होने वाले प्री-सीजन लाल गेंद प्रतियोगिता में झारखंड की कप्तानी करेंगे। झारखंड की मूल लंबी सूची का हिस्सा नहीं रहे किशन ने भाग लेने का फैसला किया और जब उन्होंने झारखंड राज्य क्रिकेट संघ को इस बारे में बताया तो उन्हें टीम में शामिल कर लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार वह बुधवार को चेन्नई में टीम से जुड़ेंगे।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि किशन की रणजी ट्रॉफी में वापसी 2024-25 सत्र के दौरान भी होने की उम्मीद है क्योंकि उन्होंने राज्य चयनकर्ताओं को अपनी वापसी की इच्छा से अवगत कराया है। उनका आखिरी घरेलू प्रथम श्रेणी मैच दिसंबर 2022 में था। वह 2023-24 के घरेलू सत्र के अंत में रणजी ट्रॉफी से दूर रहे और यह उनके लिए महंगा साबित हुआ क्योंकि उन्हें घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता नहीं देने के कारण केंद्रीय अनुबंध सूची से हटा दिया गया।

एक JSCA अधिकारी के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया, 'इशान के साथ, यह कभी भी क्षमता के बारे में नहीं था। यह केवल इस बारे में था कि क्या वह वापसी के लिए तैयार है। निर्णय उसके पास था। जब उसे प्रारंभिक सूची में शामिल नहीं किया गया था, तो यह केवल इसलिए था क्योंकि हमने उससे नहीं सुना था। जिस क्षण उसने वापसी की इच्छा व्यक्त की, उसे शामिल कर लिया गया।'

26 वर्षीय खिलाड़ी ने 2023 में भारत के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान चोटिल ऋषभ पंत की जगह टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। उनका अंतिम प्रथम श्रेणी मैच उस दौरे का दूसरा टेस्ट था। हालांकि दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के लिए चुने जाने के बावजूद उन्होंने मानसिक थकान के कारण बाहर होने का विकल्प चुना। किशन ने 2023 में दो टेस्ट, 17 वनडे और 11 टी20 मैच खेले हैं। वह 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचने के दौरान भारतीय टीम का भी हिस्सा थे और शुभमन गिल के बीमार होने पर शीर्ष क्रम में दो मैचों में शामिल थे।

बुची बाबू टूर्नामेंट पिछले साल छह साल के अंतराल के बाद फिर शुरू किया किया गया। इसमें रणजी ट्रॉफी के लीग चरणों में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के समान चार दिवसीय रेड-बॉल प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। यह आगामी 2024/25 घरेलू सत्र से पहले 12 प्रतिभागी टीमों के लिए महत्वपूर्ण तैयारी के रूप में कार्य करता है।

बांग्लादेश के खिलाफ टीम को जीतनी होगी टेस्ट सीरीज... वरना छिन जाएगी बादशाहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम एक महीने आराम के बाद एक्शन में दिखेगी। श्रीलंका दौरे से लौटने के बाद टीम इंडिया अब अगले माह सितंबर में बांग्लादेश से टेस्ट सीरीज में भिड़ेगी। सीरीज का आयोजन भारत में होगा। दो मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से चेन्नई में खेला जाएगा। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाएगी। डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में भारत टॉप पर है, जबकि दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है। टॉप स्थान को बचाए रखने के लिए भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज हर हाल में जीतनी होगी। इस सीरीज में खराब प्रदर्शन टीम इंडिया को नंबर वन से दूसरे नंबर पर गिरा सकता है।

भारत और बांग्लादेश टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले साउथ अफ्रीका का सामना वेस्टइंडीज से हो रहा है। वहीं पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच भी टेस्ट सीरीज होनी है, जबकि श्रीलंका का मुकाबला इंग्लैंड से होने वाला है। लेकिन इन तीनों सीरीज के रिजल्ट का भारत के डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में कोई असर नहीं होने वाला है। लेकिन भारतीय टीम अगर दोनों टेस्ट ड्रॉ कराती है, तब फिर वह टॉप स्थान खो देगी। इस स्थिति में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर होगा। वहीं एक टेस्ट जीतने पर भी भारत अपना नंबर वन की कुर्सी बचा लेगा। हालांकि भारतीय टीम अपने घर में खेल रही है।

इसके बाद में मेजबान टीम मेहमानों को 2-0 से हराने में सक्षम है। टीम इंडिया अगर बांग्लादेश के खिलाफ दोनों टेस्ट गंवा देती है, तब फिर वह डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर खिसक जाएगी। इसके अलावा ड्रॉ की स्थिति में भी मेजबान भारत को खतरा है। टीम इंडिया दोनों टेस्ट जीतकर टॉप पर बना रहेगा, वहीं एक जीत और एक ड्रॉ के साथ भी वह पहले पायदान पर कायम रहेगी। भारत ने 9 टेस्ट मैच खेले और 6 जीते हैं। 2 टेस्ट में टीम इंडिया को हार मिली है, जबकि एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। 68.51 पीसीटी के साथ भारत पहले नंबर पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया 62.50 पीसीटी के साथ दूसरे नंबर पर है। कंगारू टीम ने 12 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें से 8 जीते है, जबकि 3 हारे हैं। उसका एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड की टीम है जिसके 50.00 पीसीटी हैं। कीवी टीम ने 6 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उसे तीन में जीत मिली है, जबकि इतने ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

भारतीय टीम विश्व हॉकी रैंकिंग में पांचवें स्थान पहुंची, नीदरलैंड पहले स्थान पर पहुंची

लुसाने । भारतीय हॉकी विश्व रैंकिंग में पांचवे नंबर पर पहुंच गयी है । भारतीय टीम को पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरी बार कांस्य पदक मिलने से रैंकिंग में लाभ हुआ है । पेरिस ओलंपिक के बाद जारी नई विश्व रैंकिंग में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को दो स्थान का लाभ हुआ है जबकि पहले वह सातवें स्थान पर थी । वहीं एफआईएच प्रो लीग के समाप्त होने के बाद भारत को सातवां स्थान मिला था क्योंकि उसका अभियान अच्छा नहीं रहा था । भारत ने पेरिस ओलंपिक के दौरान शानदार प्रदर्शन किया और उसे केवल 2 मैच में ही हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने 5 मैच जीते । इससे उसे 2848.67 अंक मिले और वह ऑस्ट्रेलिया से ऊपर 5वें स्थान पर पहुंच गया ।

पुरुषों की विश्व रैंकिंग में ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड 3168 अंक के साथ ही रैंकिंग में पहले नंबर पर है । वहीं जर्मनी ने 3035 अंक लेकर अच्छा प्रदर्शन किया और वह दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है । वहीं इंग्लैंड 2973, बेल्जियम 2959 और भारत 2849 अंक लेकर शीर्ष 5 स्थानों पर हैं । जर्मनी के दूसरे नंबर पर पहुंचने से इंग्लैंड भी अपनी ओलंपिक-पूर्व रैंकिंग से एक स्थान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर आ गया है, जबकि भारत ओलंपिक में लगातार दूसरे कांस्य पदक के बाद अंतर को पाटते हुए दो स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष-5 में पहुंच गया है ।

भविष्य में अधिक से अधिक ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं : मनु

नई दिल्ली । पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतकर रिकार्ड बनाने वाली निशानेबाज मनु भाकर ने कहा है वह भविष्य में होने वाले ओलंपिक खेलों में ज्यादा से ज्यादा पदक जीतना चाहेंगी । मुन ने कहा कि वह इसके लिए अपनी ओर से पूरे प्रयास करेंगी । मनु ने ओलंपिक समापन समारोह से लौटने के बाद कहा , '' मैं भविष्य में भारत के लिये और ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं ।'' मनु समापन समारोह में स्टार हॉकी गोलकीपर पी आर श्रीजेश के साथ भारत की संयुक्त ध्वजवाहक थीं । उन्होंने कहा , ''यह जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव था और इसके लिए मैं आभारी हूं और इसे हमेशा याद रखूंगी ।'' उन्होंने कहा , '' श्रीजेश भैया को मैं बचपन से जानती हूं । वह काफी सरल स्वभाव के होने के साथ ही मददगार और विनम्र हैं । उन्होंने समापन समारोह में मेरा काम बहुत आसान कर दिया था ।' 'वहीं मनु की मां सुमेधा भाकर ने कहा , '' मैं उसके लिये बहुत खुश हूं । मैं पेरिस में हॉकी टीम, अमन सेहरावत, नीरज चोपड़ा से मिली । उम्मीद है कि ये खिलाड़ी और पदक जीतकर भविष्य में अपनी मां और देश का गौरव बढ़ाऐंगे ।''

2024 में सबसे ज्यादा छक्के यशस्वी जायसवाल ने मारे

नई दिल्ली (ईएमएस)। हम आपको आज 2024 में अभी तक इंटरनेशनल मैचों में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले बल्लेबाज के बारे में बताते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में 2024 में सबसे ज्यादा छक्के यशस्वी जायसवाल ने मारे हैं। 14 मैच की 19 पारियों में यशस्वी के बल्ले से 42 छक्के निकले हैं। टी20 वर्ल्ड कप के दौरान उन्हें भारत के लिए एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। छक्कों के रिकॉर्ड में रोहित शर्मा का नाम नहीं हो, ऐसे नहीं हो सकता। रोहित ने इस साल अभी तक 25 पारियों में बल्लेबाजी की है। भारतीय कप्तान ने इस दौरान 38 छक्के मारे हैं। उन्होंने 45 की औसत से 2024 में 990 रन बनाए हैं। हॉन्गकॉन्ग के बाबर हयात का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। उन्होंने 2024 में सिर्फ 15 पारियों में बैटिंग की है। इस दौरान 417 रन बनाए हैं। इन रनों में 216 सिर्फ छक्के से आए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से सिर्फ 15 ही चौके निकले। अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज ने इस साल कमाल की बैटिंग की है। अपनी टीम को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल तक ले जाने में उनका अहम योगदान था। 25 पारियों में गुरबाज अभी तक 36 छक्के मार चुके हैं। क्रिकेट में आपने शायद पहले कभी केंडल कडोवाकी-पलेमिंग का नाम सुना भी नहीं होगा। केंडल जापान के लिए खेलते हैं। अभी तक 2024 में उन्होंने 12 मैच केले हैं और 159 की स्ट्राइक रेट और 48 की औसत से 529 रन ठोक चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 34 छक्के जड़े हैं। बता दें कि टी20 आने के बाद क्रिकेट का खेल काफी तेजी से बदला है। बल्लेबाज आक्रामक होते जा रहे हैं। गेंदबाज भी बचने के नए नए तरीके लेकर आते हैं। हालांकि इसके बाद भी ज्यादा पिच बल्लेबाजों को ही मदद देती है। जब पिच में गेंदबाजों के लिए ज्यादा मदद होती है तो उनकी क्वालिटी खराब बता दी जाती है। यही वजह है कि आज टेस्ट क्रिकेट में भी खूब छक्के चौके देखने को मिलते हैं।

हरमनप्रीत एंड कंपनी के पास लॉस एंजिल्स में स्वर्ण पदक जीतने के लिए मजबूत आधार: माइक हॉर्न

कोलकाता (एजेंसी)। दुनिया के मशहूर 'एंडवेंचरर' माइक हॉर्न का मानना है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार कांस्य पदक जीतने के बाद अपनी मजबूत नींव का प्रदर्शन किया जिसे देखते हुए चार साल बाद लॉस एंजिल्स में उनमें स्वर्ण जीतने की क्षमता है। स्विट्जरलैंड के 'मोटिवेशनल कोच' के तीन दिवसीय मानसिक दृढ़ता वाले 'बूट शिविर' ने हरमनप्रीत एंड कंपनी को अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने में मदद की और वे अपने सहज क्षेत्र से बाहर आकर मजबूती से एकजुट होने में सफल रहे।

हॉर्न कहा, 'भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता है, वह उनके समर्पण का प्रतिबिंब है और मेरा मानना है कि उन्होंने भविष्य की सफलता के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है जिसमें अगले ओलंपिक में स्वर्ण जीतने की संभावना भी शामिल है।' उन्होंने कहा, 'टीम का प्रदर्शन असाधारण था और टीम स्वर्ण पदक जीतने के बहुत करीब पहुंच गई थी। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार कौशल, रणनीति और मानसिक दृढ़ता दिखाई।'

हॉर्न ने कहा, 'हालांकि वे स्वर्ण पदक हासिल नहीं कर पाए। लेकिन यह तथ्य है कि वे इसके इतने करीब थे जो उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।' उन्होंने कहा, 'यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि पदक जीतना और वो भी ओलंपिक में, एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।' हॉर्न को उनके मेंहद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली 2011 विश्व कप विजेता भारतीय टीम, 2014 में इंडियन प्रीमियर लीग विजेता टीम कोलकाता नाइट राइडर्स और जर्मनी की 2014 फुटबॉल चैम्पियन टीम के साथ काम के लिए भी जाना जाता है।

भारत ने पेरिस ओलंपिक में अपना अभियान न्यूजीलैंड पर जीत से शुरू किया और धीरे धीरे लय हासिल की। ग्रुप चरण में भारत की सबसे बड़ी जीत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रही जिसे टीम ने 52 साल बाद शिकस्त दी। टीम की एकजुटता और मानसिक मजबूती ब्रिटेन के खिलाफ शूटआउट में जीत के दौरान दिखी जबकि दूसरे क्वार्टर के शुरू से ही टीम 10 खिलाड़ियों के बिना खेल रही थी। हॉर्न (58 वर्ष) ने कहा, 'मैंने पेरिस 2024 में उनका सफर बहुत करीब से देखा और मैं उनकी सहनशीलता और उन्होंने दबाव का किस तरह से सामना किया, उससे काफी प्रभावित हुआ। उनकी इस यात्रा में छोटी सी भूमिका निभाना सम्मान की बात है।'

भारत को लगा बड़ा झटका, टोक्यो में बैडमिंटन में गोल्ड दिलाने वाले प्रमोद भगत हुए सस्पेंड

मुम्बई । बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने घोषणा की है कि भारत को टोक्यो पैरालंपिक में गोल्ड मेडल दिलाने वाले प्रमोद भगत को डोपिंग संबंधी नियमों के उल्लंघन के कारण 18 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है । वह पेरिस पैरालंपिक खेलों में हिस्सा नहीं लेंगे । पेरिस में पैरालंपिक 28 अगस्त से 8 सितंबर तक चलेगा । डब्ल्यूएफ ने बयान देते हुए कहा कि, टोक्यो 2020 पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत को 18 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है । वह पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में भी हिस्सा नहीं लेंगे । कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट ने भगत को 12 महीनों के भीतर तीन बार पता न बता पाने का दोषी पाया । बयान में आगे कहा है कि, 1 मार्च 2024 को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ऑफ स्पोर्ट एंटी डोपिंग डिवीजन ने भगत को 12 महीनों के भीतर तीन बार ठिकाने की जानकारी न देने के लिए बीडब्ल्यूएफ एंटी डोपिंग नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया । वहीं अपील के बावजूद सीएएस अपील डिवीजन ने निलंबन की पुष्टि करते हुए निर्णय को बरकरार रखा । एसएल 3 एथलीट भगत पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में हिस्सा नहीं लेंगे । 29 जुलाई 2024 को सीएएस अपील डिवीजन ने भगत की अपील को खारिज कर दिया । 1 मार्च 2024 के सीएएस एंटी-डोपिंग डिवीजन के फैसले की पुष्टी की । उनकी अयोग्यता की अवधि अब प्रभावी है ।

रवि अश्विन बोले- सुरक्षात्मक रवैया अपनाने की जगह असफल होना पसंद करूंगा

नई दिल्ली - इंजीनियर, क्रिकेटर, लोकप्रिय यूट्यूबर और अब एक लेखक भी, एक बार में कई चीजों को आसानी से प्रबंधित करने वाले भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि जीवन हो या क्रिकेट वह अति सुरक्षात्मक रवैया अपनाने की जगह असफल होना पसंद करेंगे । इस 37 साल के खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे चतुर दिमाग वाले क्रिकेट के तौर पर जाना जाता है । टेस्ट में 516 विकेट लेने वाले इस खिलाड़ी की बातों और विचारों को क्रिकेट जगत में काफी तवज्जो दी जाती है । वह इस समय अपनी पुस्तक 'आई हैव द स्ट्रीट्स- ए कुट्टी क्रिकेट स्टोरी' की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं । इस किताब के सह-लेखक सिद्धार्थ मोंगा है और इसे पेंगुइन रैंडम हाउस ने प्रकाशित किया है । यह किताब में 2011 तक अश्विन के जीवन का विवरण उनके दिमाग की झलक देती है । अश्विन ने साक्षात्कार में कहा, 'मैं अपनी जिंदगी जी रहा हूं, बस यह इतना ही है । मैं 'ए', 'बी' या 'सी' (किसी लक्ष्य) को पूरा करने के बारे में नहीं सोच रहा हूं । मैं मौजूदा समय में रहना पसंद करता हूं । मैं आम तौर पर एक रचनात्मक व्यक्ति हूं और अगर मुझे लगता है कि मैं कुछ करना चाहता हूं, तो मैं आगे बढ़ूंगा और करूंगा । (चाहे यह) सही हो या गलत, यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैं बाद में फैसला करना चाहूंगा ।' अश्विन हालांकि हमेशा इस तरह से बेखौफ नहीं थे । बचपन में उनके अंदर असुरक्षा की भावना थी लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, वह इससे आगे निकलने में सफल रहे । उन्हें एहसास हुआ कि उनका डर उन्हें पंगु बना रहा था । अश्विन ने कहा कि इससे निपटने के बाद वह कुछ हद तक अडिग हो गए और यह एक क्रिकेटर के रूप में उनके विकास में कारगर रहा । इसने उन्हें एक बच्चे के रूप में चेन्नई की सड़कों पर कैरम बॉल फेंकने से लेकर भारत के प्रमुख स्पिनर के रूप में उनका कायापलट काफी मदद की ।

अरशद नदीम को पुरस्कार में मिले एक करोड़ रुपए और कार, गाड़ी का नम्बर भी है स्पैशल

लाहौर । ओलंपिक भाला फेंक चैंपियन अरशद नदीम को हाल ही में संपन्न पेरिस खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के लिए पंजाब सरकार ने मंगलवार को एक करोड़ रुपये और एक नयी कार से पुरस्कृत किया । पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज जब नदीम और उसके परिवार से मिलने मियां चन्नू स्थित उसके गांव गयी तो उन्होंने नदीम को नकद पुरस्कार और कार की चाबियां भेंट की । उन्होंने कहा, 'अरशद हर उस चीज का हकदार है जो उसे मिल रहा है क्योंकि वह देश के लिए बहुत खुशी और गौरव लेकर आया है ।' मुख्यमंत्री ने नदीम को जब 92.97 नंबर प्लेट वाली नई कार की चाबियां सौंपी तब वहां उनके माता-पिता भी मौजूद थे । नदीम ने 92.97 मीटर की ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ पेरिस में स्वर्ण पदक जीता था । मरियम नवाज के साथ आए 'डिप्टी कमिश्नर' ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर चेक और कार से जुड़ी कागजी कार्रवाई को रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया क्योंकि वह नदीम से मिलना चाहती थी । उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री ने विशेष नंबर प्लेट के लिए भी आदेश दिए थे ।' लाहौर वापस जाने से पहले मरियम ने नदीम के कोच सलमान इकबाल बट को 50 लाख रुपये का चेक भी दिया । नदीम ने ओलंपिक में पाकिस्तान के स्वर्ण पदक के 40 साल के सूखे को खत्म किया था ।

भारत को टेस्ट श्रृंखला में 3-1 से हरा सकता है ऑस्ट्रेलिया: रिकी पोंटिंग

पैरिस (एजेंसी)। दुबई - रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर लगातार दो टेस्ट श्रृंखलाओं में हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के पास साबित करने के लिए काफी कुछ होगा और उन्होंने कहा कि पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम इस साल नवंबर-दिसंबर में होने वाली पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से जीत सकती है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरों में टेस्ट श्रृंखला 2-1 के समान अंतर से जीती थी। वह अब 22 नवंबर से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में विश्व की नंबर एक टेस्ट टीम और मेजबान ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगा।

पोंटिंग ने कहा, 'यह एक प्रतिस्पर्धी श्रृंखला होने जा रही है। यहां पिछली दो श्रृंखलाओं में जो कुछ हुआ उसे देखते हुए ऑस्ट्रेलिया के पास अपनी धरती पर भारत के खिलाफ साबित करने के लिए काफी कुछ है।' उन्होंने कहा, 'हम फिर से पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेल रहे हैं जो इस श्रृंखला की दूसरी महत्वपूर्ण बात है। पिछले कुछ समय में हमने केवल चार टेस्ट मैच की श्रृंखला खेली। इस बार पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला को लेकर हर कोई उत्साहित है। मुझे नहीं पता कि इस श्रृंखला में कुछ मैच ड्रॉ होंगे या नहीं।'

पोंटिंग ने कहा, 'मैं निश्चित तौर पर ऑस्ट्रेलिया को जीत का हकदार कहूंगा। मैं कभी ऐसा नहीं कहूंगा कि ऑस्ट्रेलिया जीत का हकदार नहीं है। कोई मैच ड्रॉ हो सकता है तो कोई खराब मौसम से प्रभावित हो सकता है इसलिए मैं कहूंगा कि आस्ट्रेलिया श्रृंखला 3-1 से जीतेगा।' भारत और ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 1991-92 में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेली थी। तब भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था। पोंटिंग ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद को भी भारतीय टीम में रखने की वकालत की। वह दिल्ली कैपिटल्स में खलील के कोच रहे चुके हैं। उन्होंने कहा, 'खलील अहमद जैसे खिलाड़ी को इस टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम में होना चाहिए। वह हाल में जिंबॉब्वे में टी20 श्रृंखला खेल कर लौटा है। भारतीय टीम के लिए अपनी टेस्ट टीम में बाएं हाथ के किसी गेंदबाज को रखना आदर्श स्थिति होगी।%

रिपोर्ट में खुलासा, 2036 में बढ़ जाएगी महिलाओं की संख्या

-2011 के 48.5 के मुकाबले 48.8 फीसदी बढ़ेगी महिला आबादी

नई दिल्ली। भारत में अभी पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का लिंगानुपात कम है। लिंगानुपात 2011 में प्रति एक हजार पुरुषों पर 943 महिलाएं थी अब यह स्तर बढ़कर 2036 में प्रति 1000 पुरुषों पर 952 महिलाएं होने की उम्मीद जताई जा रही है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की जारी रिपोर्ट 2023 में महिला और पुरुष के बारे यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2036 में भारत की जनसंख्या में 2011 की जनसंख्या की तुलना में महिलाओं की संख्या ज्यादा होने की उम्मीद है, जैसा कि लिंगानुपात में परिलक्षित होता है। रिपोर्ट में 2011 में एक हजार पुरुषों पर 943 महिलाएं थीं जो बढ़कर 2036 तक एक हजार पुरुषों पर 952 होने का अनुमान है, जो लैंगिक समानता में सकारात्मक चलन को दर्शाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2036 तक भारत की जनसंख्या 152.2 करोड़ तक पहुंचने की संभावना है, जिसमें महिलाएं 2011 के 48.5 फीसदी की तुलना में थोड़ा बढ़कर 48.8 फीसदी हो जाएंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 15 साल से कम आयु के लोगों का अनुपात 2011 से 2036 तक घटने का अनुमान है, जिसका कारण संभवत : प्रजनन दर में कमी आना है। इसके विपरीत, इस अवधि में 60 साल और उससे ज्यादा आयु की जनसंख्या के अनुपात में उल्लेखनीय वृद्धि का पूर्वानुमान है। 2016 से 2020 तक 20-24 और 25-29 आयु वर्ग में आयु विशिष्ट प्रजनन दर 135.4 और 166.0 से घटकर 113.6 और 139.6 रह गई है। इस अवधि के लिए 35-39 वर्ष की आयु के लिए प्रजनन दर 32.7 से बढ़कर 35.6 हो गई है, जो दर्शाता है कि जीवन में व्यवस्थित होने के बाद, महिलाएं परिवार बढ़ाने के बारे में सोच रही हैं।

बिहार में सरकार बनाएगी 21 नए मदरसे, नीतिश कुमार को अल्पसंख्यक समुदाय की चिंता

पटना । बिहार की नीतिश सरकार सुन्नी और शिया वक्फ बोर्ड के तहत पंजीकृत संपत्तियों के विकास के लिए बहुउद्देशीय भवन, विवाह भवन, बाजार परिसर और अन्य संरचनाओं के निर्माण की तैयारी कर रही है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान ने घोषणा करते हुए कहा कि सरकार ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में 21 नए मदरसे स्थापित करने का भी निर्णय लिया है। मंत्री खान ने कहा, पटना, पूर्णिया, कैमूर, कटिहार, किशनगंज, नवादा और सीवान में 2023-24 में बहुउद्देश्यीय भवन, बाजार परिसर और पुस्तकालय के निर्माण के लिए दस परियोजनाएं प्रस्तावित की गई थी। इन परियोजनाओं के लिए 105.13 करोड़ रुपए की राशि प्रस्तावित की गई थी। उन्होंने कहा कि 2024-25 में सीवान और भागलपुर जिलों में बहुउद्देशीय भवनों, गेस्ट हाउस, विवाह भवन, वक्फ कार्यालय भवनों और बाजार परिसरों का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य वक्फ विकास योजना के तहत यह काम किया जा रहा है। खान ने कहा कि इसके अलावा, बिहार राज्य मदरसा सुदृढीकरण योजना (बीआरएमएसवाई) के तहत राज्य सरकार ने प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में 21 नए मदरसे बनाने का फैसला किया है। हाल ही में राज्य में दस मदरसों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। मंत्री ने कहा, बीआरएमएसवाई के तहत मदरसों के बुनियादी ढांचे और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ पेयजल, पुस्तकालय, उपकरण, शौचालय, कंप्यूटर साइंस लैब आदि जैसी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इस योजना की शुरुआत 2018-19 में की गई थी। पिछले साल पूर्णिया में दो तथा नालंदा और पूर्वी चंपारण में एक-एक मदरसों के सुदृढ़ीकरण के लिए 32.39 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई थी। केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए वक्फ संशोधन विधेयक-2024 और बिल को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने के बारे में पूछने पर, मंत्री ने कहा, नीतीश राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों की भावनाओं और उनके कल्याण को लेकर गंभीर हैं, जो भी निर्णय लिया जाएगा वह निश्चित रूप से समुदाय के हित में होगा।

एलएसी पर फिर भिड़े भारत और चीन के जवान? सेना ने बताई सच्चाई

नई दिल्ली। भारत और चीन की सेनाओं के बीच पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में झड़प भी हुई थी। इस झड़प के बाद ही दोनों पक्षों के बीच सीमा पर तनाव कम करने के लिए बातचीत की बैठक होती रही है। इन बैठकों का एक ही मकसद रहा है कि लद्दाख में भारतीय सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के बीच तनाव को कम किया जा सके। इस बीच दावा गया है कि एक बार फिर से पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल यानी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय सैनिकों की चीनी जवानों से झड़प हो गई है। ये भी दावा किया जा रहा है कि एलएसी पर लगातार माहौल बिगड़ रहा है। दोनों सैनिकों के बीच झड़प हुई है, जिसने सीमा पर तनाव बढ़ा दिया है। वहीं, अब भारतीय सेना की तरफ से इस पूरे मामले पर बयान दिया गया है, जिसने इन चर्चाओं पर पूरी तरह से विराम लगाया है। भारतीय सेना की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया गया है। इसमें पूर्वी लद्दाख में चीन के सैनिकों के साथ टकराव की खबरों को फर्जी करार दिया गया है। सेना ने साफ कर दिया है कि सीमा पर इस तरह की कोई घटना नहीं हुई है। सेना ने कहा है कि लोगों को अफवाहों से बचना चाहिए, क्योंकि इस तरह की कोई घटना सामने नहीं आई है। एक पोस्ट में सेना ने कहा, अफवाहों से बचें। भारतीय सेना और पीएलए सैनिकों के बीच हुई झड़प के बारे में सोशल मीडिया पर फर्जी मैसेज सर्कुलेट किए जा रहे हैं। ये खबर गलत है और इस तरह की कोई घटना नहीं हुई है। सभी से फेक न्यूज के खिलाफ सावधानी बरतने की अपील की जाती है। पोस्ट में उन एक्स पोस्ट के स्क्रीनशॉट को भी शेयर किया गया है, जिन्होंने ये अफवाह फैलाई थी। दरअसल, एक्स पर कई यूज़र्स ने पोस्ट किया कि पूर्वी लद्दाख के बुर्त्से इलाके में सेना और पीएलए के जवानों के बीच झड़प हुई है। दावा किया गया कि झड़प की घटना लद्दाख के पिलर प्वाइंट पर 12 पर हुई है। इस झड़प में गढ़वाल और चीन के 14 सैनिक शामिल थे। जब ये अफवाह तेजी से फैलने लगी तो सेना ने सामने आकर इसका खंडन कर दिया।

महाराष्ट्र की राजनीति में हॉट टॉपिक बने देवेंद्र फडणवीस... राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे या फिर नहीं

मुंबई । विधानसभा चुनावों की दहलीज पर खड़े महाराष्ट्र में बीजेपी नेता और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस चर्चा में बने हुए हैं। सवाल है कि क्या फडणवीस केंद्र की राजनीति में जाएंगे और बीजेपी के नए अध्यक्ष बन सकते है। इस माह की शुरुआत में जब पीएम मोदी से सपरिवार मिले थे, तब उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की अटकलों ने जोर पकड़ा था। फडणवीस के बारे में कहा जाता है कि उनके पास संघ का पूरा समर्थन है। इस बीच महाराष्ट्र के कुछ अखबारों में जब उनका हर हर महादेव का विज्ञापन सामने आया, फिर से अटकलें लगने लगी कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की राह पर बढ़ रहे हैं? फडणवीस राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे या फिर नहीं बनेंगे, इससे बड़ा सवाल है कि अगर वह केंद्र में जाते हैं, फिर महाराष्ट्र में कौन बीजेपी को लीड करेगा? महाराष्ट्र में इस बार के चुनावों को काफी ज्यादा फंसा हुआ माना जा रहा है। अक्टूबर-नवंबर में महाराष्ट्र के साथ हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर में चुनाव होने हैं। इनमें दो राज्यों में बीजेपी सत्ता में है। एक राज्य में इंडिया गठबंधन की सरकार है। महाराष्ट्र में बीजेपी हर हाल में सत्ता में लौटना चाहती है, क्यों अगले साल यानी 2025 में संघ की स्थापना के 100 साल पूरे हो रहे हैं। इसके बाद बीजेपी नहीं चाहती है कि संघ जब अपने 100 के पड़ाव पर हो तब राज्य में विपक्ष की सरकार हो। इसीलिए लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व्यक्तिगत तौर पर महाराष्ट्र को लेकर चिंतित हैं और तैयारियों पर नजर रख रहे हैं।

बेंगलुरु में वोल्वो बस कई गाड़ियों को मारी टक्कर, दो बाइक सवार घायल

बेंगलुरु । कर्नाटक में एक वोल्वो बस ने कई गाड़ियों को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो लोग घायल बताए जा रहे हैं। कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक बेकाबू वाल्वो बस बेंगलुरु में हेब्बल फ्लाईओवर पर कई वाहनों से टकराई और यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हादसे में दो बाइक सवार घायल हो गए हैं और कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। बस एक कार के आड़े होने पर रुकी गई। जानकारी के मुताबिक यह घटना सोमवार की बताई जा रही है। हेब्बल फ्लाईओवर के पास एक वोल्वो बस चालक ने गाड़ी से नियंत्रण खो दिया।

हम दूसरे के चुनावों पर टिप्पणी नहीं करते हैं, दूसरा भी हम पर न करे

-अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर विदेश मंत्री जयशंकर ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर अमेरिकी चुनाव को लेकर दिल्ली में एक कार्यक्रम में उनसे सवाल पूछा कि इस साल के अंत में अमेरिका में भी चुनाव होने हैं, इस पर भारत की क्या प्रतिक्रिया है? विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत में तो ऐसे चुनाव हर साल होता है। हम लगातार इसका आयोजन करते हैं। हमारे यहां अभी हाल में ही चुनाव हुआ। जहां तक अमेरिका की बात है तो हम दूसरे के चुनाव पर कोई टिप्पणी नहीं करते हैं और हम ये उम्मीद करते हैं कोई दूसरा भी हमपर टिप्पणी न करे।

जयशंकर ने कहा कि हमारे देश में चुनाव को पसंद किया जाता है। हमारे चुनाव में वास्तव में उम्मीदवार, जनता और सिस्टम का टेस्ट होता है। उन्होंने कहा कि हम लगातार उस परीक्षा में पास होते हैं। इस तरह से देखेंगे तो ये ऐसा देश हैं जहां के लोग पूरी दुनिया के लोकतांत्रिक प्रक्रिया का समर्थन करते हैं। इसी दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका को खरी-खोटी सुनाई। दरअसल, उनका इशारा आम चुनाव में अमेरिकी टिप्पणियों की तरफ था। भारत में आम चुनाव के दौरान अमेरिका ने धार्मिक मुद्दे को लेकर खूब बयानबाजी की थी। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा था कि वह सभी धार्मिक समुदाय के सदस्यों के लिए समान व्यवहार के लिए सार्वभौमिक सम्मान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और इस मामले पर भारत समेत दुनिया भर के देशों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में चुनावों का फैसला वहां का सिस्टम और जनता करती है। यही प्रक्रिया है। आप पिछले 20 साल ये उससे ज्यादा वक्त से देख सकते हैं कि हमारे रिश्ते उनके साथ अच्छे रहे हैं। वहां कोई भी राष्ट्रपति चुने जाएं हमारे वैसे ही रिश्ते रहेंगे।

महिला ट्रेनी डॉक्टर की हत्या पर कंगना बोलीं-सीबीआई करे मामले की जांच

नई दिल्ली। कोलकाता में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। आज हर इंसान आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग कर रहा है। डॉक्टर सड़क पर आ गए हैं और उन्हें सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। अब ट्रेनी डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या मामले पर सांसद कंगना रनौत का बयान सामने आया है। कंगना राजनीति से लेकर फिल्मी दुनिया से जुड़े मुद्दों पर खुलकर अपनी राय देती हैं। हाल ही में कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ जघन्य अपराध मामले को लेकर कंगना ने लंबा-चौड़ा नोट लिखकर इस मामले को सीबीआई को सौंपने की मांग की है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा-कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर की हत्या भयानक है। शुक्रवार सुबह सेमिनार हॉल के अंदर महिला ट्रेनी डॉक्टर का अर्ध-नग्न शव मिला। उसकी बेरहमी से हत्या की गई थी और उसके शरीर पर कई चोट के निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या से पहले यौन शोषण के संकेत मिले है। मुझे उम्मीद है कि मामले की पूरी जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया जाएगा और ओरापी को कड़ी सजा दी जाएगी।

ढाई माह में ही बारिश का कोटा पूरा, दिल्ली को फायदा नहीं नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में बारिश का कोटा महज ढाई महीने में पूरा हो गया। इसमें भी 70 फीसदी से ज्यादा बारिश पांच दिनों में हुई। जानकारों का मानना है कि बारिश का यह ट्रेंड दिल्ली के लिए अच्छा नहीं है। इससे दिल्ली को बारिश का फायदा नहीं मिल रहा है बल्कि हादसे बढ़ रहे हैं।

एक जून से 30 सितंबर तक होने वाली बारिश को मानसूनी बारिश कहा जाता है। इन चार महीनों में राजधानी में पूरे साल की करीब 70 फीसदी बारिश होती है। इस दौरान सामान्य तौर पर दिल्ली में 640 मिमी बारिश होती है। इस बार एक जून से अब तक 648.8 मिमी बारिश हो चुकी है। जून में 243.4 मिमी, जुलाई में 203.7 मिमी और अगस्त में 200.7 मिमी बारिश हो चुकी है।

स्काईमेट के महेश पलावत ने बताया कि राजधानी में पिछले कुछ मानसून से बारिश तो सामान्य हो रही है, लेकिन दिनों में कमी आई है। 100 मिमी और इससे ज्यादा बारिश वाले दिनों की संख्या बढ़ रही है। इससे मानसून की बारिश का आंकड़ा तो सामान्य रहता है, लेकिन बारिश का फायदा नहीं मिलता है। इस तरह की बारिश से ग्राउंड वॉटर लेवल में इजाफा नहीं होता है। वहीं, ड्रेनेज सिस्टम और यमुना ओवरफ्लो हो जाती है। इससे हादसे होते हैं। लोगों के घरों में पानी भर जाता है, इन्फ्रास्ट्रक्चर खराब होता है। ऐसे में इस तरह की बारिश शहर के लिए आर्थिक नुकसान की वजह बनती है। जबकि जिस हिसाब से इस बारिश को कंट्रोल करने के लिए योजना बनाने की जरूरत है, दिल्ली अब भी उसमें काफी पीछे है। साथ ही, कम दिनों में हो रही सामान्य बारिश की वजह से मानसून के दौरान उमस वाली गर्मी ज्यादा सहन करनी पड़ रही है। जिसकी वजह से स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंच रहा है।

टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा पहुंचे बिहार, लालू-शिवानंद से की मुलाकात

- चर्चाओं का बाजार गर्म- क्या नीतीश-लालू को एक प्लेटफॉर्म पर लाने की कोशिश

पटना (एजेंसी)। मैं न खामोश होने और न किसी को खामोश करने आया हूं। यह कह कर टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने बिहार की राजनीतिक में हलचल मचा दी है। इसकी जब और बढ़ गई जब सिन्हा ने एक ही दिन राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी से मुलाकात की।

शत्रुघ्न सिन्हा जिन्हे बिहारी बाबू भी कहा जाता है वह लगातार छह बार सांसद और कई बार मंत्री बनने के बाद वह अभिनेता नहीं रह गए हैं। अब राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से और शिवानंद तिवारी से मुलाकात महज दोस्ती की याद ताजा करना नहीं है। टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा तो यही कहते हैं लेकिन बिहार का राजनीतिक गलियारा शत्रुघ्न सिन्हा के फेमस डायलॉग खामोश जैसा खामोश नहीं है। चर्चा यह है कि आगामी विधानसभा चुनाव 2025 में टीएमसी का राजनीतिक भविष्य तलाशने तो बिहार नहीं आए हैं। या फिर बीजेपी के विरुद्ध रणनीति का एक पहलू यह भी है कि वह कहीं नीतीश कुमार और लालू यादव को एक प्लेटफॉर्म पर लाने की कोशिश करने आए हैं।

हालांकि राजद सुप्रीमो लालू यादव से मुलाकात को शत्रुघ्न सिन्हा ने निजी मुलाकात बताया लेकिन यह बात कहकर शत्रुघ्न सिन्हा ने जरूर चौंका दिया कि वह अगले दौरे में सीएम नीतीश कुमार से भी मिलेंगे। वह भी यह कहते है कि अक्सर नीतीश कुमार से कॉफी पर बात होती रहती है। कुछ कारणों से मुलाकात नहीं हुई लेकिन अगली बार उनके साथ कॉफी जरूर पिऊंगा।

शत्रुघ्न सिन्हा ने बीजेपी पर हमला बोला और कहा कि ये जो हिंडनवर्ग की रिपोर्ट आई है उससे बीजेपी सरकार उनके कई नेता और कई मित्रगण घबराए हुए हैं। ऐसा इसलिए कि वह जानते हैं कि इस बार बात निकली है तो दूर तलक जाएगी। लोग कहते हैं कि इस बार हिंडनवर्ग ने बहुत सोच समझ कर रिपोर्ट पेश की है। राहुल गांधी की इस बात से मैं सहमत हूं कि सुप्रीम कोर्ट को इस पर संज्ञान लेना चाहिए, यह राष्ट्रीय मुद्दा है।

पश्चिम बंगाल में एक महिला डॉक्टर की हत्या और रेप मामले में शत्रुघ्न ने कहा कि बंगाल सरकार कार्रवाई कर रही है। आप पुलिस को क्यों हतोत्साहित करना चाहते हैं। सीएम ममता बनर्जी ने साफ कहा दो तीन दिन देखते हैं। बंगाल पुलिस सफल नहीं होती तो मामला सीबीआई को सौंप देंगे। सीबीआई भी होली काऊ नहीं, काऊ है।

इस साल चार राज्यों के विधानसभा चुनाव तय करेंगे बीजेपी का भविष्य

-जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने के बाद पहली बार होना है चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल देश के चार राज्यों महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और झारखंड में विधानसभा चुनाव होना हैं। अभी हरियाणा में बीजेपी की सरकार है, वहीं महाराष्ट्र में भी बीजेपी की गठबंधन सरकार है। झारखंड में बीजेपी सत्ता में वापसी करने की कोशिश कर रही है तो जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव होना है। लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने इस बार 400 पार का नारा जरूर दिया था, लेकिन वह इस आंकड़े तक नहीं पहुंच पाई। लोकसभा चुनाव के बाद अब विधानसभा चुनावों में बीजेपी का प्रदर्शन कैसा रहता है, यह निर्भर करेगा कि बीजेपी आगे की दिशा क्या तय करती है।

हरियाणा में दो बार से लगातार बीजेपी सत्ता पर काबिज है। 2014 में जब पार्टी यहां सत्ता में आई तो मनोहरलाल खट्टर को सीएम बनाया गया था फिर 2019 का विधानसभा चुनाव खट्टर के नेतृत्व में ही लड़ा गया और जेजेपी के साथ मिलकर सरकार बनाई थी लेकिन बाद में यह गठबंधन टूट गया। उसके बाद चुनाव से कुछ ही पहले नायब सिंह सैनी को सीएम बनाकर खट्टर को केंद्र में भेज दिया। अब बीजेपी के पास हरियाणा में कोई बड़ा चेहरा नहीं बचा है। ऐसे में इस बात की संभावना कम ही दिख रही है कि वह किसी को सीएम पद का उम्मीदवार घोषित कर आगे बढ़ेगी।

बीजेपी के लिए हरियाणा इसलिए अहम है क्योंकि यहां बड़ी संख्या में किसान हैं, भारी तादाद में यहां के युवा फौज में जाते हैं। नए कृषि कानून को लेकर किसानों की नाराजगी की चर्चाएं आज भी होती रहती हैं। साथ ही सेना में भर्ती की नई स्कीम अग्निपथ को लेकर विपक्ष का रुख आक्रामक है। राहुल गांधी लोकसभा चुनाव के वक्त से इस मसले को उठा रहे हैं कि यह स्कीम युवाओं के खिलाफ है। हालांकि पीएम मोदी ने करगिल विजय दिवस पर इस स्कीम को लेकर विपक्ष को घेरा, उससे यह संदेश साफ है कि इस स्कीम में फिलहाल कोई बदलाव नहीं होने वाला है। ऐसे में विधानसभा चुनाव में इसका क्या असर होगा, यह देखना होगा।

2019 लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने राज्य की सभी दस सीटों पर जीत हासिल की थी। लेकिन इस बार बीजेपी के खाते में सिर्फ पांच सीटें ही आईं। वोट शेयर देखें तो 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 58फीसदी वोट मिले जबकि इस लोकसभा चुनाव में उसे 46.06फीसदी मिले। कांग्रेस का वोट शेयर 2019 में 28.42फीसदी था वहीं इस बार 43.73फीसदी रहा। लोकसभा चुनाव में यहां कांग्रेस मजबूत होकर उभरी और बीजेपी के लिए विधानसभा चुनाव की सबसे बड़ी चुनौती बनेगी।

महाराष्ट्र में बीजेपी गठबंधन की सरकार है। लोकसभा चुनाव में इस गठबंधन का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। बीजेपी को सिर्फ नौ सीटों पर लोकसभा चुनाव में जीती मिली जबकि उसने 28 सीटों पर चुनाव लड़ा था। 2019 विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने राज्य की 106 सीटों पर जीत हासिल की थी। राज्य में कुल 288 विधानसभा सीटें हैं। यहां मराठा आरक्षण एक बड़ा मुद्दा है जो बीजेपी के लिए सिर दर्द बन सकता है। लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी को मराठवाड़ा क्षेत्र में सफलता नहीं मिली। वहां की आठ सीटों में से चार सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन एक भी सीट नहीं जीत सकी।

हिमंता ने यूनिवर्सिटी पर साधा निशाना, लव जिहाद से जोड़ा कनेक्शन

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने फ्लड जिहाद के बाद अब प्राइवेट यूनिवर्सिटी के ढांचे पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि इसका गेट जिहाद की निशानी जैसा है और इसके अंदर जाते हुए शर्म आती है। बता दें कि यह प्राइवेट यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेघालय (यूएसटीएम) गुवाहाटी के बाहरी इलाके में बनी है। यह शैक्षणिक संस्थान एक बंगाली मूल के मुसलमान का है। हिमंता ने यहां तक कहा कि यह पढ़ाई को बर्बाद कर रहे हैं। इससे पहले सरमा ने इसी यूनिवर्सिटी को फ्लड जिहाद के लिए जिम्मेदार बताया था। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी के कैंपस के लिए पहाड़ियों को काटा जा रहा है। इसके चलते यहां पर बाढ़ आ रही है। हिमंता सरमा ने जब पूछा गया कि वह जिहाद शब्द का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि जिहाद कहकर तो मैं फिर भी बहुत नरमी बरत रहा हूं। यह लोग तो जिहाद का बाप कर रहे हैं। पूरा एजुकेशन सिस्टम को बर्बाद किया जा रहा है। सरमा ने कहा कि हमारी सभ्यता, हमारी संस्कृति पर जो हमला किया जाता है उसको जिहाद कहते हैं। उधर सरमा के राजनीतिक विरोधियों का कहना है कि उन्होंने साल 2021 में हक की मौजूदगी में इस यूनिवर्सिटी के नए हिस्से का उद्घाटन किया था। हालांकि सीएम का दावा है कि वह यूनिवर्सिटी में गए जरूर हैं, लेकिन यह एक कार्यक्रम था, जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आए थे।

सरमा ने सोमवार को इस यूनिवर्सिटी पर हमला और तेज कर दिया। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी के बड़े गेट के ऊपर तीन डोम बने हैं। उन्होंने कहा कि यहां जाना शर्मनाक है क्यों ऐसा लगता है जैसे हम मक्का में जा रहे हैं। असम के सीएम ने कहा कि हम यह कह रहे हैं कि यहां पर एक पूजा घर भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बना रहे हो तो मक्का, मदीना, चर्च सब बनाओ, लेकिन उन्होंने केवल मक्का बनाया है। सरमा ने हा कि वहां पर पूजा घर हो, चर्च हो और मक्का भी हो, हम तीनों में जाएंगे। केवल एक में क्यों जाएं? बता दें कि इस यूनिवर्सिटी की स्थापना बंगाली मूल के मुसलमान महबुबुल हक के संस्थान ने की है। वह असम स्थित बराक वैली के करीमगंज जिले रहने वाले हैं। हक ही यूनिवर्सिटी के चांसलर भी हैं।बता दें कि (यूएसटीएम) के पास इस इलाके का सबसे बड़ा ऑडिटोरियम है। इसके चलते सभी बड़े इवेंट्स के लिए लोग यहीं पर आते हैं। सरमा ने कहा कि इसके बदले में वह इससे भी बड़ा ऑडिटोरियम गुवाहाटी में बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं गया और मैंने सोचा कि अगर यह ऑडिटोरियम यहां रहा तो इसके लिए गुवाहाटी के लोग उस शख्स के सामने झुके रहेंगे। यही वजह है कि मैंने खानपारा (गुवाहाटी) में चुपचाप इससे भी बड़ा ऑडिटोरियम बनाना शुरू कर दिया।

तीन साल में 422 डॉक्टरों ने छोड़ा एम्स, 36 फीसदी पद खाली

-विशेषज्ञों का कहना-इस्तीफा देने में मैनेजमेंट का रोल भी अहम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) देश के कई राज्यों में खुल रहे हैं जिससे मरीजों को बेहतर मेडिकल उपचार मिल रहा है। इन सबके बीच एम्स से डॉक्टरों का इस्तीफा देना एक बड़ा मुद्दा है। पिछले तीन सालों में देश के 20 एम्स के 422 डॉक्टरों ने इस्तीफा दे दिया है। इनमें दिल्ली के 25, भोपाल 27, भुवनेश्वर 37, जोधपुर 35, रायपुर 37, नागपुर 27 डॉक्टर इस्तीफा दे चुके हैं। संसद में एक सवाल के जवाब में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि एम्स में कार्यरत डॉक्टरों, नर्सों और अन्य गैर संकाय पदों पर भर्ती की एक सतत प्रक्रिया है और भर्ती प्रक्रिया चलती रहती है।

देश के 20 एम्स के डॉक्टरों के स्वीकृत पदों की संख्या 5767 है, जिसमें करीब 64 फीसदी यानी 3653 डॉक्टर हैं और 36 फीसदी पद खाली पड़े हैं। हालांकि मंत्रालय का कहना है कि इन पदों को जल्द भर दिया जाएगा। दिल्ली एम्स में डॉक्टरों के 1232 पद हैं, जिसमें से 816 पद भरे हुए हैं। नए एम्स में कल्याणी में 259 में से 156 पद भरे हैं। रायबरेली में 201 में से 106 पद भरे हैं। एम्स बठिंडा में 209 में से 142 पद भरे हुए हैं।

एम्स से कई सीनियर डॉक्टर बड़े निजी हास्पिटलों में जा चुके हैं। इस बारे में एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि निजी सेक्टर में ज्यादा सैलरी और बड़ा पद ऑफर मिलने से कई डॉक्टर वहां चले जाते हैं। एम्स के डॉक्टरों की निजी सेक्टर में काफी डिमांड है। विशेषज्ञ कहते हैं कि कई बार मैनेजमेंट का रोल भी बहुत अहम होता है। अगर संस्थान के मैनेजमेंट को लेकर डॉक्टरों में कुछ नाराजगी होती है तो इस्तीफा देने का एक कारण यह भी हो सकता है। देश के इतने बड़े प्रीमियर संस्थानों से अगर अनुभवी और वरिष्ठ डॉक्टर इसी तरह छोड़ कर जाते हैं तो मैनेजमेंट पर भी सवाल तो उठेंगे ही। मैनेजमेंट को डॉक्टरों से बात करनी चाहिए और रिसर्च व इलाज को लेकर सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया करवानी होंगी।

इसी साल फरवरी में एम्स राजकोट, एम्स बठिंडा, पश्चिम बंगाल में कल्याणी, आंध्र प्रदेश में मंगलागिरी और रायबरेली एम्स देश को समर्पित किया है। 2014 से पहले देश में केवल सात एम्स थे लेकिन अब 22 एम्स में मरीजों का इलाज हो रहा है। एम्स रेवाड़ी पर करीब 1650 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

इसे रेवाड़ी के गांव माजरा मुस्तिल भालखी में 203 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**